सेंसेक्स	~	81,551.63
निफ्टी	~	24,826.20
सोना	~	98130
चांदी	~	100000
डॉलर	~	85.32

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

PMG

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
बुधवार 28 मई 2025
ज्येष्ठ शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 242
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

भाजपा विधायक को 2 साल की जेल

दरभंगा। दरभंगा के एमपी एमएलए कोर्ट ने अलीनगर के भाजपा विधायक मिश्रीलाल यादव एवं सुरेश यादव को 2 साल की जेल की सजा दी है। इसके पहले 21 फरवरी को भादवि की धारा 323 में तीन माह की सजा और 500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। जिसके खिलाफ यादव द्वारा दायर अपील को एमपी एमएलए कोर्ट के अपीलीय विशेष न्यायाधीश सह जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश सुमन कुमार दिवाकर की अदालत ने 23 मई को खारिज कर दिया तथा निचली अदालत से पारित सजा के तहत जेल भेज दिया। मंगलवार को सजा अवधि पर दोनों पक्ष को सुनने के बाद एडीजे दिवाकर विधायक यादव एवं सुरेश को दो-दो वर्ष का सश्रम कारावास, एक-एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा मुकर्रर की। अर्थदंड नहीं देने पर एक साल का साधारण कारावास भुगतना होगा।

पंजाब में रिहायशी कॉलोनी में बम फटा

अमृतसर। पंजाब में अमृतसर के मजीठा रोड बाईपास पर रिहायशी कॉलोनी में मंगलवार सुबह बम धमाका हुआ है, जिसमें एक व्यक्ति के हाथ और पैर चिथड़े की तरह उड़ गए। उसका पूरा शरीर छलनी था। जब उसे अस्पताल ले जाया गया तो उसकी मौत हो गई। यह ब्लास्ट आतंकी संगठन बब्बर खालसा ने कराया है और मरने वाला इसी संगठन से जुड़ा था। धमाके के बाद मौके पर पहुंचे पंजाब पुलिस की बॉर्डर रेंज के डीआईजी सतिंदर सिंह ने भी माना कि यह आतंकी घटना है। जिस शख्स की मौत हुई, वह हथियारों की खेप उठाने आया था। इसी दौरान धमाका हो जाने से उसके चीथड़े उड़ गए।

तुर्की की कंपनी को हाईकोर्ट से स्टे

मुंबई । भारत और पाकिस्तान के बीच ऑपरेशन सिंदूर में तुर्की ने पाकिस्तान के पक्ष में सैनिक कार्रवाई में भाग लिया। भारतीय सेना को काफी नुकसान पहुंचा था। उसके बाद भारत सरकार और कंपनियों ने तुर्की से अपने कारोबारी संबंध खत्म करने का निर्णय लिया था।

मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड में हैंडलिंग और सर्विस देने का काम तुर्की की फर्म मायल कर रही थी। इसका अनुबंध सेलेबी द्वारा खत्म किया गया। इस आदेश के खिलाफ तुर्की की कंपनी मायल को बॉम्बे हाईकोर्ट का स्टे मिल गया है। अदालत ने कहा है कि जब तक याचिका में कोई अंतिम फैसला नहीं होता है। तब तक कोई नए टेंडर जारी नहीं किए जाएं। जब तक अदालत में मामला लंबित रहेगा तब तक तुर्की की कंपनी मायल काम करती रहेगी।

आप के पूर्व विधायक की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट (मकोका) के तहत दर्ज मामले में आप के पूर्व विधायक नरेश बाल्यान की जमानत याचिका खारिज कर दी। दिल्ली पुलिस ने तर्क दिया था कि मामले की जांच अहम चरण में है। बाल्यान को जमानत दी गई तो वे जांच में बाधा डालेंगे। याचिका खारिज करते हुए स्पेशल जज दिग्विजय सिंह ने कहा कि राहत देने के पर्याप्त आधार नहीं है। मामले में बाल्यान की यह दूसरी जमानत याचिका थी। इससे पहले 15 जनवरी को उनकी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। वे जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश हुए थे। दिल्ली पुलिस ने 1 मई को मामले में बाल्यान के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। मामले में बाल्यान को पिछले साल 4 दिसंबर को गिरफ्तार किया गया था।

आरक्षित पदों पर भर्ती को लेकर रार!

राहुल गांधी ने कहा-आरक्षित पदों को रखा जा रहा खाली, प्रधान बोले-कांग्रेस झूठ की सबसे बड़ी ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली। एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित पदों पर होने वाली सरकारी भर्तियों को लेकर कांग्रेस और सरकार में रार शुरू हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि इस सरकार में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से व्यवस्थागत भेदभाव किया जा रहा है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि योग्य उम्मीदवारों को नॉट फाउंड सुटेबल बताकर खारिज किया जा रहा है और यह एक नए तरीके का मनुवाद है। वहीं केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयानों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी आज देश में झूठ और फरेब की सबसे बड़ी ब्रांड एंबेसडर बन गई है। उनका आरोप है कि कांग्रेस के शाही परिवार ने हमेशा एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग को छलने का काम किया है, लेकिन कांग्रेस के नेताओं को अपने दलित विरोधी इतिहास का पता नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी आयातित टूलकिट के जरिए झूठ फैलाने में लगे रहते हैं।

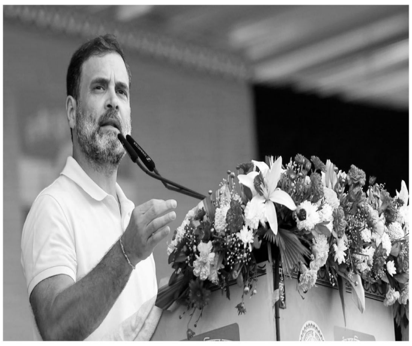

राहुल गांधी का दावा

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि नॉट फाउंड सुटेबल अब नया मनुवाद है। दलित और पिछड़े वर्ग के योग्य उम्मीदवारों को जानबूझकर अयोग्य ठहराया जा रहा है ताकि वे शिक्षा और नेतृत्व से दूर रहें। बाबा साहेब ने कहा था शिक्षा बराबरी के लिए सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन मोदी सरकार उस हथियार को कुंद करने में जुटी है। राहुल गांधी ने दावा किया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी में 60 प्रतिशत से ज्यादा प्रोफेसर और 30 प्रतिशत से ज्यादा एसोसिएट प्रोफेसर के आरक्षित पदों को हृस्रस् (अयोग्य उम्मीदवार) बताकर खाली रखा गया है। यह कोई अपवाद नहीं है। आईआईटी, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, सभी जगह ये साजिश चल रही है। एनएफएस संविधान पर हमला है और सामाजिक न्याय से धोखा है। ये सिर्फ शिक्षा और नौकरी की नहीं, हक, सम्मान और हिस्सेदारी की लड़ाई है।

बाबासाहेब के नाम पर कांग्रेस करती है राजनीति

राहुल गांधी द्वारा नॉट फॉर सुटेबल की समस्या उठाने पर प्रधान ने कहा कि ये कांग्रेसी सोच की देन थी, जो बाबासाहेब के नाम पर राजनीति करती है लेकिन उनके आदर्शों का विरोध करती है। मोदी सरकार ने 2019 में सेंट्रल एजुकेशन इंस्टीट्यूशन एक्ट लागू कर इस अन्याय को खत्म कर दिया। उन्होंने कहा कि अब आरक्षित पदों में किसी अन्य वर्ग को नियुक्ति नहीं मिलेगी। धर्मेंद्र प्रधान ने यह भी बताया कि लंबे समय तक सत्ता में रहने के बावजूद कांग्रेस ने दलित, पिछड़ों और शोषित वर्ग को उनके अधिकार नहीं दिए। 2014 में जब यूपीए सरकार खत्म हुई, तब केंद्रीय विश्वविद्यालयों में एससी, एसटी और ओबीसी के शिक्षकों के पदों में भारी रिक्तता थी। वहीं, मोदी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद रिक्त पदों को भरने का काम शुरू किया। 2014 में शिक्षकों के पद 16,217 से बढ़कर 18,940 हुए और रिक्त पदों का प्रतिशत 37 प्रतिशत से घटकर 25.95 प्रतिशत हो गया है। यह प्रक्रिया अब भी चल रही है।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने सरकार और प्रधानमंत्री को घेरा, कहा

प्रेम चोपड़ा-परेश रावल जैसे डायलॉग मार रहे मोदी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल आतंकियों को न पकड़ पाने के लिए सरकार पर निशाना साधा। सोमवार को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि देश को अब तक कई महत्वपूर्ण सवालों के जवाब नहीं मिले, जिनमें से एक है कि पाकिस्तान के साथ किन शर्तों पर सीजफायर समझौता हुआ। मोदी इन अहम सवालों के जवाब की बजाय फिल्मी डायलॉगबाजी कर रहे हैं और उनके सांसद ओछी राजनीति कर रहे। पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी कभी प्रेम चोपड़ा की तरह तो कभी परेश रावल की तरह डायलॉग मार रहे हैं। कभी कहते हैं कि सिंदूर मेरी रगों में बहता है। गोलियां खाओ, रोटियां खाओ जैसे डायलॉग बोल रहे हैं। क्या यही एक गंभीर नेता का व्यवहार होता है?

पवन खेड़ा ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि केंद्र की विदेश नीति ट्रोल्स तय कर रहे हैं। वे कभी इस्लामाबाद तो कभी कराची में हमला और कब्जा करवा देते हैं। मोदी सरकार को ट्रोल्स चला रहे हैं। वही इंस्पायर कर रहे हैं और वही ऑपरेट कर रहे हैं। इसका रिजल्ट सबके सामने हैं। प्रधानमंत्री खुद एक ट्रोलर की भाषा बोलने लगे हैं। ये बेहद चिंता का विषय है।

मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह से फेल

कांग्रेस ने कहा कि मोदी सरकार की विध्वंसकारी विदेश नीति के कारण हम अलग-थलग हो गए हैं। हमारी विदेश नीति का नतीजा ये है कि नेपाल-भूटान भी हमारे साथ नहीं खड़े हुए। जबकि संघर्ष के दौरान चीन ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया। इतना ही नहीं, मोदी सरकार की विदेश नीति का नतीजा ये है कि कुवैत ने पाकिस्तान पर से वीजा पाबंदियां हटा दी हैं। कुवैत, पाकिस्तान से लेबर ट्रीटी साइन करने वाला है। उधर, यूएई ने पाकिस्तान को 5 साल की वीजा अनुमति दे दी है। ईरान ने खुलकर कहा कि पाकिस्तान आतंक को शरण देता है। जबकि मोदी सरकार के ट्रोल्स ईरान के बारे में भद्दी टिप्पणियां करते हैं।

देश की पहली महिला सीजेआई बनेंगी जस्टिस बी वी नागरत्ना

नई दिल्ली। जस्टिस बी वी नागरत्ना सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम में शामिल होने वाली पहली महिला जज बन गई हैं। 23 मई को जस्टिस अभय श्रीनिवास ओका के रिटायरमेंट के चलते 25 मई को जस्टिस नागरत्ना सुप्रीम कोर्ट की 5वीं सबसे सीनियर जज बन गईं। सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम में 5 सबसे सीनियर जज ही रहते हैं, जिसमें चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया भी शामिल होते हैं। सीजेआई की नियुक्ति वरिष्ठता के आधार पर होती है। ऐसे में बी वी नागरत्ना 11 सितंबर 2027 को भारत की 50वीं मुख्य न्यायाधीश बनेंगी। वो इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला होंगी। उनका कार्यकाल लगभग 1 महीने का होगा। वो 29 अक्टूबर 2027 को सीजेआई के पद से रिटायर होंगी। नागरत्ना का जन्म 30 अक्टूबर 1962 को बेंगलुरु में जस्टिस ई. एस. वेंकटरमैय्या के घर हुआ। जस्टिस वेंकटरमैय्या आगे चलकर सीजेआई बने थे। ऐसे में बचपन से ही नागरत्ना को घर में कानून की पढ़ाई का माहौल मिला।

ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया - उपराष्ट्रपति धनखड़

नई दिल्ली। राज्यसभा इंटर्नशिप कार्यक्रम-चरण 7 के उद्घाटन सत्र में, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा बयान दिया है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने हमारी मानसिकता को बड़े पैमाने पर बदल दिया है। हम पहले से कहीं अधिक राष्ट्रवादी हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास एकजुट रहने और मजबूत होने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए, हमें स्वदेशी ताकत की आवश्यकता है। युद्ध को ताकत की स्थिति में टाला जाना चाहिए। शांति तब सुरक्षित होती है जब आप युद्ध के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और इसलिए ताकत तकनीकी कौशल, पारंपरिक हथियारों की ताकत के अलावा लोगों से भी आती है। उन्होंने कहा कि संस्थाओं की तरह, राजनीतिक जनजातियों का भी राष्ट्रीय हित के प्रति नैतिक कर्तव्य है, क्योंकि सभी संस्थाओं के लिए अंतिम केंद्र बिंदु राष्ट्रीय विकास, जन कल्याण और पारदर्शिता, जवाबदेही, ईमानदारी पैदा करना है।

उपसभापति धनखड़ ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक प्रगति के मुद्दों पर, सभी गुटों को राष्ट्रीय हित को दलीय प्राथमिकताओं से ऊपर रखना चाहिए। मैं राजनीतिक स्पेक्ट्रम में सभी से गंभीरता से विचार करने और निष्कर्ष पर पहुंचने की अपील करूंगा कि आंतरिक सुरक्षा और विकास के मुद्दों पर आम सहमति होनी चाहिए।

आधी रात में फिर कांपी धरती, म्यांमार और तिब्बत में महसूस किए गए भूकंप के झटके

नई दिल्ली। बीती आधी रात एक बार फिर धरती कांपी, जब म्यांमार और तिब्बत में भूकंप के झटके दर्ज किए गए। भूकंप का केंद्र धरती की सतह से करीब 10 किलोमीटर नीचे था, जो इसे अधिक संवेदनशील बनाता है। म्यांमार में भारतीय समयानुसार मंगलवार 27 मई को तड़के 2:32 बजे 3.4 तीव्रता का झटका दर्ज किया गया। वहीं, तिब्बत में रात 12:59 बजे इसी तीव्रता के झटके महसूस किए गए। हालांकि भूकंप की तीव्रता ज्यादा नहीं थी, फिर भी रात के सन्नाटे में आए इन झटकों ने लोगों को दहशत में डाल दिया। कई जगह लोग नींद से जागकर घरों से बाहर निकलते देखे गए। फिलहाल दोनों ही क्षेत्रों से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, हाल के दिनों में म्यांमार में लगातार भूकंपीय गतिविधियां दर्ज की जा रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि टेक्टोनिक प्लेटों की बढ़ती हलचल इन घटनाओं के पीछे कारण है। प्रशासन ने स्थिति पर कड़ी नजर बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। भूकंप के लिहाज से संवेदनशील इन क्षेत्रों में लोगों से सतर्क रहने और आपदा प्रबंधन संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करने

अब भारत नहीं आ पाएंगे पाकिस्तान के लोग, अफगानिस्तान की शुरु होगी आवाजाही

नई दिल्ली। भारत सरकार ने न्यू अफगान वीजा मॉड्यूल के तहत जो सेवा शुरू की है, उसके अनुसार ऐसे लोगों को ही वीजा मिलेगा, जिन्हें किसी तरह का इलाज कराना हो या फिर मरीज की तीमारदारी करनी हो। वहीं छात्रों, कारोबारियों, मेडिकल अटेंडेंट, यूएन डिप्लोमैट वीजा पर आने वाले लोगों को भी एंट्री दी जाएगी। इन वीजा के आवेदनों पर हर मामले को लेकर अलग-अलग फैसला लिया जाएगा। वहीं पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पाकिस्तान के लोगों की एंट्री पर भारत सरकार ने बैन लगा रखा है। वीजा सेवाएं ठप कर दी गई हैं। इस बीच तालिबान से भारत के रिश्तों में सुधार को देखते हुए अफगानिस्तान के लोगों के लिए वीजा सेवाओं को शुरू किया गया है।

बीते माह विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के अपने समकक्ष आमिर खान मुत्ताकी से बात की थी। वहीं तालिबान शासन ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की थी और कहा था कि इस लड़ाई में हम भारत के साथ हैं। दरअसल भारत और अफगानिस्तान के बीच चाबहार पोर्ट को लेकर भी साझेदारी है। वहीं इंटरनेशनल नॉर्थ साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर को लेकर भी दोनों देश मिलकर काम कर रहे हैं। यह कॉरिडोर भारत से लेकर ईरान, रूस होते हुए यूरोप को जोड़ने वाला है। इस तरह दो अहम प्रोजेक्ट्स में दोनों देश साथ हैं और पाकिस्तान के साथ दोनों के ही संबंध सहज नहीं हैं।

अफगानिस्तान के लोगों को वीजा आवेदन करने के लिए मौके की एक तस्वीर, पासपोर्ट की डिटेल्स और एक अन्य आईडी कार्ड पोर्टल पर सबमिट करना होगा। यह फैसला महत्वपूर्ण है क्योंकि बीते कुछ महीनों में तालिबान के साथ भारत के रिश्ते सामान्य हुए हैं। तालिबान ने भारत को भरोसा दिया है कि उसकी जमीन से आतंकी गतिविधियों को संचालित नहीं होने दिया जाएगा। वहीं पाकिस्तान से उसके रिश्ते खैबर पख्तूनख्वा में सक्रिय आतंकियों और डूरंड लाइन को लेकर सहज नहीं हैं। ऐसी स्थिति में भारत के साथ संबंध सुधार के अपने मायने हैं। भारत ने अफगानियों के लिए वीजा सेवा शुरू करके इसका संदेश भी दिया है।

जीएसटी परिषद की बैठक में होगी सेस लगाने के तरीके पर चर्चा

नई दिल्ली। जीएसटी परिषद की जल्द होने वाली बैठक में सेस लगाने के भविष्य के तरीकों पर चर्चा होगी। सूत्रों के अनुसार, इसमें टैक्स स्लैब को आसान बनाने और रेट को रेशनल बनाने के साथ-साथ सेस लगाने के भविष्य के तरीके पर चर्चा की जाएगी।

सूत्र ने बताया कि परिषद की अगली बैठक में चर्चा शुरू होगी। लेकिन एक बैठक में समाप्त नहीं होगी। क्योंकि सभी विवरणों पर विस्तार से चर्चा करने की आवश्यकता है। जीएसटी को आसान बनाने से संबंधित तीन या चार अलग-अलग पहलू हैं। हम कंपनसेशन सेस, रेट को रीजनेबल बनाने और सरलीकरण के मुद्दे पर विचार करेंगे। केंद्रीय वित्त मंत्री की अध्यक्षता वाली जीएसटी परिषद, जिसमें राज्य के समकक्ष शामिल हैं। इसने पिछले साल दिसंबर में अपनी बैठक में स्वास्थ्य और बीमा प्रीमियम पर जीएसटी दरों को कम करने के बारे में निर्णय टाल दिया था। स्वास्थ्य और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी जीओएम के सदस्यों ने महसूस किया था कि अधिक चर्चा की आवश्यकता है क्योंकि कुछ राज्य जीएसटी दरों में प्रस्तावित कमी से राज्यों के लिए राजस्व हानि के प्रभाव के बारे में चिंतित थे। साथ ही बीमा प्रीमियम पर जीएसटी कम करने के मुद्दे पर बीमा नियामक आईआरडीएआई की टिप्पणियों का इंतजार किया जा रहा था। रेट को रेशनल बनाने पर मंत्रियों के समूह ने 148 वस्तुओं पर दरों में बदलाव के प्रस्ताव पर चर्चा के लिए और समय मांगा था।

संभल सांसद बर्क ने कोर्ट में मानी गलती, जुर्माना देने को हुए तैयार

संभल। सपा के सांसद जियाउर्रहमान बर्क बिना नक्शा पास बने मकान के मामले में अब बैक फुट पर हैं। वह इस मामले में जुर्माना देने को तैयार हैं। इसके लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र भी दिया है। मामले की अगली सुनवाई अब तीन जून को होगी। बिना नक्शा पास कराए संभल से सपा सांसद जियाउर्रहमान के मकान निर्माण के मामले में सोमवार को एसडीएम डॉ वंदना मिश्रा की कोर्ट में एक बार फिर सुनवाई हुई। सांसद की ओर से पेश हुए वकील ने मकान को शमन प्रक्रिया के तहत वैध कराने के लिए एक सप्ताह का अतिरिक्त समय मांगा है। एसडीएम ने यह समय सीमा तय करते हुए अगली सुनवाई की अंतिम तारीख 3 जून निर्धारित कर दी है। बता दें कि संभल के मोहल्ला दीपा सराय में बने इस मकान को लेकर सांसद के पिता ममलूकुर्रहमान बर्क ने अपने वकील के जरिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर पहले ही यह स्वीकार कर लिया था कि मकान बिना नक्शा पास कराए बनाया गया है। उन्होंने एसडीएम कोर्ट से जारी 19 अप्रैल के वारिसान प्रमाण पत्र के आधार पर नगर पालिका रिकॉर्ड में अपना नाम पूर्व सांसद डॉ शफीकुर्रहमान बर्क की जगह दर्ज कराने की भी मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने नक्शा पास कराने के लिए एसडीएम को प्रार्थना पत्र देकर विलंब शुल्क के साथ नक्शा पास कराने की मांग की थी।

न भूतो न भविष्यति : 'ऑपरेशन सिंदूर' की भव्य सफलता का जश्न मनाने का क्षण यानी विजयोत्सव

गांधीनगर । 'ऑपरेशन सिंदूर' की शानदार सफलता के बाद पहली बार देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात की राजधानी के मेहमान बने हैं। उनके स्वागत-सम्मान में आयोजित 'सिंदूर सम्मान यात्रा' में हजारों महिलाओं ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए प्रधानमंत्री का स्वागत-सम्मान किया और उन्हें बधाई दी। गांधीनगर में आयोजित इस सम्मान यात्रा में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल भी शामिल हुए। रोड शो के स्वरूप में निकली 'सिंदूर सम्मान यात्रा' के रूट पर प्रचंड नारी शक्ति, देशभक्ति के गीत, लहराते तिरंगे, विभिन्न झांकियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भारतीय सेना के शस्त्रों की प्रतिकृतियों ने वातावरण को ऊर्जावान और मनमोहक बना दिया था, जिससे यह यात्रा महाउत्सव में बदल गई थी। स्वर्णिम पार्क यानी अभिलेखागार से महात्मा मंदिर तक आयोजित इस डेढ़ से दो किलोमीटर लंबे रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए नगरजनों में जबरदस्त उत्साह देखा गया। प्रधानमंत्री का रोड शो शुरू होने पर रोड शो के रूट पर मौजूद हजारों महिलाओं ने लाल साड़ी और सिंदूर के शृंगार के साथ परंपरागत वेशभूषा में हाथों में तिरंगा लेकर मां भारत का जयघोष करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत-सम्मान किया। देशभक्ति के गीतों के साथ आगे बढ़ रहे ऑपरेशन सिंदूर के प्रणेता पर पुष्प वर्षा से राष्ट्र प्रेम और देशभक्ति का रंग और अधिक गहरा दिखाई पड़ रहा था। प्रधानमंत्री ने उनकी एक झलक पाने के लिए और ऑपरेशन सिंदूर के लिए आभार-अभिनंदन व्यक्त करने के लिए उमड़े नागरिकों का अभिवादन स्वीकार किया। लगभग डेढ़ से दो किलोमीटर लंबे इस भव्य रोड शो के लिए बनाए गए 15 मंचों पर देशप्रेम की थीम पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों और राष्ट्रप्रेम व्यक्त करते होर्डिंग्स, तिरंगे, ब्रह्मोस मिसाइल और राफेल लड़ाकू विमान की प्रतिकृतियों, देशभक्ति के गीतों, भारतीय सेना के शौर्य की सराहना करते प्ले कार्ड और बैनरों के चलते समूचा माहौल देशभक्ति और राष्ट्र प्रथम की भावना से ओत-प्रोत हो गया था। विभिन्न धर्म, समाज, वर्गों तथा संगठनों के लोगों के साथ अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थी भी इस रोड शो के स्वागत कार्यक्रम में शामिल हुए।

बीत गए 15 वर्ष अब तो बरसात के पूर्व सड़क बना दो साहब...!

गुदमा से लगमा सड़क के निर्माण के लिए ग्राम पंचायत गुदमा के ग्रामीणों ने सौपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एक ओर शासन प्रशासन द्वारा प्रत्येक गांव को शहर से जोड़ने के लिए पक्की सड़को की सौगात दिए जाने और शहरो से लेकर गांवों तक सड़को का जाल बिछाने का दावा किया जाता है। तो वही जिले में अब भी ऐसे कई शहरी व ग्रामीण इलाके हैं। जहां के वाशिंदों को आज तक पक्की सड़क की सौगात नही मिल पाई है।वही जिन जगहों पर पक्की सड़क का निर्माण कार्य शुरू किया गया था या तो उसका कार्य आधा अधूरा पड़ा है या फिर उस काम को छोड़कर ठेकेदार ने काम ही बंद कर दिया है। जिसके चलते स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ताजा मामला ग्राम पंचायत गुदमा का है।जहां ग्राम गुदमा से लगमा होते हुए मंजीटोला व मुक्की तक जाने वाली मुख्य सड़क की दुर्दशा को लेकर ग्रामीणों का सब्र अब टूटने लगा है।जहा पिछले 15 वर्षों से जर्जर मार्ग का पक्का निर्माण ना होने से ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने इस जर्जर मार्ग के निर्माण को लेकर मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपा है। जिसमें उन्होंने यथाशीघ्र उक्त समस्या का समाधान ना होने पर आंदोलन का रास्ता अपनाने की चेतावनी दी है।

बरसात में कीचड़ का दलदल बन जाता है मार्ग

पक्की सड़क बनाए जाने की मांग को

लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे ग्रामीणों ने बताया करीब 3 किमी लंबी यह सड़क कई गांवों को जोड़ती है, जिसमें गुदमा, लगमा, मंजीटोला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के सैकड़ों लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं। यह मार्ग कान्हा राष्ट्रीय उद्यान से भी सटा हुआ है और स्कूली बच्चों, ग्रामीणों, गर्भवती महिलाओं तथा बीमार व्यक्तियों के लिए जीवन रेखा के समान है। बावजूद इसके भी इस मार्ग को पक्का नहीं किया जा रहा है।जिसके चलते बरसात के दिनों में यह मार्ग दलदल बन जाता है। जहां से आवागमन करने में 6 से 7 गांवो के ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

वाहन चलाना तो दूर पैदल चलना भी होता है मुश्किल

ग्रामीणों ने बताया कि बरसात के दिनों में यह मार्ग पूरी तरह कीचड़ से भर जाता है, जिससे न केवल दोपहिया व चार पहिया वाहन चलाना असंभव हो जाता है, बल्कि पैदल चलना भी जोखिम भरा हो जाता है। विशेषकर गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को अस्पताल तक ले जाना एक चुनौती बन जाता है। ग्रामीणों के अनुसार, सुविधा के अभाव में कुछ मामलों में गर्भवती महिलाओं की जान तक चली गई है। इसीलिए हमारी मांग है कि इस मार्ग को बरसात के पूर्व पक्का बनाया जाए ताकि स्थानीय गांव के ग्रामीणों को उक्त मार्ग से आवागमन करने में किसी प्रकार की परेशानी ना हो।

15वर्षों से लंबित है मांग,मिलता है सिर्फ आश्वासन

ग्रामवासियों ने बताया कि सड़क न होने की वजह से ग्राम गुदमा और लगमा क्षेत्र की बड़ी आबादी स्वास्थ्य, शिक्षा, आवागमन, रोजगार और विकास जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। स्थानीय पंचायतों की ओर से भी कई बार प्रस्ताव भेजे गए, लेकिन वह फाइलों में दबकर रह गए। ग्रामीणों के अनुसार पिछले 15 वर्षों से सड़क निर्माण की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक इस मार्ग को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना या अन्य किसी योजना के तहत स्वीकृति नहीं मिल सकी है। शासन-प्रशासन की इस अनदेखी से क्षेत्रीय जनता बेहद नाराज़ है और अब विरोध स्वरूप आंदोलन करने की चेतावनी दी है।

कई बार कर चुके है मांग, नही होती सुनवाई

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत गुदमा के ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि गांव के मुख्य मार्ग को बनाने की मांग पिछले कई वर्षों से की जा रही है। इस कच्चे मार्ग को पक्का बनाने की मांग को लेकर हम सभी कलेक्टर कार्यालय आए हैं। हमारी मांग है कि गुदमा से लगमा तक सड़क निर्माण को प्राथमिकता दी जाए और बरसात शुरू होने से पहले मार्ग को सुधारा जाए, ताकि ग्रामीणों को कीचड़ व उबड़ खाबड़ रास्ते से राहत मिल सके। कई बार इस सड़क को बनाने की मांग की जा चुकी है। पूर्व में जब जिला अधिकारी उनके गांव आए थे तो उन्होंने सड़क का नाप झौक कराया था।इसके पूर्व भी कई बार एस्टीमेट और फाइल बनाकर भेजा गया है लेकिन हमारी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।इसीलिए आज मजबूरन हमें कलेक्टर कार्यालय आना पड़ा है।यदि इस ओर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया, तो ग्रामवासी आंदोलन को बाध्य होंगे, जिसकी पूरी ज़िम्मेदारी प्रशासन की होगी।

ससुराल नहीं चलने पर एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी से की मारपीट -दी जान से मारने की धमकी

बिरसा थाने के ग्राम बहेराभाटा की घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बहेराभाटा में मायके आई एक महिला को उसके पति ने साथ नहीं चलने पर हाथ बुक्के से मारपीट कर घायल कर दिया और ससुराल नहीं आने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। 26 मई की रात्रि 8:00 बजे करीब यह घटना घरेलू विवाद के चलते हुई। मारपीट में घायल महिला सहबीन बाई पति सिद्धू खैरवार 30 वर्ष ग्राम लासाटोला थाना थाना चारभाटा जिला कवर्धा छत्तीसगढ़ निवासी है। जिसका इलाज बरसा के अस्पताल में किया गया वहीं उसके द्वारा द्व की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस ने उसके पति सिद्धू पिता राम प्रसाद खैरवार ग्राम लासा टोला थाना चाराभाटा जिला कवर्धा छत्तीसगढ़ निवासी के विरुद्ध शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताडित कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहबीन खैरवार ग्राम लासाटोला छत्तीसगढ़ रहती है और मजदूरी करती है। जिनका मायका बहेराभाटा थाना बिरसा का है। सहबीन बाई की शादी 8 साल पहले ग्राम लासाटोला छत्तीसगढ़ के सिद्धू खैरवार के साथ सामाजिक रीति रिवाज से हुई है। जिसका एक बेटा 7 वर्ष का है और दूसरी बेटी 4 साल की है। बताया गया है कि सिद्धू खैरवार शराब पीने का आदी है जो पिछले तीन-चार साल से अपनी पत्नि सहबीन बाई को घरेलू बातों को लेकर मारपीट करते रहता था।जिससे सहबीन बाई काफी परेशान हो गई थी। घटना के 15 दिन पहले सहबीन बाई गुस्से में आकर अपने दोनों बच्चों को लेकर अपने मायके बहेराभाटा में बड़े भाई संजय भगपहरे के घर आकर रह रही थी। तीन दिन पहले ही सिद्धू खैरवार अपने ससुराल बहेराभाटा आया था और अपनी पत्नी सहबीन बाई को अपने साथ घर चलने बोल रहा था

किंतु सहबीन बाई मारपीट से परेशान हो चुकी थी और वह अपने पति के साथ जाने से मना कर रही थी।26 में की रात्रि 8:00 बजे सिद्धू खैरवार ने अपनी पत्नी सहबीन बाई को साथ नहीं चलने पर का बाल पकड़ कर हाथ बुक्के से मारपीट किया और साड़ी का पल्लू उसके गले में फंसा कर कसने लगा था। यह देखकर सहबीन बाई की भाभी शांति भगपहरे और भतीजा दीपक भगपहरे काका गेंदलाल भगपहरे ने आकर बीच बचाव किये। इसके बाद सिद्धू खैरवार ने अपनी पत्नी सहबीन बाई को साथ नहीं चलने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। सहबीन बाई अपने पति द्वारा मारपीट करने से शारीरिक एवं मानसिक रूप से परेशान हो चुकी थी जिसके कारण वह जाना नहीं चाहती थी। इस घटना की रिपोर्ट करने सहबीन बाई ने बिरसा पुलिस थाना पहुंची।बिरसा पुलिस ने सहबीन बाई का इलाज मुलाहिजा करवाये । वही उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस थाने के उपनिरीक्षक शिवलाल परते ने सहबीन बाई के पति सिद्धू पिता राम प्रसाद खैरवार के विरुद्ध धारा 85 351(3) भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज का विवेचना शुरू किया।

सड़क सुरक्षा और दुर्घटना जोखिम व घातकता को कम करने के लिए नया सिस्टम लागू हुआ

इराड से ट्रेक किये जायेंगे दुर्घटनाओं के प्रकरण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अब जिले में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अलग तरह से ट्रेकिंग सिस्टम लागू हो गया है। इसका सीधा सा सम्बंध सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के साथ ही, सड़क मापदंडों को समय रहते सुधार करना और घातक दुर्घटनाओं में उपचार सहित सभी कार्यवाही समय सीमा में पूरा करना है। मंगलवार को कलेक्टर मृणाल मीना और एसपी नगेन्द्र सिंह ने जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में नए सिस्टम में शामिल विभागों को अलर्ट करते हुए कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए है। साथ ही कलेक्टर श्री मीना ने राहवीर योजना यानी किसी भी घातक दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति को गोल्डन ऑवर समय में जान बचाने वाले व्यक्तियों को पुरस्कार राशि प्रदान करने और प्रचार करने के निर्देश दिए है। इसके अलावा हिट एंड रन के मामलों में समय पर सहायता राशि प्रदान करने की प्रक्रिया में भी जिला स्तरीय समिति ने बदलाव करने की हिदायत दी है। इस सम्बंध में एसपी श्री सिंह ने कहा कि सहायता राशि में जो जो दस्तावेज या जानकारी आवश्यक है। इसकी चैक लिस्ट बनाये, ये लिस्ट यातायात और पुलिस थाने पूरी तरह तैयार कर शाखा में प्रस्तुत करेंगे। अगर फिर भी देरी होती है तो कार्यवाही की जाएगी। वहीं कलेक्टर श्री मीना ने जिले में 6 ब्लैक स्पॉट को व्हाइट स्पॉट बनाने के लिए पीडब्ल्यूडी, नेशनल हाइवे और एमपीआरडीसी को 15 दिनों का समय दिया है। बैठक में जिला परिवहन अधिकारी द्वारा जानकारी प्रस्तुत की गई। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे,सीएमएचओ डॉ.परेश उप्लव,पीडब्ल्यूडी कार्यपालन यंत्री श्री अडमे, एमपीआईडीसी के मुकेश बैले, यातायात प्रभारी आकाश शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजुद रहे।

इराड पर 4 विभागों तत्काल करना होगा रिस्पॉन्स

परिवहन विभाग द्वारा सड़क सुरक्षा के लिए एक नया सिस्टम बनाया गया है। इस नए पोर्टल/एप्प पर दुर्घटना की जानकारी मिलते ही, फील्ड ऑफिसर विजिट करने के बाद दुर्घटना के कारण तलाशते हुए एक दुर्घटना की आईडी जनरेट की जाएगी,फिर दुर्घटना से जुड़े बिंदु फोटो वीडियो, दुर्घटना की स्थिति आदि की जानकारी और आईडी थाना प्रभारी को फारवर्ड होगी। इसके बाद से अन्य छानबीन सहित उपचार व दुर्घटना के कारणों को दूर करने के लिए सड़क निर्माण और स्वास्थ्य विभाग तत्पर कार्य करेंगे। इस पुरी दुर्घटना और कार्यवाही ऊपर लेवल पर भी मॉनिटरिंग में रहेगी।

बैठक में इन बिन्दुओ पर भी हुई चर्चा और अमल में लाने के दिये निर्देश

बैठक के दौरान हिट एंड रन के प्रकरणो के निराकरण करने के साथ ही राहवीर योजना का विस्तार करने पर जोर दिया गया। वही जिले में 6 ब्लैक स्पॉट पर शीघ्रता से कार्य करने के साथ ही इराड के प्रशिक्षण के लिए निर्देशित किया गया है। वहीं में स्थायी ऑटो स्टैंड के सम्बंध में भी चर्चा हुई।

बे-असर नौतपा...

सुबह चिपचिपी उमस, तो दोपहर को हुई हल्की बारिश

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मौसम विभाग द्वारा जारी की गई पूर्व संभावनाओं के अनुरूप ही जिले का तापमान नजर आ रहा है। जहां इस वर्ष नौतपा का असर जिले भर में बे-आसर दिख रहा है, तो वही चिपचिपी उमस और हल्की गर्मी के बीच जिले के अलग-अलग क्षेत्र में नौतपा के दौरान बूंदाबांदी व हल्की बारिश भी हो रही है। 25 मई से लगे नौतपा की तपिश के तीसरे दिन मंगलवार को एक बार फिर मौसम में परिवर्तन देखने को मिला। जहां सुबह से तेज गर्मी के कारण, सड़को पर लोगों की आवाजाही कम रही, वही दोपहर 2:30 बजे अचानक मौसम में बदलाव देखने को मिला।जहा पहले तो खुले नीले आसमान को काले बादलों ने घेर लिया।और हल्की शुष्क हवाओ के बीच दोपहर करीब 3 बजे बारिश शुरू हो गई।जो करीब आधा घण्टे तक देखी गई।जहा हल्की बारिश के बाद मौसम सुहाना हो गया और देर रात तक शुष्क हवाए बहती रही।

मंगलवार को हुई मई माह की चौथी बारिश

आपको बताए कि अप्रैल माह की तरह ही मई माह में भी आए दिनों मौसम में बदलाव देखा जा रहा है।इसी बीच मई माह में मंगलवार को चौथी बार बारिश हुई। हालांकि बारिश ज्यादा नहीं हुई लेकिन एकाएक मौसम बदलने से हल्की बारिश से, लोगों को राहत मिली है। मंगलवार को दोपहर 3 बजे से शुरू हुई बारिश लगभग 15 मिनट तक जारी रही। जिले में मई माह में मौसम का उतार-चढ़ाव ने लोगों की दिनचर्या के साथ ही उनके स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डाला है।

28 मई तक कुछ इसी तरह बना रहेगा मौसम

नौतपा के दौरान मौसम में आए इस परिवर्तन के बीच मौसम वैज्ञानिक धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि जिले में आगामी 28 मई तक, आंधी तूफान, बिजली और तेज सतही हवाओं की स्थिति रहेगी। साथ ही हल्की वर्षा के साथ मध्यम बादल छाए रहने की संभावना है। तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।उन्होंने बताया कि अधिकतम तापमान 39 से 39.5 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूयनतम तापमान 25.2 से 26.4 डिग्री सेलिसियस तक रहेगा। सुबह हवा में 52 से 58 प्रतिशत तथा दोपहर में 29 से 32 प्रतिशत नमी रहने की संभावना है। आने वाले दिनो में हवा कि गति लगभग 3 से 8 किलो मीटर प्रति घंटे दक्षिण पश्चिम दिशा में चलेगी।कुल मिलाकर कहा जाए तो नौतपा के दौरान 28 मई तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने के संकेत मौसम विभाग द्वारा जारी किए गए है।

इंदौर के नवदंपती शिलांग में रहस्यमयी हालात में लापता

ओरसा नाम का रिसॉर्ट के पास मिली लोकेशन

इंदौर। इंदौर के नवदंपती राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम शिलांग में हनीमून के दौरान रहस्यमयी हालात में लापता हुए हैं। दोनों की शादी 11 को इंदौर में हुई थी और वे 20 मई को हनीमून के लिए रवाना हुए थे। बताया जा रहा है कि दंपती की आखिरी लोकेशन शिलांग के संवेदनशील इलाके ओसरा हिल में मिली, जहां उनकी किराए की एक्टिवा लावारिस हालत में मिली। राजा रघुवंशी इंदौर में ट्रांसपोर्ट का कारोबार करते हैं।

परिवार के अनुसार दंपती 20 मई को बेंगलुरु होकर गुवाहाटी पहुंचे, जहां मां कामाख्या के दर्शन करने के बाद 23 मई को शिलांग रवाना हुए। शिलांग पहुंचने के बाद शुरुआत में परिवार का दोनों से संपर्क बना रहा, फिर संपर्क टूट गया। राजा के बड़े भाई सचिन को पहले लगा कि नेटवर्क की परेशानी होगी, लेकिन 24 मई से दोनों के मोबाइल बंद हो गए तब चिंता हुई। कई प्रयासों के बाद जब कोई संपर्क नहीं हो सका, तब सोनम के भाई गोविंद और राजा के भाई विपिन इमरजेंसी फ्लाइट से शिलांग पहुंचे हैं।

गोविंद ने गूगल मैप के जरिए उनके फोटो से आस-पास की लोकेशन ट्रेस कर पता लगाया, तब रेंट पर एक्टिवा देने वाले की जानकारी मिली। रेंटल एजेंसी से संपर्क कर फोटो भेजे और जानकारी जुटाई, तो एजेंसी ने पुष्टि की कि दंपती ने उनके यहां से एक्टिवा किराए पर ली और ओसरा हिल की ओर रवाना हुए थे। स्थानीय पुलिस के अनुसार एक्टिवा पहाड़ी क्षेत्र में लावारिस अवस्था में मिली है, जो एक खाई के पास स्थित है। क्षेत्र में एक ओरसा नाम का रिसॉर्ट भी है, जिसे अपराधियों का अड्डा माना जाता है।

भाई सचिन ने बताया कि भाषा की समस्या के कारण पुलिस से मदद लेने में दिक्कत आ रही है। इसके बाद इंदौर पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह से संपर्क हुआ, जिन्होंने मामले की गंभीरता को देखकर डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी को जांच में लगाया है। वे शिलांग पुलिस से लगातार संपर्क में हैं।

निवासियों का कहना है कि यह इलाका बदमाशों के लिए बदनाम रहा है और इससे पहले भी एक दंपती लापता हो चुका है। पुलिस भी इलाके में जाने से कतराती है। फिलहाल दोनों की तलाश में पुलिस और परिजन जुटे हुए हैं।

कार्यालय नगर परिषद् लांजी, जिला बालाघाट (म.प्र.)

फैक्स नं. 07635-255881
टेली. नं. 07635-255202
ई-मेल- cmolanji@mpurban.gov.in
कोड-481222

क्रमांक/522/रा.शा./न.प./2025 लांजी दिनांक 27/05/2025

।। सूचना ।।

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद् लांजी विकास खण्ड लांजी जिला बालाघाट के अधिकार क्षेत्र के निम्नाकिंत तालाब प्रारंभिक वर्ष 2025-26 (01/07/2025) से मत्स्य पालन एवं मत्स्या खेट हेतु दस वर्षीय पट्टे पर, दिया. जाना है। तालाब को पट्टे पर म.प्र. शासन मछली पालन विभाग भोपाल के आदेश कमांक / 1548/2008/36 भोपाल दिनांक 08/10/2008 में निहित प्रावधानों के प्राथमिकता क्रम अनुसार दिया जायेंगा।

क्र.	नगर का नाम	तालाब का नाम	रकबा (हेक्टेयर म)
1	नगर परिषद् लांजी	पूरनवाला जोडा तालाब	1.619 हेक्टेयर
2		गणेशी तालाब	2.971 हेक्टेयर
3		कदम तालाब	2.367 हेक्टेयर
4		चिच बोडी तालाब	2.199 हेक्टेयर
5		राजा रानी तालाब	4.452 हेक्टेयर
6		आखरवाला जोडा तालाब	1.975 हेक्टेयर
7		कोटेश्वर बोडी	1.327 हेक्टेयर

उक्त तालाब को पट्टे पर लेने के इच्छुक पंजीकृत मछुआ सहकारी समिति/समुह/स्वसहायता समुह/व्यक्तिं, आवेदन मय दस्तावेंजो (जाति, निवास, गरीबी रेखा प्रमाण पत्र, सूची व प्रस्ताव) के साथ दिनांक 12/06/2025 तक इस कार्यालय में प्रस्तुत करें।

निर्धारित दिनांक 12/06/2025 के पश्चात् प्राप्त होने व अपूर्ण आवेदनों पर विचार नही किया जायेंगा। तालाब आबंटन एवं अन्य जानकारियां मछली पालन विभाग के अधिकारी से प्राप्त की जा

मुख्य नगरपालिका अधिकारी,
नगर परिषद लांजी

फायनेंस/लोन
पुरानी फोर व्हीलर
होम लोन
बिजनेस लोन
जी.एस.टी.
इनकम टैक्स
सर्विस के लिए संपर्क करें
मो. 9424662391
7999136792

आवश्यकता है
मेडिकल होलसेल/ रीटेल में कार्य हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है
अनुभवी एवं कम्प्युटर प्रशिक्षित को प्राथमिकता
-संपर्क करें-
मनीषा मेडिकोज, बालाघाट
मो. 7073101956

विक्रय/किराये से देना है
श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड ग्राउंड फ्लोर एवं उसके उपर के दो फ्लोर (फ्लोर हाइट 15 फीट) पर स्थित कुल एरिया 3000 वर्गफीट का हाल/ दुकान/, बेचना/ किराये से देना है
-संपर्क-
8817024586, 9201340520

जमीन चाहिए
ठेका पर कृषि भूमि कि आवश्यकता है, पानी, बिजली सर्वोयुक्त कृषि योग्य
केवल बालाघाट/ वारासिवनी क्षेत्र के किसान संपर्क करें
संपर्क करें
8959050199

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

हाजिरी के भुगतान में अनियमितता को लेकर जनसुनवाई में की कलेक्टर से शिकायत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कटंगी क्षेत्र के कुछ ग्रामीण और पंचायत में काम करने वाले श्रमिकों ने बताया कि उनकी ग्राम पंचायत में सचिव द्वारा ग्राम पंचायत में होने वाले कार्यों की पूरी दर के अनुसार राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है और पंचायत के कामों में अनियमितता की जा रही है, इन सब विषय को लेकर लगभग 25 से 30 ग्रामीण सहित मजदूरों ने जनसुनवाई में पहुंचकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया है और सचिव पर कार्रवाई करने की मांग की है।

आपको बता दे कि कटंगी जनपद अंतर्गत ग्राम पंचायत नवेगांव के ग्रामीण मजदूरों ने मंगलवार को जनसुनवाई में शिकायत करते हुए सचिव और मेटो पर हाजिरी में अनियमितता और कम मजदूरी दिए जाने का आरोप लगाते हुए शिकायत की हैं। मजदूरों की मांग है कि मामले की जांच कर, दोषी सचिव और मेटो के खिलाफ कार्यवाही की जाए।

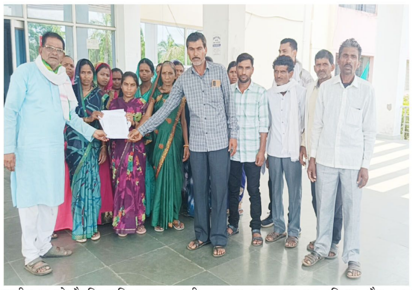

ग्रामीण बताते है कि सचिव, शासन की राशि में अनियमितता कर रहा है। महिला मजदूर बताती है कि पंचायत सचिव, मजदूरी भुगतान की निर्धारित 240 रूपए मजदूरी की जगह उन्हें केवल 209 रूपए का भुगतान किया है। जब इस मामले में सचिव से चर्चा की तो वह खुद हमें धमकाते हुए कहने लगा कि काम, कम किए है, इसलिए मजदूरी काटी गई है और तुमसे जो बनता है कर लो।

मजदूरों को कम दर पर मजदूरी दी जा रही है - रतनलाल सोनवाने

ग्रामीण रतनलाल सोनवाने ने बताया कि ग्राम में उसके और चाचा के खेत में मिनाक्षी तालाब का निर्माण किया जा रहा है। जिसमें महज 21 मजदूर काम कर रहे है और 54 से 75 मजदूरों की मजदूरी डाली जा रही है। जिसकी शिकायत करने हम यहां आए है। उन्होंने यह भी बताया कि उनके द्वारा मजदूरों को कम दर पर मजदूरी दी जाती है और जब इस विषय की शिकायत करने की बात कही जाती है तो सचिव के द्वारा डराया धमकाया जाता है वहीं ग्रामीणों की यही मांग है कि उन्हें शासन से जो मजदूरी का भुगतान होता है वह पूरा दिया जाए और सचिव पर नियोजित कार्रवाई की जाए।

भुगतान सचिव द्वारा रुकवा दिया गया है - रुक्मणी

श्रमिक रुक्मणी बताती है कि उनके द्वारा ग्राम पंचायत में डेढ़ माह तक काम किया गया है और प्रतिदिन 240 रुपए के हिसाब से उन्हें पंचायत दर पर भुगतान किया जाना है किंतु सचिव द्वारा उन्हें पूरी रोजी ना देकर कुछ रोजी की दर में कमी की गई है और उनका कुछ भुगतान भी सचिव द्वारा रुकवा दिया गया है जब वह इन सब की शिकायत करते हैं तो उन्हें डराया जाता है वह प्रशासन से यही मांग कर रहे हैं कि उन्हें उनकी पर्याप्त रोजी दी जाए।

रोजगार सहायक को ही सचिव का प्रभार है - युवराज वाघाड़े

इस मामले में पंचायत सरपंच चंद्रप्रभा वाघाड़े के पति और सरपंच प्रतिनिधि युवराज वाघाड़े बताते है कि पंचायत में सचिव नहीं होने से रोजगार सहायक को ही सचिव का प्रभार है, जो पंचायत में होने वाले हितग्राहीमूलक और शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर, सरपंच से कोई चर्चा नहीं करता है। जहां तक ग्रामीणों की समस्या है, उसमें, रोजगार सहायक से चर्चा की जाएगी।

नशे में धुत होकर उत्पाद मचा रहे युवक, अवैध शराब बिक्री पर लगाई जाए रोक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड 10 रजानगर में अवैध शराब की बिक्री और उससे उत्पन्न हो रही सामाजिक अव्यवस्था को लेकर क्षेत्र की महिलाओं का आक्रोश मंगलवार को फूट पड़ा। बड़ी संख्या में महिलाएं कोतवाली थाना पहुंचीं और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में भी शिकायत दर्ज कराते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की।महिलाओं ने सौंपे गए ज्ञापन में बताया कि रजानगर क्षेत्र में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा खुलेआम अवैध शराब बेची जा रही है। प्रतिदिन शराबियों का जमावड़ा लगना आम बात हो गई है, जिससे क्षेत्र का वातावरण दूषित हो गया है। शराब के नशे में धुत्त लोग अश्लील गालियाँ देते हैं, झगड़ा करते हैं और वार्ड की शांति व्यवस्था को भंग करते हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि शराबियों की हरकतों से महिलाएं और बच्चे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। देर रात तक शोरगुल, बदसलूकी और उत्पात मचाने जैसी घटनाओं से बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है।वही वार्ड की महिलाएं घर से बाहर निकलने में हिचकिचाती हैं, क्योंकि शराब पीकर घूम रहे लोग अभद्र नजरों से देखते हैं और अशोभनीय व्यवहार करते हैं। महिलाओं ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि वार्ड क्रमांक 10 रजानगर में अवैध शराब बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषियों के विरुद्ध सख्त एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल पुन: स्थापित हो सके।

एनसीसी का संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर समापन की ओर अग्रसर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। एनसीसी के दस दिवसीय 96वां संयुक्त वार्षिक एनसीसी प्रशिक्षण शिविर समापन की ओर अग्रसर है। प्रतिदिन के अनुसार प्रात: 5 बजे योगा, पीटी तथा शारिरिक व्यायाम के साथा शुरूवात की गई। तत्पश्चात सभी कैडेट्स को ड्रिल तत्पश्चात कैडेटस की एनसीसी कक्षा का संचालन किया। शस्त्र प्रशक्षिण के साथ एनसीसी कैडेटस को भरवेली फायरिंग रेंज में फायरिंग करवाई गई। शस्त्र प्रशिक्षण के अंतर्गत 0.22 स्पोर्टस राइफल का परिचय कराया गया। लगभग 100 कैडेटस को एनसीसी अधिकारी धिरेन्द्र दत्त आर्या एवं सुबेदार जोगिंदरलाल, हवलदार हंसराज एवं जीसीआई विद्या बिसेन के नेत्रत्व में लाइव फायर का अभ्यास कराया गया। कैडेटस ने लगभग 400 राउंड्स 0.22 रायफल से फायर किये। इसके अलावा

सायंकाल में सांस्कृतिक कार्यकम, एनसीसी अधिकारी कल्पना थोंबरे एवं श्रवण बोदेले के नेतृत्व में कैडेट्स द्वारा का आयोजित किया गया जिसमें कैडेटस ने अलग-अलग राज्य एवं संस्कृति का प्रतिनिधित्व करते हुए विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कैडेट्स को प्रोत्साहित करने के लिए कैम्प कमाण्डेंट ले. कर्नल विनीत कमल गुप्ता द्वारा विजेता एवं उपविजेताओं को मेडल देकर पुरूस्कृत किया गया। इस अवसर पर शिविर कैम्प समस्त एनसीसी अधिकारी के साथ पीआई भी उपस्थित रहें।

आचार्य गोपालराव एलकर का निधन, अंत्योष्टि आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में विवेक ज्योति स्कूल के माध्यम से शिक्षा की अलख जगाने वाले, भारतीय जनता पार्टी के दो बार जिलाध्यक्ष एवं दो बार महामंत्री पद के दायित्व का निर्वहन करने वाले तथा स्पष्टवादिता के पर्याय गोपालराव एलकर अब हमारे बीच नही रहे। 76 वर्ष की आयु में श्री एलकर का 27 मई की सुबह लगभग 3 बजे अचानक निधन हो गया।उनके पार्थिव देह को कल 28 मई को पंचतत्व में विलीन किया जावेगा। 28 मई को प्रात: 10 बजे उनके निज निवास वार्ड न. 33 से अंतिम यात्रा निकाली जावेगी और जागपुर घाट में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।जानकारी अनुसार गोपाल राव एलकर वैसे तो काफी दिनों से अस्वस्थ्य चल रहे थे बावजूद उनकी दिनचर्या सामान्य थी।दो दिन पहले वे एक कार्यक्रम में शामिल हुये थे और वहां पर सेहत में मामूली अस्वस्थता बढ़ी थी।लेकिन कुछ पल में ठीक हो गये थे। इसके पश्चात घर जाने पर उन्हें शहर के एक निजी चिकित्सक को दिखाया गया और उनके यहां पर भर्ती किया गया था। स्वस्थ्य होने पर दोपहर में छुटटी दे दी थी।जिसके पश्चात वे फिर से अपने निवास आ गये थे। जहां पर अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ बातचीत करते समय बिताया। बाद में फिर अस्वस्थ्य होने पर उन्हें फिर उसी चिकित्सक के यहां पर भर्ती कराया गया। जहां रात लगभग साढ़े 3 बजे गोपालराव एलकर ने अंतिम सांस ली। जिनके निधन की खबर 27 मई को सुबह आग की तरह फैली और स्नेहीजन सहित कई गणमान्य नागरिक उनके आवास पहुंचें। यह क्रम दिन भर जारी रहा। सांसद श्रीमती भारती पारधी, पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पूर्व जिला पंचायत

अध्यक्ष श्रीमती रेखा बिसेन, पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश रंगलानी सहित पार्टी के कई पदाधिकारी पहुंचें और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।इसके अलावा पंचायत एंव ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, राजकुमार कर्राहे, गौरव पारधी, बीजेपी जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, पूर्व विधायक भगत सिंह नेताम, रमेश भटेरे, पूर्व सांसद बोधसिंह भगत सहित अन्य द्वारा भी सोशल मीडिया व परिवार से संपर्क कर शोक संवेदना व्यक्त की गई।

आचार्य बनकर आए थे बालाघाट

बताया गया कि सहज, सरल और हमेशा सहयोगात्मक भावना रखने वाले श्री एलकर मूलत: पाण्डुर्ना के रहने वाले थे।जो राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े थे।बालाघाट में वे सरस्वती शिशु मंदिर के आचार्य बनकर आये थे और फिर यही बस गये।उन्होने विवेक ज्योति स्कूल नाम से शिक्षण संस्था खोली और आज जिले में अनेक स्थानों पर उनकी संस्थाये चल रही है। बी. एड. कालेज के भी वे संचालक रहे है।वे राजनीति में भी सक्रिय थे। जिले की भाजपा के दो अध्यक्षो पूरन कुमार आडवानी एवं प्रतापराव मार्डीकर के कार्यकाल में श्री एलकर को महामंत्री पद का दायित्व सौपा गया था।जिसका उन्होने सफलतापूर्वक निर्वहन किया।वे भारतीय जनता पार्टी के दो बार जिलाध्यक्ष भी रहे।आचार्य जी स्पष्टवादिता के पर्याय थे। वे सच को सच और झूठ को झूठ कहने की क्षमता रखते थे।बिना किसी लाग लपेट के काम की बात करने वाले श्री एलकर को ज्यादातर लोग आचार्यजी के नाम से जानते और उसी नाम से संबोधित कर पुकारते थे।जिनका 27 मई की प्रात: 3 बजे अचानक निधन हो गया जिनके इस निधन पर उनके जानने वालों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए, आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

सीएमओ द्वारा की जाएगी कॉलोनी पर एफआईआर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, एडीएम श्री जीएस धुर्वे और एसडीएम गोपाल सोनी ने संयुक्त रूप से जनसुनवाई की। जनसुनवाई में कुल 103 आवेदकों ने आवेदन किये। जनसुनवाई में नेवारगांव की दृष्टिबाधित गुनिता मंजारेवार ने बताया कि वो जन्म से ही 100 प्रतिशत ज्योतिहीन है और आगे पढ़ना चाहती है। गुनिता ने कक्षा 12 वी उत्तीर्ण कर महाविद्यालय में प्रवेश लेना चाहती है। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ ने इस सम्बंध में जटाशंकर महाविद्यालय के प्राचार्य से जानकारी ली गई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्कॉलरशिप से नि:शुल्क प्रवेश के साथ ही अन्य लाभ मिल जाएगा। इसके अलावा सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय की स्कॉलरशिप से अन्य लाभ व 10 हजार प्रतिवर्ष मिलेगी। इस सम्बंध में शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में प्रवेश कराया जाएगा।

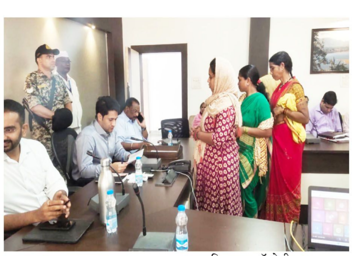

कॉलोनी पर प्रकरण विचाराधीन

वारासिवनी स्थित न्यू विवेकानंद कॉलोनी निवासी ने जनसुनवाई में आवेदन देते हुए कहा कि सर्वसुविधायुक्त कॉलोनी बताया गया था। अवैध कॉलोनी में किसी प्रकार की सुविधा नही है। आवेदन के सम्बंध में वारासिवनी एसडीएम श्री आरआर पांडे से कलेक्टर श्री मीना ने जानकारी ली। बताया गया कि इस कॉलोनी का प्रकरण विचाराधीन है, कलेक्टर श्री मीना ने निर्देश दिए है कि कॉलोनीनाइजर पर नगर पालिका द्वारा एफआईआर दर्ज कराई जाए।

गुरुवार को रास्ते के विवाद को सुलझाने पहुँचेगा दल

जनसुनवाई में भरवेली के राजेश शिववंशी ने आवेदन में बताया कि एक टाइल्स फैक्टरी से उसके खेत मे जाने का मार्ग अवरुद्ध किया जा रहा है। मामलें की सुनवाई करते हुए एसडीएम गोपाल सोनी ने तहसीलदार से इस सम्बंध में जानकारी ली गई। एसडीएम श्री सोनी ने आवेदक से कहा कि मामला संज्ञान में गुरुवार को मौका स्थल पर दल पहुँचकर कार्यवाही करेगा। लालबर्रा में बिरसोला के आवेदक द्वारा भूमि का बटांकन नही करने के सम्बंध में आवेदन दिया गया। इस मामले में कलेक्टर श्री मीना ने तहसीलदार से जानकारी ली साथ ही कहा कि बटांकन जैसे मामलें तुरंत निराकृत करें। इसके अलावा इसकी जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है।

इसी तरह खैरलांजी के त्रिवेणी वासनिक ने सीमांकन के सम्बंध में आवेदन किया। आवेदन के सम्बंध में खैरलांजी तहसीलदार से जानकारी ली गई। कलेक्टर श्री मीना ने इस आवेदन तथा अन्य प्रकरणों के सम्बंध में वारासिवनी एसडीएम श्री आरआर पांडे से जानकारी लेते हुए कहा कि 2 महीने बाद आवेदन पुन: जनसुनवाई में आया है। इसकी व्यवस्थित रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

बैगा आदिवासी महिला ने मकान की तीसरी किस्त जारी करने कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बैहर क्षेत्र के ग्राम करवाही की एक महिला हितग्राही ने जिला कलेक्टर से मांग की है कि उन्हें प्रधानमंत्री आवास अंतर्गत अंतिम तीसरी किस्त भी दी जाए, ग्राम पंचायत के सचिव द्वारा राशि डाल दी गई है कही जा रही है , लेकिन खाते में चेक करने पर राशि नहीं आई है, जिससे महिला हितग्राही पैसे नहीं मिलने के कारण परेशान है।

आपको बता दे की बैहर क्षेत्र के ग्राम करवाही के बैगाटोला निवासी सोमतीबाई पति सुखदेव मरावी को ग्राम पंचायत से वर्ष 2023 में आवास योजना के तहत मकान मिला था और दो किस्त 2 लाख रूपये भी दे दिए गए, किंतु अंतिम किस्त 50 हजार रूपये की बीते कई महीनो से नहीं डाली गई है, जबकि महिला बैगा हितग्राही संबंधित सचिव के पास जाती हैं , तो सचिव द्वारा तीसरी किस्त भी डाले जाने की बात कही जा रही है,

लेकिन जब खाते में चेक किया जा रहा है तो राशि नहीं दिखाई दे रही है , वहीं महिला का मानना है कि कहीं ना कहीं सचिव द्वारा आवास की तीसरी किस्त में हेरा फेरी की गई है, इस प्रकार का महिला हितग्राही द्वारा सचिव पर आरोप लगाया जा रहा है, वहीं उन्होंने 27 मई को जनसुनवाई में पहुंचकर एक आवेदन दिया है और तीसरी किस्त दिए जाने की जिला कलेक्टर से गुहार लगाई है ।

जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक 28 मई को कलेक्ट्रेड सभाकक्ष में सुबह 11 बजे से आयोजित की गई है। सीएमएचओ डॉ. परेश उपलप ने जानकारी देते हुए बताया है कि बैठक में आयुष्मान भारत योजना, एएनसी तथा डिलेवरी की स्थिति, शिशु स्वास्थ्य की समीक्षा, परिवार कल्याण की समीक्षा, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर की समीक्षा, क्षय उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा एवं अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लक्ष्य एवं उपलब्धि की विस्तार से समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही वर्ष 2025-2026 की सूक्ष्म कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी।

गाव गोद लिया, पर विकास करना भूली एचसीएल कम्पनी

जीविकोपार्जन के लिए छिन्दीटोला के ग्रामीणों को मिले कम्पनी में काम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। तहसील बिरसा के अंतर्गत आने वाले ग्राम छिन्दीटोला के ग्रामीणों ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में एक ज्ञापन सौपकर उन्हें हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) मलांजखण्ड कंपनी में रोजगार दिए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड (एचसीएल) कंपनी ने आसपास के गांवो को गोद लिया है।लेकिन कंपनी स्थानीय लोगो को रोजगार देने की जगह बाहरी लोगो को रोजगार उपलब्ध करा रही है।वही कंपनी के दूषित पानी से खेतों में लगी उनकी फसल बर्बाद हो रही है। वहीं दूसरी ओर गांव का पीने का पानी, नल, कुएं तक प्रदूषित हो गए हैं।ऐसे में स्थानीय लोग काफी परेशान है। ना तो उन्होंने कंपनी में रोजगार मिल रहा है। ना ही फसल से आमदनी हो रही है।

डस्ट के अंधड़ से गांव हो रहा प्रभावित

ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी के टेलिंग डेम से उड़ने वाली धूल और रासायनिक डस्ट से गांव में दिन के समय

भी अंधेरा छा जाता है। यह डस्ट हवा में फैलकर लोगों की सेहत पर बुरा असर डाल रही है। बच्चों और बुजुर्गों में लगातार खांसी, त्वचा रोग, और आंखों की जलन जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं।

कंपनी में बाहरी लोगों को दी जा रही नौकरी

ग्रामीणों के अनुसार एक ओर जहां गांव प्रदूषण का सामना कर रहा है, वहीं दूसरी ओर एचसीएल कंपनी में गांव के लोगों को रोजगार तक नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि जब वे कंपनी में रोजगार की मांग लेकर जाते हैं, तो उन्हें यह कहकर टाल दिया जाता है कि काम नहीं है, जबकि अब तक कंपनी ने करीब 80-85 प्रतिशत बाहरी लोगों को काम पर रख लिया है। यह गांववासियों के साथ अन्याय है, जो वर्षों से इस क्षेत्र में रहकर इन समस्याओं को झेल रहे हैं।

फसलें बर्बाद, स्वास्थ्य संकट और बेरोजगारी की मार झेल रहे ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि प्रदूषित पानी और डस्ट के कारण गांव की फसलें खराब हो रही हैं, जिससे किसानों को आर्थिक क्षति उठानी पड़ रही है। वहीं, दूषित जलस्रोतों के कारण स्वच्छ पीने के पानी की भारी समस्या बन गई है। ये हालात गांव को रहने लायक नहीं छोड़ रहे, लेकिन फिर भी कंपनी द्वारा कोई स्थायी समाधान या सहायता नहीं की जा रही।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि एचसीएल मलांजखण्ड कंपनी पर नियमानुसार कार्रवाई की जाए, प्रदूषण फैलाने से रोका जाए, दूषित पानी की निकासी को नियंत्रित किया जाए और गांव के युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर कंपनी में रोजगार दिया जाए।

वन विभाग के सर्च के दौरान जप्त किया गया भारी मात्रा मे सागोन की चिरान

लामता(पद्मेश न्यूज)। संभागीय प्रबंधक वन विकास निगम परियोजना बालाघाट के सर्च क्रमांक16के परिपालन मे उपमंडल प्रबंधक एवं वन परिक्षेत्र अधिकारी के उपस्तिथि मे दिनांक 27/5/25 को ग्राम कुकड़ा के ओमकार माहुले के घर से अवैध सागोन प्रजाति के लकड़ी का भारी मात्रा मे चिरान जप्त किया गया.

वन विभाग के जानकारी अनुसार ग्राम कुकड़ा के ओमकार माहुले के मकान पर वन विकास निगम के सर्च टीम द्वारा दिनांक 27/5/2025 को दबिश दी गई, दबिश के दौरान ओमकार माहुले के घर से भारी मात्रा मे सागोन प्रजाति के चिरान जप्त किया गया, जप्ती कार्यवाही के दौरान 68 नग 0.342घन मीटर सागोन का चिरान बरामद किया गया,जिसका पी ओ आर क्रमांक 328/23 दर्ज किया गया हैं।

इस कार्यवाही मे एस के शेंडे उप सभागीय प्रबंधक, राजेंद्र जारगे वन परिक्षेत्र अधिकारी लामता,प्रदीप चौधरी सहायक परिक्षेत्र अधिकारी लामता, मनोज मरकाम वनपाल,रवि कुमार भारतीया, क्षेत्र रक्षक, अनीश कुमार मड़ावी, वन रक्षक,मनोज कुमार दमाहे सुरक्षा श्रमिक, महासिंह मशराम शिवचरण कुतराहे, रिंटू दमाहें की सराहनीय भूमिका रही।

वन परिक्षेत्र अधिकारी राजेंद्र जारगे ने बताया की संभागीय प्रबंधक परियोजना के निर्देशन पर उप संभागीय प्रबंधक के मार्गदर्शन पर ओमकार माहुले के मकान का घेराबंदी कर तलासी लेने पर 68नग सागोन के चिरान पाया गया, जिसकी जप्ति कर पी ओ आर क्रमांक 328/23 की कार्यवाही की गई, चिरान की अनुमानित मूल्य लगभग 18000से 20000रुपये होंगी।

राजेंद्र जारगे
वन परिक्षेत्र अधिकारी लामता
वन विकास निगम

108 एम्बुलेंस के ड्राइवर ने की गरीब परिवार से अवैध वसूली

प्रसव महिला के परिजनों ने एम्बुलेंस के ड्राइवर पर राशि मांगने का लगाया आरोप, कार्यवाही करने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। सरकार भले ही स्वास्थ्य सेवाओं को गरीब जनता के लिए मुफ्त करार देती हो, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार निवासी पुष्पा भारद्वाज की बेटी मोनिका शिववंशी के साथ जो हुआ वह सरकारी योजनाओं और जमीनी अमल के बीच की खाई को उजागर कर रहा है। प्रसव महिला के परिजनों ने 108 एम्बुलेंस के ड्राइवर पर 6 सौं रूपये की अवैध रूप से रूपये लेने का आरोप लगाते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के बीएमओं एवं जिला प्रशासन से रूपये मांगने वाले ड्राइवर पर उचित कार्यवाही करने की मांग की है। साथ ही यह भी बताया जा रहा है जिस एम्बुलेंस से महिला को लालबर्रा अस्पताल लाने के बाद बालाघाट लेकर जाने वाला यह एम्बुलेंस आरंभा केन्द्र से आई थी। जिसके चालक (ड्राइवर) ने रूपये मांगे थे। प्राप्त जानकारी के अनुसार औल्याकन्हार निवासी पुष्पा भारद्वाज की बेटी मोनिका शिववंशी का विवाह उकवा के बिठली ग्राम के मनीष शिववंशी से हुआ है। लेकिन बिठली गांव में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के चलते मोनिका प्रसव के लिए अपने मायके औल्याकन्हार आ गई थी। गत 21 मई को मोनिका को अचानक प्रसव पीड़ा हुई तो परिवारजनों ने सरकारी 108 एम्बुलेंस सेवा पर फोन किया। जिसके बाद 108 एम्बुलेंस का चालक वाहन लेकर पुष्पा भारद्वाज के निवास पहुंचा और उन्हे लालबर्रा अस्पताल लाने के लिए खर्चा-पानी के रूप में 100 रूपये मांगे। वहीं परिवार की मजबूरी थी तो उन्होने राशि दे दिये। जिसके बाद मोनिका को लालबर्रा अस्पताल में भर्ती किया गया लेकिन प्रसव संभव नही होने एवं स्वास्थ्य बिगडने पर जिला चिकित्सालय रिफर किया गया। जिसके बाद परिजनों ने प्रसव पीड़ा से परेशान महिला को एम्बुलेंस की मदद से जिला चिकित्सालय लेकर गये। वहीं जिला चिकित्सालय पहुंचते ही 108 एम्बुलेंस का चालक ने प्रसव महिला के परिजनों से 500 रूपये की मांग कर दी। जिसके बाद मोनिका के परिजनों ने मरीज की हालत को देखते हुए अनिच्छा से यह राशि भी दे दिये। इस तरह से 108 एम्बुलेंस के ड्राइवर प्रसव पीड़ा से परेशान महिलाओं को अस्पताल लाने के लिए उनके परिजनों से रूपयों की मांग कर रहे है। जबकि शासन की 108 एम्बुलेंस है जिनके चालकों को शासन से मानदेय मिलता है उसके बाद भी अवैध रूप से मरीजों से रूपयों की मांग कर उन्हे परेशान किया जा रहा हैं। इस तरह की शिकायते पूर्व में भी आई है लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई कार्यवाही नही होने के कारण उनके हौंसले बुलंद है। वहीं बताया जा रहा है कि जिस एम्बुलेंस चालक ने महिला के परिजनों से अस्पताल पहुंचाने के लिए रूपये मांगे थे यह एम्बुलेंस आरंभा केंद्र से आई थी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या ड्राइवर द्वारा की गई यह वसूली महज एक व्यक्ति की मनमानी है या फिर सिस्टम में कोई और खामी है, जिसकी जांच होनी चाहिए। पीड़ित महिला के परिजनों ने प्रशासन से मामले की जांच कर दोषियों पर उचित कार्यवाही करने की मांग की है।

सरकार की मुफ्त सेवा के बदले, गरीबों को देने पड़ रहे रूपये, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि सरकार की मंशा है कि देश के अंतिम छोर के व्यक्ति तक मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचे। लेकिन अगर एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाओं में भी गरीबों को मजबूरी में रूपये देने पड़ें, तो यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि मानवता के भी खिलाफ है। गरीब परिवार के लिए 500-600 रूपये की यह अनचाही वसूली बोझ का काम करती है। यह घटना स्वास्थ्य विभाग के लिए एक चेतावनी है कि वे सिस्टम को दुरूस्त करे। साथ ही पीड़ितजनों को अस्पताल तक पहुंचाने के लिए सरकार के द्वारा 108 एम्बुलेंस सेवा प्रदान की गई है ताकि प्रसव, अन्य बीमार व घायलों को उपचार के लिए अस्पताल तक निःशुल्क पहुंचाया जाये। लेकिन सरकारी एम्बुलेंस के चालक पीड़ितजनों से रूपयों की मांग कर अवैध वसूली करते है। यानि की सरकार की मुफ्त सेवा के बदले, गरीबों को देने पड़ रहे रूपये, जिम्मेदार है मौन। ऐसा ही एक मामला लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत आने वाली ग्राम औल्याकन्हार निवासी पुष्पा भारद्वाज की बेटी मोनिका शिववंशी को प्रसव हेतु लालबर्रा अस्पताल लाने के बाद जिला चिकित्सालय ले जाने के बदले में 108 एम्बुलेंस के ड्राइवर के द्वारा 600 रूपये मांग कर अवैध वसूली की गई है। जिससे पीड़ित परिवार को परेशानियों का सामना भी करना पड़ा है जिन्होने उ%चाधिकारियों से रूपये मांगने वाले चालक पर कार्यवाही करने की मांग की है। वहीं बीएमओं लालबर्रा ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच कर दोषी पर कार्यवाही करने आश्वास्त किया है।

मामले की जांच कर की जायेगी कार्यवाही - डॉ. ऋत्विक

दूरभाष पर चर्चा में बीएमओं डॉ. ऋत्विक पटेल ने बताया कि आपके माध्यम से जानकारी मिल रही है 108 एम्बुलेंस के चालक के द्वारा महिला को प्रसव के लिए अस्पताल लाने के एवज में रूपये की मांग की जाती है और गत दिवस औल्याकन्हार से प्रसव के लिए लाये गये महिला के परिजनों से 600 रूपये चालक ने लिया है। डॉ. पटेल ने बताया कि सरकार की 108 एम्बुलेंस है जिसमें निःशुल्क मरीजों को अस्पताल तक लाया जाता है, अगर चालक के द्वारा रूपये लिये गये है तो उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत करवाकर मामले की जांच कर आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

कालेज में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वी जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार 27 मई को लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर जी की 300 वीं जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती, देवी अहिल्याबाई होल्कर के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 वीं जयंती के अवसर पर देवी अहिल्याबाई के जीवन और दर्शन विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता में 8 विद्यार्थी, निबंध में 10 विद्यार्थी निबंध, भाषण प्रतियोगिता में 5 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की और उक्त प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। साथ ही उनके जीवन दर्शन पर वृत्तचित्र का प्रदर्शन भी किया गया एवं कार्यक्रम में विद्यार्थियों को लोकमाता अहिल्या बाई के विचारो को अपने-अपने जीवन में अनुसरण करने हेतु प्रेरित किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्रकुमार खण्डायत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का जीवन परिचय देते हुए उनके संघर्ष, उच्च विचारों एवं जन कल्याण के कार्यों से विद्यार्थियों को अवगत करवाया। साथ ही उनके द्वारा देशहित में किये गये कार्यों को आत्मसात कर आगे बढ़ने की बात कही। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे एवं आभार प्रदर्शन नरेश सौलाखे के द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. निर्मल क्रीर्ति गेडाम, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. पल्लवी जाटव, श्रीमती संध्या परते, मनीष शिवहरे, डॉ. क्रांति जैन, डॉ आशीष बागडे, डॉ. विवेक खरगाल, संदीप चौरसिया, पीतम मुरते, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रसिक हुमनेकर, सोनम हरिनखेड़े, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

पं. नेहरू के प्रयासों से देश विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में बना है आत्मनिर्भर - भाऊराम

कांग्रेसियों ने पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की मनाई पुण्यतिथि, अर्पित की श्रध्दांजली

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित विश्राम गृह में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के द्वारा 27 मई को स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाई गई। यह पुण्यतिथि कार्यक्रम ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर श्रध्दांजली अर्पित कर उनके द्वारा देशहित में किये गये योगदान को याद कर उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपस्थित कांग्रेसीजनों ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं स्वतंत्रता के बाद प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने कई महत्वपूर्ण योजनाएं बनाई और लागू की है। जिनके प्रयासों से देश विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना है। साथ ही यह भी कहा कि पं. नेहरू जी ने आधुनिक भारत की नींव रखी एवं उन्होंने आईआईटी, एम्स, इसरो सहित कई सार्वजनिक उपक्रमों की स्थापना की है, देश को सामाजिक, आर्थिक और औद्योगिक रूप से मजबूत किया है। आज हम सभी उनकी पुण्यतिथि पर उन्हे श्रध्दांजली अर्पित कर उनके बताये मार्ग पर चलकर कांग्रेस पार्टी को मजबूत कर देशहित में काम करने का संकल्प लेते है। चर्चा में ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि 27 मई को देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाकर उन्हे श्रध्दांजली अर्पित की गई है और उनके द्वारा देशहित में किये गये कार्यो को याद कर सभी को संगठित होकर पार्टी एवं देशहित में काम करने कहा गया है। श्री गाड़ेश्वर ने बताया किस्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू को उनकी सुविचारित नीतियों के कारण और आधुनिक भारत के निर्माता के रूप में जाना जाता है। वे भविष्य दृष्टा, सच्चे जनतांत्रिक, पूर्ण रूप से धर्म निरपेक्ष एवं गरीबी उन्मूलन हेतु पूर्णतया समर्पित राष्ट्रनेता थे। साथ ही यह भी बताया कि वे दलितों और आदिवासियों के चहुंमुखी विकास के प्रणेता के साथ-साथ विश्व शांति के प्रणेता, पक्षधर थे। जिनके प्रयासों से देश विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना है। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, सुनिल अवधवाल, अनिल शर्मा, मनोहर अग्रवाल, विनोद सोनी, ओमप्रकाश बिसेन, मनीष कुशवाहा, दीपक तोमर, नितीन साखला, शैलेष केकती, सुमित स्वामी, बलेश राहंगडाले, प्रशांत चंद्रवार, अंकित पिपलोद, कृपाशंकर साटोने, शैलेष सोनी, भीवराम माने, मुस्कान कटारे, ऋषभ, सतानंद दमाहे, लियाकतभाई सहित अन्य कांग्रेसीगण उपस्थित रहे।

तहसील परिसर के गार्डन की ग्राम रक्षक (कोटवारों) ने की साफ-सफाई

पुर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की मनाई पुण्यतिथि, सफाई कर दिया स्वच्छता का संदेश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित तहसील कार्यालय परिसर में लाखों रूपयों की लागत से गार्डन एवं बैठने के लिए सीमेन्ट की कुर्सी लगाई गई है ताकि जनपद पंचायत क्षेत्रांतर्गत आने वाले 104 गांव के ग्रामीणजन तहसील कार्यालय राजस्व काम से आये तो उक्त स्थान पर बैठकर कुछ समय बिता सके परन्तु गार्डन एवं तहसील परिसर की नियमित रूप से साफ-सफाई नही होने के कारण झाडियां उगने के साथ ही गंदगी का अंबार लगा हुआ था। जिससे सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। 27 मई को म.प्र. ग्राम रक्षक (कोटवार) संघ के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाकर उन्हे श्रध्दांजली अर्पित की गई। तत्पश्चात तहसील परिसर स्थित गार्डन में स्वच्छता अभियान चलाकर गार्डन व तहसील परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया और प्रशासन से नियमित रूप से साफ-सफाई करवाये जाने की मांग की है। वहीं तहसील परिसर एवं गार्डन की साफ-सफाई हो जाने से अब दुर-दराज से राजस्व सहित अन्य काम से आने वाले ग्रामीणजनों का समय पर काम नही होने पर वे गार्डन में लगी सीमेन्ट की कुर्सी में छाव में बैठ कर अधिकारी-कर्मचारियों का आने का इंतजार एवं कुछ देर आराम भी कर सकते है। साथ ही गंदगी होने के कारण पूर्व में क्षेत्रीयजन इधर-उधर भटकते नजर आते थे किन्तु अब सफाई हो जाने से लोगों को तहसील परिसर स्थित गार्डन में बैठने में सुविधा होगी। चर्चा में म.प्र. ग्राम रक्षक (कोटवार) संघ जिलाध्यक्ष अशोक गेडाम ने बताया कि लालबर्रा तहसील परिसर स्थित गार्डन में 27 मई को कोटवारों के द्वारा पुर्व प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि मनाकर गार्डन व तहसील परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया है। श्री गेडाम ने बताया कि लंबे समय से तहसील परिसर व गार्डन की साफ-सफाई नही होने से लंबी झाड़िया उग चुकी थी एवं गंदगी होने के कारण सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। आज सभी कोटवार साथियों के साथ मिलकर पं. जवाहरलाल नेहरू की पुण्यतिथि के अवसर पर साफ-सफाई की है और प्रशासन से मांग है कि नियमित रूप से तहसील परिसर एवं गार्डन की साफ-सफाई करवाये ताकि दुर-दराज से तहसील कार्यालय में राजस्व सहित अन्य काम से आने वालों को परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर म.प्र. ग्राम रक्षक (कोटवार) संघ के पदाधिकारी एवं कोटवारगण उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय की टीम ने वन स्टॉप सेंटर बालाघाट का किया निरीक्षण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।भारत सरकार के निर्देशन में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय गुजरात की टीम द्वारा मंगलवार को बालाघाट जिले के वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया गया। वन स्टॉप सेंटर प्रशासक सुश्री रचना चौधरी ने बताया कि यह निरीक्षण निर्भया फंडिंग एवं वन स्टॉप सेंटर के कार्य संचालन की समीक्षा के उद्देश्य से किया गया। टीम में शामिल रिसर्च ऑफिसर श्रीमती सांभवी राज एवं श्रीमती रिनी राय ने क्षेत्रीय भ्रमण के अंतर्गत प्रदेश के पाँच जिलों में यह अध्ययन किया गया जिनमें बालाघाट भी शामिल है। निरीक्षण के दौरान रिसर्च अधिकारियों ने वन स्टॉप सेंटर बालाघाट से सेवाएं प्राप्त कर चुकी लगभग 40 महिलाओं से संवाद कर सेवाओं की गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया। साथ ही, सेंटर में उपलब्ध व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया गया। निरीक्षण जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक सुश्री रचना चौधरी तथा समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान वन स्टॉप सेंटर द्वारा दी जा रही सहायता, काउंसलिंग, पुलिस सहायता, विधिक सलाह, अस्थायी आश्रय आदि सेवाओं की सराहना की गई। इस अवसर पर टीम ने बालाघाट में पीड़ित महिलाओं के पुनर्वास और सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा करते हुए इसे अनुकरणीय पहल बताया।

तालाब एवं नाली में गंदगी से वार्डवासी परेशान

कई वर्षो की समस्या के समाधान की वार्ड वासी जोह रहे बाट

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ९ मटन मार्केट स्थित तालाब एवं पानी निकासी के लिए बनाए गए नाले में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जहां पर हवाओं के साथ आने वाली दुर्गंध लोगों के घरों के अंदर तक प्रवेश कर उन्हें परेशान कर रही है। यह गंदगी बीते लंबे समय से उक्त स्थान पर बनी हुई है जिस पर अनेकों बार वार्डवासियों के द्वारा नगर पालिका ,जिला कलेक्टर ,एसडीम सहित समस्त प्रशासनिक अधिकारियों को शिकायत कर साफ सफाई करने और गंदगी एवं दुर्गंध मुक्त वातावरण का निर्माण करने की मांग की गई है। किंतु वर्तमान तक उक्त समस्या का समाधान किसी भी स्तर से नहीं किया गया है स्थिति यथावत बनी हुई है। जहां निवासरत लोग प्रतिदिन परेशान हो रहे हैं उनके अंदर समस्या को लेकर काफी आक्रोश व्याप्त है। जिनके द्वारा नगर पालिका से साफ सफाई कर व्यवस्था बनाने की मांग की जा रही है।

गंदगी और दुर्गंध से परेशान है वार्ड वासी

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर ९ मटन मार्केट मार्ग के एक किनारे में आमाबोडी मिनी तालाब के रूप में बना हुआ है। तो वहीं नगर के विभिन्न वार्डों की गंदगी नाली के माध्यम से सड़क के दूसरे किनारे में आती है। जहां पर लंबे समय से गंदगी और दुर्गंध की समस्या बनी हुई है जहां पानी निकासी की व्यवस्था नही होने पर नालियों का गंदा पानी तालाब में जाकर सड़न पैदा कर रहा था। जिसके कारण मछुआरा समाज के द्वारा मछली पालन भी बंद कर दिया गया था जिससे नगर पालिका को राजस्व की हानि हो ही रही थी। परंतु देखरेख के अभाव में तालाब में बहुत ज्यादा गंदगी बनी हुई थी जो लोगों के लिए समस्या का कारण बनी हुई थी। वह सुख गई थी परंतु बीते दिनों खुदाई की गई जिससे गंदे पानी का रिसाव होने से वहां पानी जमा हो गया ऐसे में पुन: गंदगी और बदबू निकलने लगी। तो वहीं नगर के विभिन्न वार्डों का नाली के माध्यम से आने वाला गंदा पानी जो तालाब में गंदगी फैला रहा था। उसे रोकने के लिए नगर पालिका के द्वारा बड़े नाले का निर्माण किया गया परंतु वह निर्माण वर्तमान में फेल साबित हो रहा है। क्योंकि पानी निकासी आज भी अवरुद्ध पड़ी हुई है जिसका कारण नाले को ढलान भाग में निर्माण नही होना बताया जाता है। यह नाला लाखों रुपये की लागत से निर्माण किया गया है वर्तमान में वह शोभा की सुपारी बना हुआ है। ऐसे में करीब ४ फीट गहरी नाली में गंदगी और पानी ऊपर तक भरा हुआ है यह भी सड़कर बदबू कर रही है इस प्रकार तालाब और नाली में भयंकर गंदगी बनी हुई है। जिनकी बदबू से आसपास के निवासरत लोगों का रहना मुश्किल हो गया है तो वहीं मच्छर मक्खी कीड़े मकोड़े बड़ी संख्या में पनप रहे हैं जो लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डाल रहे हैं।

आंगनबाड़ी एवं संजीवनी अस्पताल पर गंदगी लगा रही प्रश्न चिन्ह

उक्त स्थान पर नगर पालिका के द्वारा नौनिहालों के लिए आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण करवाया गया है । जहां पर वार्ड के नौनीहाल बालक और बालिकायें आंगनवाड़ी में आना जाना करते हैं। तो वहीं आंगनबाड़ी के पास में संजीवनी क्लिनिक का निर्माण आसपास के लोगों को समीप में स्वास्थ्य व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए बनाया गया है। यह दोनों स्थान पर लोगों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाया जाता है परंतु उनके आसपास ही अस्वच्छता की भरमार पड़ी हुई है। जहां पर सभी को बदबू सहन करते हुए गंदगी से भारी नाली क्रॉस कर आना जाना पड़ता है। लोगों के द्वारा आंगनबाड़ी और संजीवनी क्लिनिक के लिए नगर पालिका और शासन का धन्यवाद ज्ञापित किया जा रहा है। वहीं तालाब और नाली में फैली गंदगी को लेकर आक्रोश भी व्यक्त किया जा रहा है।

गंदा पानी का रिसाव जमा हो गया है और भयंकर बदबू कर रहा है-संगीता शेखपुरी

वार्डवासी संगीता शेखपुरी ने बताया कि बहुत गंदगी का वातावरण वार्ड में बना हुआ है हमारे घर के पास में नाली में पूरा

पानी जमा हो गया है। तालाब में अभी खुदाई की गई है तो वहां पर भी गंदा पानी का रिसाव जमा हो गया है और भयंकर बदबू कर रहा है। सुबह से शाम तक हमारे घर तक बदबू आ रही है घर से निकलने की इच्छा नहीं होती है। हर कोई अपने घर में दरवाजा बंद कर रहता है और यह नाली में जो गंदगी हो गई है उस कीड़े मकोड़े निकालकर घरों तक आ रहे हैं। इन नालियों में पानी कम गंदगी बहुत है जिसकी साफसफाई आज तक नहीं की गई है इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए था।

गंदगी की समस्या कई वर्षो की समस्या है-शिपप्रसाद सोनवाने

वार्डवासी शिवप्रसाद सोनवाने ने बताया कि हमारे मोहल्ले में तालाब है जो बहुत ज्यादा बदबू नहीं आती थी। साफ सफाई नही होने के कारण वहां पर गंदगी का साम्राज्य हो गया है जो अब बदबू से घर के बाहर खड़ा रहना मुश्किल हो गया है। यहां पर नालियों से जो गंदगी आती है उसकी निकासी के लिए नाले का निर्माण कराया गया था परंतु वह नाला सफल नहीं हुआ फेल हो गया कह सकते हैं। क्योंकि गंदगी आज भी यहीं पर जमा है जबकि यहीं पास में आंगनवाड़ी जहाँ नौनिहाल बच्चे आते हैं आरोग्य अस्पताल जहां पर वार्ड वासी उपचार करने आते हैं यह बहुत अच्छी चीज सरकार ने हमें दी है। परंतु यहां केवल गंदगी खराब है बरसात में आंगनबाड़ी और अस्पताल के पास में पूरा पानी भरा रहेगा यह आजकल की नहीं वर्षों की समस्या है। पहले हम तालाब पर खड़े हो जाते थे अब खड़े नहीं रह सकते हैं ध्यान देकर सुविधा बनानी चाहिए।

पानी निकासी की व्यवस्था नही होने से हो रही गंदगी-गोरेलाल राउत

वार्डवासी गोरेलाल राउत ने बताया कि यह जो तालाब और नाली है इसकी स्थिति अत्यधिक खराब हो गई है बहुत ज्यादा गंदगी भरी है। इसमें अनेकों जीवाणु विषाणु लोगों के स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल रहे हैं रुका हुआ पानी है जो सड़ रहा है दिन रात हम रह रहे वार्डोवासियो को यहां परेशानी हो रही है। पानी निकासी के लिए नाला तो बनाया परंतु पानी आज तक नहीं निकला वह रुका हुआ है और बाहर भी नहीं जा रहा है। आंगनबाड़ी और संजीवनी क्लिनिक यहां पर बनाया गया है इतनी अच्छी व्यवस्था के बावजूद यह गंदगी भरा वातावरण ठीक नहीं है इसके कारण इनका महत्व क्या रह जाता है। बदबू हवा के साथ घरों के अंदर तक आ रही है सामने हम खड़े रह नहीं सकते यह तालाब की व्यवस्था करनी चाहिए और नहीं कर सकते तो प्लेग्राउंड बना दे। जो नाली बनाई हैं उसका गहरीकरण होना चाहिए चढ़ाव पर बनी हुई है जिस कारण पानी रुक रहा है।

पूर्व शासकीय अधिवक्ता अनूप चौबे ने फांसी लगाकर ईहलीला की समाप्त

मौत का कारण अज्ञात, पुलिस कर रही जांच

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर १५ सिविल लाइन निवासी ५८ वर्षीय व्यक्ति के द्वारा २७ मई की दोपहर में फांसी लगाकर ईहलीला समाप्त कर ली गई। यह घटना पूर्व शासकीय अधिवक्ता अनूप चौबे के द्वारा नगर के वार्ड नंबर एक हिमाचल नगर में स्थित बाबुल के पेड़ में की गई। घटना की जानकारी लगते ही नगर में सनसनी फैल गई मौके पर लोगों की भीड़ लगी रही जहां सभी अचंभित नजर आयें। मौके पर पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही की गई वहीं शव को सुरक्षित रखवा दिया गया है। पुलिस मामले में मर्ग कायम कर जांच कर रही है घटना का कारण अज्ञात है।

पूर्व शासकीय अधिवक्ता अनूप चौबे का पोष्टमार्टम आज

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनूप पिता हीरालाल चौबे उम्र ५८ वर्ष पेशे से अधिवक्ता है। जिनके द्वारा वारासिवनी न्यायालय में प्रैक्टिस की जाती है वह पूर्व में लंबे समय तक शासकीय अधिवक्ता के पद पर भी कार्यरत रहे। जो प्रतिदिन की तरह अपने घर में सुबह से विभिन्न कार्य कर रहे थे वहीं दोपहर करीब १२.३० तक घर में उपस्थित थे। इसके बाद वह अचानक घर से कहीं निकल गए इस दौरान परिजनों ने भी ज्यादा ध्यान नहीं दिया कि कोर्ट या कहीं गए होंगे । तभी दोपहर करीब ३ बजे पुलिस को सूचना मिली कि नगर के वार्ड नंबर एक हिमाचल नगर में खेत के पास में बाबुल के पेड़ में किसी व्यक्ति के द्वारा फांसी लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली गई है। जहां मौके पर पुलिस प्रशासन और कुछ लोग पहुंचे तो फ ांसी पर लटके व्यक्ति की पहचान अनूप चौबे पूर्व शासकीय अधिवक्ता के रूप में की गई। इसके बाद पूरे नगर में सनसनी फैल गई घटना की जानकारी लगते ही मौके पर सैकड़ो लोगों की भीड़ खड़ी हो गई। जहां पुलिस के द्वारा घटना की जानकारी अपने वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई जिस पर एडिशनल एसपी विजय डाबर , एसडीओपी अभिषेक चौधरी ,थाना प्रभारी हेमंत नायक के द्वारा पुलिस बल के साथ मौका स्थल की जांच कर मौके पर शव पंचनामा कार्यवाही की गई। तत्पश्चात शव को बाबुल के पेड़ पर बंधी रस्सी से नीचे उतर कर सुरक्षित रखवा दिया गया है जिसका पोस्टमार्टम २८ मई की सुबह किया जाएगा। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में मौके पर शव पंचनामा कार्यवाही की गई है। शव को बरामद कर सुरक्षित रखवा दिया गया है जिसका पोस्टमार्टम सुबह डॉक्टर की पैनल से करवाया जाएगा। मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसको लेकर आगे कार्यवाही की जायेगी।

अभिषेक चौधरी एसडीओपी वारासिवनी

किन्ही निवासी प्रभंजन ठाकुर ने ग्रामीणों की समस्या को लेकर जनसुनवाई में की शिकायत

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत किन्ही निवासी प्रभंजन ठाकुर ने २७ मई मंगलवार को जनसुनवाई में ग्राम किन्ही की विभिन्न समस्या को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर ग्राम के किसानों और मजदूरों को हो रही परेशानी एवं ग्राम की समस्या का समाधान करने की मांग की है। ज्ञापन में प्रभंजन ठाकुर ने बताया की गांवों की सिंचाई विभाग की दोनों नहरों में वर्तमान में सुधार कार्य एवं लाईनिंग कार्य स्वीकृत किया जावें। गांवों में किसानों के खेत जाने वाले सभी रास्तों में वर्तमान में मुरमीकरण एवं ग्रेवल रोड़ बनाई जायें। प्रेमलाल बागड़े के मकान से बाबूलाल पताहे के मकान तक सी सी रोड़ बनाई जायें। किन्हीं से मोहगांव रोड़ प्रधानमंत्री सड़क योजना में जोड़ी जायें। किन्हीं से

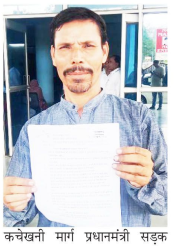

कचेखनी मार्ग प्रधानमंत्री सड़क योजना में जोड़ी जायें। पानी की टंकी के पास से दुर्गा टोला रोड़ प्रधानमंत्री सड़क योजना में जोड़ी जायें। ग्राम में २९ एकड़ का निस्तारित तालाब है जिसमें खुदाई कार्य करवाया जायें। जिससे लगभग २५० किसानों को पानी मिल सके एवं मनरेगा मजदूरी का काम मजदूरों को मिल सकें। भाऊलाल चौरागढ़े के घर से कासिम सैययद के घर तक से सी सी रोड़ बनाई जायें। ग्राम में नल जल योजना के तहत एक टंकी बनी हुई है एक टंकी और स्वीकृत कराई जायें। २९ एकड़ के तालाब में कई वर्षों से सफाई नहीं होने के कारण सैकड़ों जंगली सूअरों का बसेरा हो चुका है जिससे कई हादसे ग्रामीणों के साथ होते रहते है वर्तमान में सफाई कार्य करवाया जायें। विगत तीन माह से मनरेगा मजदूरी को काम नहीं मिल पा रहा है। मजदूरों को मनरेगा के तहत काम दिलवाया जायें जिससे शासन की योजना का लाभ मजदूरों को मिल सके। वहीं जिला कलेक्टर से ग्राम का निरीक्षण कर समस्याओं का जल्द निराकरण करने की मांग की है।

भंडारबोड़ी के पवन कंसरे ने रोड़ पर फैले अतिक्रमण हटाने प्रशासन से की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में पवन कंसरे के द्वारा शिकायत कर खैरलांजी के ग्राम भंडारबोड़ी में शासकीय भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने की मांग की गई। ज्ञापन में पवन कंसरे ने बताया की मैं ग्राम भंडारबोडी तहसील खैरलॉजी का निवासी हूं। हमारे ग्राम में अनावेदक टेकराम बटवे उम्र ४५ वर्ष पिता ओंमकार बटवे निवासी ग्राम भंडारबोडी के द्वारा मेरी भूमि ग्राम भंडारबोड़ी प.ह.नं १४, रा.नि.मं सालेबर्डी तहसील खैरलॉजी के अंतर्गत खसरा नं. ८६३,२, ८६४, २ रकबा ०.१६३, ०.१६ हे.भूमि स्थित है। जहाँ अनावेदक ने ग्राम भंडारबोड़ी में कचेखनी तथा भौरगढ़ रोड़ दोनों के बीच में अतिक्रमण किया है। जिसने मध्यप्रदेश शासन की रोड़ में जिसका खसरा नं. ८७६ रकबा ०.७६९ है जो मद शासकीय रोड़ में बना हुआ है। ग्राम भण्डारबोड़ी में कचेखानी तथा भौरगढ़ दोनो रोड़ के बीच हमारी खेती है जो मेरी स्वयं की निजी भूमि है। यह मेरी भूमि के सामने मध्यप्रदेश शासन की रोड़ है जिस पर टेकराम पिता ओमकार का बटवे का कच्चा तथा पक्का मकान एवं बाउण्ड्रीवॉल है जो आने जाने के मार्ग में बाधा उत्पन्न कर रहा है। एवं उसका रोड़ से ५० फिट दूरी पर टेकराम बटवे का प्लाट है रोड़ पर मकान रहने से आए दिन दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही है। हमारी मांग है कि इस रोड़ की जांच कर अनावेदक के द्वारा किये गये अतिक्रमण को हटाया जायें।

जागपुर के ग्रामीण और सरपंचों ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम जागपुर के कुछ ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन दिया है, जिसमें ग्रामीण सहित सरपंच प्रतिनिधियों ने बताया कि बीते दिनों से उनके गांव में विवाद चल रहा है और विवाद भी अब थाने पहुंच गया है, जिसमें वह चाहते हैं कि पुलिस निष्पक्ष जांच करते हुए दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें, ताकि मारपीट सहित घटनाएं दोबारा ग्राम में ना हो। आपको बता दे की ग्राम पंचायत रेंगाटोला में कुछ ग्रामीणों के बीच आपसी बात विवाद हुआ था, जो मामला थाने तक भी पहुंच गया था, जिस पर रेंगाटोला सहित जागपुर के सरपंच और प्रबुद्ध जन का मानना है कि बीते दिनों से ग्राम में कुछ लोगों के द्वारा मारपीट की जा रही है और गांव का माहौल बिगाड़ा जा रहा है , वह चाहते हैं कि ग्राम में किसी प्रकार का विवाद ना हो और पुलिस इस मामले को बारीकी से जांच करें और जो भी दोषी होगा उसे पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए , इसी विषय को लेकर एक दर्जन से अधिक ग्रामीणों द्वारा जिला मुख्यालय पहुंचकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सोपा गया है और मांग की गई है कि दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो। ग्राम पंचायत रेंगाटोला के सरपंच प्रतिनिधि शुभम बिसेन बताते हैं कि बीते दिनों उनके ग्राम में एक व्यक्ति के साथ विवाद के दौरान मारपीट की गई थी और व्यक्ति की दिमाकी हालत ठीक नही है और ऐसे व्यक्ति को मारपीट करना कहीं ना कहीं गलत है और वह चाहते हैं कि इस पूरे मामले में पुलिस द्वारा पूरी बारीकी से जांच करते हुए कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और गांव में इस प्रकार की दोबारा मारपीट की घटना ना हो इसलिए आज वह पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे हैं। ग्रामीण अनिल बताते हैं कि बालाघाट के कुछ युवक भी गांव में आकर मारपीट किए थे और उसके बाद पूरा मामला थाने तक पहुंच गया वह चाहते हैं कि इस प्रकार की जो मारपीट हुई है वह दोबारा गांव में ना हो और जो व्यक्ति को मारा गया है उसकी मानसिक हालत ठीक नही है और इस पूरी घटना को पुलिस जांच कर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए ।

नवल किशोर कुमरे ने भूमि का सीमांकन और जांच करने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर ८ निवासी नवल किशोर कुमरे, रामप्रसाद कुमरे के द्वारा मंगलवार को जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में उपस्थित होकर उनकी भूमि का सीमांकन एवं जांच करने की मांग की है। मामले में आवेदक नवल किशोर कुमरे ने बताया कि हम उपरोक्त पते के निवासी है जहाँ हमारे स्वामित्व एंव आधिपत्य की मौजा चंदोरी पहन. २७ रानिम. व तहसील वारासिवनी में स्थित खसरा कमाक २१४/२ रकबा ०.०१६ हे. एंव आवेदक रामप्रसाद कुमरे के नाम पर खसरा क्रमांक २१४/३/२ रकबा ०.००८ हे. की भूमि है। उपरोक्त भूमि के संबंध में हमें प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राशि स्वीकृत हुई है और इस आधार पर आवेदकगण के द्वारा मकान निर्माण किया गया है। रामप्रसाद कुमरे एक मजदुर व्यक्ति है और जैसे तैसे अपने एंव अपने परिवार का जीवन निवर्हन कर रहा है और उसको रहने के लिये उपरोक्त भूमि पर मकान ही है। इसके अलावा रामप्रसाद कुमरे का कोई जमीन अथवा मकान नहीं है। भूमि के संबध में वारासिवनी कोर्ट में प्रकरण लंबित है १७ मई को कोर्ट से पुलिस वाले एंव आदमी आयें उस समय घर पर आवेदकगण मौजुद नहीं थे और इस कार्यवाही की सूचना आवेदकगण को नहीं थी। उनके मौजूदगी के बिना कोर्ट से आदमी आये और आवेदकगण का मकान को जमींदोज कर दिया गया । बल्कि उपरोक्त मकान कानुनन तौर पर उनकी ही भूमि पर बनाया गया है। मकान विवाद जो कि अजहर कुरैशी से है उसके द्वारा बलपूर्वक अपना प्रभाव बताकर पटवारी सोनू नेवारे से साठ गांठ कर मकान आवेदकगण का तुड़वा दिया गया और आवेदकगण अपने घर से बेघर हो गये। उस वक्त गाँव के सभी लोगो ने उक्त कृत्य का विरोध किया पर कोर्ट से आये उपरोक्त व्यक्तियों के द्वारा एक नहीं सुनी गयी केवल वह अजहर कुरैशी की ही सुन रहे थे। आवेदकगण के साथ एक तरफा अन्याय हुआ है और अपने स्वंय के मकान से हमें बेदखल कर दिया गया है। हमारी मांग हैं की इस संबंध में पुन: विरोधीयों पर सख्त कार्यवाही कर कलेक्टर कार्यालय में जॉच कर सीमांकन कर हमें हमारा मकान दिलवाया जावें।

परीक्षा प्रणाली या सामाजिक भ्रमजाल?

शिक्षा को राष्ट्र निर्माण की आधारशिला कहा गया है। यह व्यक्ति के ज्ञान, विवेक, सृजनात्मकता और व्यक्तित्व विकास का माध्यम रही है। लेकिन आज की तारीख में यह उद्देश्य कहीं पीछे छूट गया है। शिक्षा अब एक 'अंक-उद्योग' में तब्दील हो चुकी है, जहां ज्ञान की बजाय नंबर ही सफलता का पर्याय बन गए हैं। अब यह न तो चरित्र निर्माण का साधन रही, न ही सामाजिक चेतना का उपकरण। यह छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को अंक-दौड़ की एक अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा में धकेलने वाला शोषण तंत्र बन गई है। ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो सीबीएसई की 10वीं की परीक्षा में इस बार 45,516 छात्रों ने 95 फीसदी से ज्यादा अंक प्राप्त किए, जो कुल परीक्षार्थियों का लगभग 1.92 प्रतिशत है। वहीं 1,99,944 छात्रों ने 90 फीसदी से ज्यादा अंक हासिल किए, जो 8.43 प्रतिशत के करीब है। यह कोई अपवाद नहीं है हर साल यह आंकड़ा और ऊपर जा रहा है। लेकिन जब इन अंकों की असलियत जानने के लिए उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले शिक्षकों की कार्यप्रणाली और मूल्यांकन प्रणाली पर सवाल उठते हैं, तो व्यवस्था मौन हो जाती है। यह एक साजिशन खड़ा किया गया भ्रमजाल है, जो शिक्षा को स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की बजाय एक कृत्रिम दौड़ में तब्दील कर रहा है। शिक्षा के इस व्यवसायीकरण की गहराई को समझने के लिए जरूरी है कि हम उस ढांचे को देखें जिसमें यह सब संचालित हो रहा है। 2019 में सीबीएसई से मान्यता प्राप्त कुल 22,030 स्कूलों में से लगभग 80 प्रतिशत स्कूल निजी क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं। इस आंकड़े में केवल 1,138 केंद्रीय विद्यालय, 2,727 सरकारी स्कूल, 598 नवोदय विद्यालय और 14 तिब्बती स्कूल शामिल हैं, जबकि शेष 17,553 निजी स्कूल हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षा का एक बड़ा हिस्सा निजीकरण के दबाव में है, जहां शिक्षा की गुणवत्ता नहीं, बल्कि परिणामों की संख्या मायने रखती है और जब यही 'अंकवीर' छात्र राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यूपीएससी, जेईई या नीट में पहुंचते हैं, तो उनकी वास्तविक योग्यता सामने आ जाती है। उदाहरण के लिए, यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2019 में लगभग 11.35 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था, जिनमें से मात्र 11,474 छात्र ही मुख्य परीक्षा तक पहुंच सके। यही हाल साल 2024 का रहा। इस वर्ष लगभग 13.4 लाख छात्रों में से सिर्फ 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा तक पहुंचे। यानि बोर्ड परीक्षा के हाई स्कोरर प्रीलिम्स की पहली कसौटी पर ही फेल हो जाते हैं। यह दर्शाता है कि बोर्ड परीक्षाओं में मिलने वाले ऊंचे अंक असल में बौद्धिक क्षमता या विषय की समझ का पैमाना नहीं हैं। यह मूल्यांकन प्रणाली रटंत विद्या, तयशुदा उत्तरों और सजावटी भाषा पर आधारित है, जिसमें मौलिक सोच और विश्लेषण की कोई जगह नहीं। यह समस्या केवल स्कूली शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानसिकता पूरे उत्तर भारत के शैक्षणिक वातावरण में व्याप्त है। स्कूलों में अब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान देना नहीं, बल्कि अच्छे परिणामों के जरिए स्कूल का नाम रौशन करना बन गया है। इसके उलट, दक्षिण भारत की तस्वीर अपेक्षाकृत बेहतर है। वहां के माता-पिता शिक्षा को केवल अंक पाने के माध्यम के रूप में नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास और कौशल निर्माण के रूप में देखते हैं। यही कारण है कि तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक जैसे राज्यों के छात्र राष्ट्रीय परीक्षाओं में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हैं। वहां की शिक्षा प्रणाली में केवल परीक्षाफल नहीं, बल्कि सोचने-समझने की क्षमता, व्यवहारिकता और नवाचार को भी महत्व दिया जाता है। उत्तर भारत के अधिकतर स्कूलों में शिक्षण अब गाइडबुक, मॉडल पेपर और स्मार्ट आंसर पर आधारित हो गया है। शिक्षक भी केवल परिणाम उन्मुख होकर पढ़ाते हैं, क्योंकि उनके मूल्यांकन का आधार भी अब बच्चों के अंक बन गए हैं। इसका सबसे बड़ा दुष्परिणाम बच्चों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। नंबर की होड़ में बच्चों में अवसाद, आत्महत्या की प्रवृत्ति, हीन भावना और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। शिक्षा अब ज्ञान प्राप्त करने का साधन नहीं, बल्कि एक दौड़ बन गई है, जिसमें सबसे तेज दौड़ने वाला ही विजेता माना जाता है। यहां तक की कोचिंग टाउन बन चुके शहर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और इंदौर इस अंक-उद्योग की सबसे बड़ी मिसाल हैं।

अंधड़, बारिश और चेतावनी- बदलता मौसम, बिगड़ता संतुलन

24-25 मई की रात उत्तर भारत के लिए एक बार फिर ऐसी रात बनकर आई, जिसने न केवल दिल्ली-एनसीआर बल्कि पूरे उत्तर भारत को झकझोरकर रख दिया। इस प्रचंड मौसमीय तांडव ने न केवल जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया बल्कि एक बार फिर यह संकेत दे दिया कि अब मौसम चक्रों में स्थायित्व नहीं रहा और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव प्रत्यक्ष रूप से हमारे सिर पर मंडरा रहा है। एक ओर जहां लोगों को चिलचिलाती गर्मी से थोड़ी राहत मिली, वहीं दूसरी ओर भीषण बारिश और तेज हवाओं ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई महीने में जब उत्तर भारत 44-45 डिग्री सेल्सियस की झुलसाने वाली गर्मी के लिए जाना जाता है, ऐसे समय में अचानक ऐसे तूफान, तेज बारिश और ओलावृष्टि जैसे दृश्य आमतौर पर मानसून के चरम काल में भी दुर्लभ होते हैं।

हालांकि भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने इस तूफान से पहले ही रेड अलर्ट जारी कर दिया था परंतु तूफान की तीव्रता और व्यापक प्रभाव ने पारंपरिक मौसमी पूर्वानुमानों को भी पीछे छोड़ दिया। रविवार की देर रात तेज हवाओं ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में अपना प्रभाव दिखाना शुरू कर दिया। पश्चिम और उत्तर-पश्चिम दिशा से तेजी से बढ़ते तूफानी बादल महज कुछ ही घंटों में दिल्ली-एनसीआर की ओर आ गए। आसमान में अचानक तेज बिजली चमकने लगी, फिर गरज के साथ बारिश शुरू हुई और देखते ही देखते स्थिति एक शक्तिशाली तूफान में बदल गई। हवा की रफ्तार इतनी अधिक थी कि कई इलाकों में पेड़ उखड़ गए, ट्रैफिक सिग्नल गिर गए, बिजली के खंभे झुक गए और कई वाहनों को क्षति पहुंची। आईएमडी के अनुसार, इस दौरान हवा की गति 60 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच गई थी और कुछ स्थानों पर तो यह इससे भी अधिक रिकॉर्ड की गई।

केवल दिल्ली ही नहीं, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गुरुग्राम जैसे एनसीआर के प्रमुख शहरों में भी हालात कुछ अलग नहीं थे। गुरुग्राम में तेज हवा के कारण कई जगहों पर निर्माणाधीन साइटों की छतें उड़ गई जबकि नोएडा में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग की क्रेन गिरने से दो लोग घायल हो गए। उत्तर भारत के अन्य भागों, जम्मू, पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान में भी यह तूफान तबाही लेकर आया। जगह-जगह सैंकड़ों पेड़ उखड़ गए, जिससे कई जगहों पर सड़कों का संपर्क टूट गया। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में बादल फटने की घटना भी सामने आई, जहां सात वाहन बह गए और कई अन्य क्षतिग्रस्त हो गए। पंजाब में वर्षाजनित हादसों में कुछ लोगों की मौत की भी पुष्टि हुई। खेतों में काम कर रहे किसान तेज आंधी की चपेट में आ गए। इससे पहले 21 मई को भी शाम के समय अचानक दिल्ली-एनसीआर का मौसम बदल गया था और अचानक बदले मौसम के बीच भीषण आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने जमकर तबाही मचाई थी। तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि नोएडा, गाजियाबाद सहित देश के कई राज्यों में लोगों के लिए मुसीबत बन गया था। उस दौरान हुए हादसों में 7 लोगों की जान चली गई थी और दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि देशभर में करीब 26 लोगों की मौत होने की सूचना मिली थी।

इस साल मई महीने की शुरुआत ही इसी प्रकार के अप्रत्याशित मौसमी बदलावों के साथ हुई थी। 2 मई की सुबह दिल्ली-एनसीआर सहित उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में तेज आंधी, बारिश और तूफान जैसी स्थिति बनी थी। दिल्ली में उस दिन 78 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चली थी और बारिश के साथ भारी नुकसान हुआ था। पेड़ उखड़ गए थे, बिजली की आपूर्ति बाधित हुई थी और तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई थी। हालांकि उस समय भी लोगों को थोड़ी राहत महसूस हुई थी लेकिन इस बार मई के अंत में आया यह तूफान कहीं अधिक गंभीर और व्यापक प्रभाव वाला था। विशेषज्ञों का मानना है कि यह सब केवल सामान्य मौसमी उतार-चढ़ाव नहीं हैं बल्कि जलवायु परिवर्तन के गहरे संकेत हैं। दिल्ली सहित समूचे उत्तर भारत में तेजी से बढ़ता शहरीकरण, औद्योगीकरण और पर्यावरणीय असंतुलन अब मौसम चक्रों

को अस्थिर कर रहा है। 'शहरी हीट आइलैंड' प्रभाव के चलते रात के तापमान में गिरावट नहीं होती और वातावरण की ऊष्मा बढ़ती जाती है। कंक्रीट, एस्फाल्ट और अन्य मानव निर्मित सतहें सूरज की ऊष्मा को अवशोषित कर लेती हैं और धीरे-धीरे उसे छोड़ती हैं, जिससे रात में भी वातावरण गर्म बना रहता है। 2 मई की सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि सामान्यत: ऐसी बारिश के बाद तापमान 18-20 डिग्री तक गिर जाता है।

मौसम विभाग ने इस बार के तूफान के पीछे पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली नम हवाओं के संगम को कारण बताया है। आमतौर पर पश्चिमी विक्षोभ नवंबर से अप्रैल के बीच सक्रिय रहता है लेकिन पिछले कुछ वर्षों में यह मई-जून में भी सक्रिय रहने लगा है, जो वैश्विक तापमान वृद्धि का संकेत है। यह संकेत स्पष्ट करता है कि पारंपरिक मौसम चक्रों में अब स्थायित्व नहीं रहा और मौसम की गतिविधियां अधिक अनियमित और अस्थिर होती जा रही हैं। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नम हवाएं जब पश्चिमी विक्षोभ से टकराती हैं तो वह एक संगठित मौसमी प्रणाली का निर्माण करती हैं, जिससे उत्तर भारत में भारी वर्षा, तेज हवाएं और ओलावृष्टि होती है। यह आमतौर पर मानसून के मध्य चरणों में होता है लेकिन मई की शुरूआत में या मई के अंतिम सप्ताह में इस प्रकार की घटनाएं असामान्य हैं, जिनसे यह सिद्ध होता है कि मौसमी प्रवृत्तियों की दिशा अब बदल रही है।

कृषि क्षेत्र पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। इस समय अधिकांश क्षेत्रों में मूंग, सब्जियां, तरबूज, खरबूजा और अन्य ग्रीष्मकालीन फसलों की खेती होती हैं। तेज हवाएं, ओलावृष्टि और बारिश इन फसलों को नुकसान पहुंचाती हैं। बिहार, हरियाणा और राजस्थान के किसानों ने फलों और सब्जियों के खराब होने की शिकायत की है। इससे न केवल किसानों की आमदनी प्रभावित होती है बल्कि खाद्य आपूर्ति श्रृंखला और खुदरा बाजारों में कीमतों पर भी इसका व्यापक असर पड़ सकता है। जलवायु परिवर्तन का असर अब हिमालय क्षेत्र में भी गहराई से महसूस किया जा रहा है। बर्फबारी का स्तर 23 वर्षों के न्यूनतम स्तर पर पहुंच चुका है, जिससे हिमालय की नदियों पर निर्भर करोड़ों लोगों की जल सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। आईपीसीसी की छठी आकलन रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय उपमहाद्वीप में मौसम अब पहले की तुलना में अधिक अनिश्चित और अस्थिर हो गया है। असामान्य तूफान, बेमौसम बारिश और अचानक तापमान में बदलाव, यह सभी इस बात के संकेत हैं कि जलवायु अब अपने पुराने स्वरूप से हट चुकी है।

वर्तमान स्थिति में सरकार, वैज्ञानिक समुदाय और आम नागरिकों के लिए यह एक गंभीर चेतावनी है। अब समय आ गया है कि हम जलवायु परिवर्तन को केवल वैज्ञानिक बहस का विषय न मानें बल्कि इसे सार्वजनिक नीति और व्यक्तिगत जीवनशैली में भी प्राथमिकता दें। भारत को अब मौसम विज्ञान, कृषि, जल संरक्षण, ऊर्जा नीति और शहरी नियोजन को आपस में जोड़ते हुए एक समग्र रणनीति बनानी होगी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को भी अपनी रणनीतियों को अद्यतन करना होगा। अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों की जलवायु विशेषताओं के अनुसार अलग योजनाएं बनानी होंगी। दिल्ली-एनसीआर जैसे घने शहरी क्षेत्रों के लिए अलग मॉड्यूल हो जबकि हिमालयी क्षेत्रों के लिए भूस्खलन, बाढ़ और बर्फबारी पर केंद्रित योजनाएं हों। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों के लिए मौसम अनुकूल बीमा योजनाएं, सटीक पूर्वानुमान सेवाएं और प्राकृतिक आपदाओं से पहले सतर्कता की विश्वसनीय प्रणाली विकसित करनी होगी। बहरहाल, दिल्ली और उत्तर भारत में अचानक और तीव्र रूप से बदलता मौसम अब कोई आश्चर्यजनक घटना नहीं रह गया है बल्कि यह एक चेतावनी है कि यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह बदलाव हमें और अधिक विनाशकारी परिस्थितियों की ओर ले जा सकता है। यह समय है जब नीति निर्धारक, वैज्ञानिक और आमजन एकजुट होकर जलवायु परिवर्तन की चुनौती का समाधान निकालें। 24-25 मई की रात उत्तर भारत में आया तूफान न केवल भौतिक रूप से तबाही का प्रतीक था बल्कि यह जलवायु संकट की उस गंभीरता का द्योतक भी था, जिससे हम सब प्रभावित हो रहे हैं। यदि आने वाले समय में ऐसी घटनाएं बढ़ती हैं तो इससे न केवल हमारी जीवनशैली प्रभावित होगी बल्कि भारत की कृषि, अर्थव्यवस्था और पर्यावरणीय संतुलन भी खतरे में पड़ सकता है। इसलिए हमें सतर्क रहना होगा, तैयारी करनी होगी और प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर चलना होगा, तभी हम सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य की ओर बड़ सकते हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार और बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं

-योगेश गोयल

जीवन में कुछ बनने के लिए विनम्र होना जरूरी- बीज को भी पेड़ बनने जमीन के नीचे दबना पड़ता है

वैश्विक मानवीय जीवन छैली को अगर हम देखें तो आधुनिकता का भाव कूट-कूट कर भरा है। वर्तमान डिजिटलाइजेशन और वैज्ञानिक युग में वैश्विक स्तरपर पुरानी परंपराओं, पौराणिक मान्यताओं, रीति-रिवाजों की सोच, आज वैश्विक स्तर पर वैज्ञानिक सोच ने इनका स्थान ग्रहण लिया है। स्थिति आज ऐसी हो गई है कि यदि कोई इन रीति-रिवाजों, मान्यताओं, पौराणिक धार्मिकता, पर अपनी बात करेगा तो उसे पुरानी सोच, दकियानूसी बातें, हो गया पुराना जमाना, कह कर हंसी का पात्र बना दिया जाता है।....बात अगर हम भारत की करें तो कुछ स्तर पर यहां भी ऐसी सोच पाश्चात्य देशों की तर्ज पर स्थापित होती जा रही है। परंतु यह भारतीय मिट्टी इसे सिरे से खारिज करने में अदृश्य अनमोल रोल अदा कर रहीं है।...बात अगर मानवीय गुणों की करें तो भारतीय मानवीय गुण विश्व में सर्वाधिक प्रसिद्ध है। मानवीय गुणों की श्रेष्ठता में भारत प्रथम रैंक में आएगा ऐसा मेरा मानना है। साथियों,, मानवीय गुणों में अनेक ज्ञानात्मक, क्रियात्मक, विचारात्मक, संस्कार, आत्मक गुण, शामिल होते हैं। हम आज विनम्रता गुण पर चर्चा करेंगे...साथियों,, मेरा मानना है कि भारतीय मिट्टी में विनम्रता का गुणा कूट-कूट कर भरा है। बस इसे ग्रहण करने की जरूरत है। विनम्रता गुण जिसने ग्रहण किया उसमें आध्यात्मिकता, सहिष्णुता की भावना, कर्मवाद, विश्वबंधुत्व उच्च संस्कार, आशावादिता, अतिथि देवो भव वाले विचार, स्वभावरूपी आभूषण, बहुमूल्य सिंगार, अपने आप समाहित हो जाते हैं। साथियों,,आज भारत में जन्मा प्रवासी भारतीय या मूल भारतीय व्यक्ति आज विश्व के कोने-कोने में अपनी एक विशेष उपस्थिति दर्ज कराते हुए मिलेगा। चाहे वह विदेशों में मजदूरी का काम करता है या किसी देश का संसद, उपराष्ट्रपति, उद्योगपति, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेशनल हो तो उसे उस देश के प्रशासक प्राथमिकता देगें क्योंकि वह अपेक्षाकृत अधिक मेहनती, विनम्र, और योग्य है। उसमें अनेक मानवीय गुण अपेक्षाकृत अधिक समाए हुए हैं और विनम्रता का भाव अधिक है इसीलिए उसका सम्मान होता है। और वह श्रेष्ठमानव की श्रेणी में आता है। विनम्रता के कारण मानव किसी को भी जल्दी संप्रेषण कर आसानी से उसे संतुष्ट कर सकता है। सभको अपना बना लेता है, समाज में श्रेष्ठस्थान पाता है। विनम्रता एक ऐसी खान है जिसमें सहनशीलता, दया, परोपकार, प्रसन्नता, प्यार, वाणी, सुव्यवहार, स्वभाव, आचरण, रूपी अनेक अस्त्र समाहित होते हैं जिससे कोई भी जंग जीतना आसान हो जाता है। क्योंकि उस खान में इतने अस्त्रों से सम्मानित व्यक्ति किसी भी जंग में हार नहीं सकता। इसलिए ही कहा गया है बिना मूल्य मनुष्य का बहुमूल्य आभूषण और श्रृंगार उसकी नम्रता का गुण है। साथियों,, अगर हम गंभीरता से देखें तो एक व्यक्ति के व्यक्तित्व को जानने की पहली सीढ़ी उसकी विनम्रता रूपी गुण होती है। तभी आगे व अन्य मानवीय गुणों को प्राप्त करेगा। आज के आधुनिक युग में मानवीय गुणों की विलोप्ता तेजी से बढ़ी है और धनबल का अस्तित्व बढ़ रहा है, परंतु यहां भारतीय संस्कार और भारत की मिट्टी अपना प्रभाव दिखाकर भारत में विनम्रता के विस्तार में अग्रसर है, क्योंकि व्यक्ति की परवरिश में परिवार के संस्कार और देश की संस्कृति का असर तो होता ही है। फलस्वरुप उसके व्यवहार में विनम्रता का गुण पनपता है, जिसका श्रेय ही भारत की मिट्टी, धरोहर को जाता है। विनम्रता एक ऐसा मानवीय गुण है जो धन बल से खरीदा नहीं जा सकता। विनम्रता का गुण बड़ी-बड़ी समस्याओं, विपत्तियों, विपरीत परिस्थितियों, दुखों, का निवारण इस विनम्रता रूपी अस्त्र से किया जा सकता है और अंतिम जीत विनम्रता की ही होती है।

-किशन सनमुखदास भावनानी

भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दैदीप्यमान सूर्य वीर विनायक दामोदर सावरकर

भारत का विभाजन अप्राकृतिक है,किसी देश की सीमा रेखाएँ केवल नदी पहाड़ों या संधि पत्रों से निर्धारित नहीं होती हैं,वह होती हैं उस देश के युवाओं के कर्तत्व और पौरुष से,जिस दिन भारत की आने वाली पीढ़ियां अपना कर्तत्व दिखायेंगी उस दिन भारत की सीमा रेखाएँ काबुल कांधार को लाँघकर दूर तक निकल जायेँगी-सावरकर

वीर सावरकर भारत के इतिहास के वह महापुरुष जिन्हें भुलाने की लगातार कोशिश की गई लेकिन उनका व्यक्तित्व ही ऐसा है कि जितना उसे ग्रहण लगाने की कोशिश की गई हर समय सूर्य के तेज की तरह दोगुने रूप में उनका व्यक्तित्व और निखर कर राष्ट्र के सामने आया।

पुण्य भूमि भारत की वीर प्रसूता भूमि महाराष्ट्र जिसने क्षत्रपति शिवाजी और लोकमान्य तिलक जैसे तेजोमय नायकों को जन्म दिया उसी महाराष्ट्र में भारतीय स्वाधीनता संग्राम के दैदीप्यमान सूर्य वीर विनायक दामोदर सावरकर का जन्म 28 मई, 1883 को नासिक के पास भगूर नामक गांव में हुआ था और उनकी मृत्यु 26 फरवरी, 1966 को बम्बई (अब मुंबई) में हुई थी। पूरा नाम विनायक दामोदर सावरकर एक स्वतंत्रता ,संग्राम सेनानी, राजनीतिज्ञ, वकील, समाज सुधारक और हिंदुत्व के दर्शन के सूत्रधार थे।सावरकर के पिता का नाम दामोदरपंत सावरकर और माता राधाबाई थीं। उन्होंने कम उम्र में ही अपने माता-पिता को खो दिया था। वह अपने बड़े भाई गणेश (बाबाराव) से काफी प्रभावित थे। वीर सावरकर जब छोटे थे, तो उन्होंने मित्र मेला नामक एक युवा समूह का आयोजन किया। वह लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक और बिपिन चंद्र पाल जैसे राष्ट्रवादी राजनीतिक नेताओं से प्रेरित थे और समूह को क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल करते थे। उन्होंने पुणे के फर्ग्यूसन कॉलेज में दाखिला लिया और स्नातक की डिग्री पूरी की। सावरकर को उच्च शिक्षा हेतु इंग्लैंड में कानून का अध्ययन करने का प्रस्ताव मिला और छात्रवृत्ति की पेशकश की गई। उन्हें इंग्लैंड भेजने और पढ़ाई जारी रखने में श्यामजी कृष्ण वर्मा ने मदद की थी। उन्होंने वहां ग्रेज़ इन लॉ कॉलेज में दाखिला लिया और इंडिया हाउस में निवास बनाया यह उत्तरी लंदन में एक छात्र निवास था। लंदन में वीर सावरकर ने अपने साथी भारतीय छात्रों को प्रेरित किया और आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए एक संगठन फ्री इंडिया सोसाइटी का गठन किया। वीर सावरकर ने 1857 के स्वातंत्र्य समरकी तर्ज पर स्वतंत्रता प्राप्ति के लिए गुरिल्ला युद्ध के बारे में सोचा। उन्होंने द हिस्ट्री ऑफ द वॉर ऑफ इंडियन इंडिपेंडेंस नामक पुस्तक लिखी, जिसने कई भारतीयों को आजादी के लिए अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, इस किताब पर अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन इसने कई देशों में लोकप्रियता हासिल की। इतना ही नहीं, उन्होंने हाथ से बनाए जाने वाले बम और गुरिल्ला युद्ध के प्रपत्र भी बनाए और दोस्तों में बांटे। उन्होंने अपने मित्र मदन लाल ढींगरा को भी कानूनी सुरक्षा प्रदान की, जो सर विलियम हट कर्जन वायली नामक एक ब्रिटिश भारतीय सेना अधिकारी की हत्या के मामले में आरोपी थे।

सावरकर को 50 साल कैद की सजा कैसे सुनाई गई?

इस बीच, भारत में वीर सावरकर के बड़े भाई ने इंडियन काउंसिल एक्ट 1909 जिसे मिंटो-मॉर्ले रिफॉर्म के नाम से भी जाना जाता है, के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया। इसके अलावा विरोध के साथ ब्रिटिश पुलिस ने दावा किया कि वीर सावरकर ने अपराध की साजिश रची थी और उनके खिलाफ वारंट जारी किया था।

गिरफ्तारी से बचने के लिए वीर सावरकर पेरिस चले गए और वहां उन्होंने भीकाजी कामा के आवास पर शरण ली। 13 मार्च, 1910 को उन्हें ब्रिटिश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया, लेकिन फ्रांसीसी सरकार तब बुरा मान गयी, जब ब्रिटिश अधिकारियों ने पेरिस में वीर सावरकर को गिरफ्तार करने के लिए उचित कानूनी कार्यवाही शुरू नहीं की। अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता का स्थायी न्यायालय ब्रिटिश अधिकारियों और फ्रांसीसी सरकार के बीच विवाद को संभाल रहा था और 1911 में फैसला सुनाया। आपको बता दें कि वीर सावरकर के खिलाफ फैसला आया और उन्हें 50 साल की कैद की सजा सुनाई गई और वापस बंबई भेज दिया गया। बाद में उन्हें 4 जुलाई 1911 को अंडमान और निकोबार द्वीप ले जाया गया।अंडमान में उन्हें काला पानी के नाम से मशहूर सेल्यूलर जेल में बंद कर दिया गया। जेल में उन्हें बहुत यातनाएं दी गईं। लेकिन, उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्रता की भावना जारी रही और उन्होंने वहां अपने साथी कैदियों को पढ़ाना-लिखाना सिखाना शुरू कर दिया। उन्होंने जेल में एक बुनियादी पुस्तकालय शुरू करने के लिए सरकार से अनुमति भी ली।अपने जेल समय के दौरान उन्होंने एक वैचारिक पुस्तिका लिखी, जिसे हिंदुत्व के नाम से जाना जाता है- हिंदू कौन है? और इसे सावरकर के समर्थकों ने प्रकाशित किया। पैम्फलेट में उन्होंने हिंदू को भारतवर्ष (भारत) का देशभक्त और गौरवान्वित निवासी बताया और इससे कई हिंदू प्रभावित हुए। उन्होंने जैन धर्म, बौद्ध धर्म, सिख धर्म और हिंदू धर्म जैसे कई धर्मों को एक ही बताया। उनके अनुसार, ये सभी धर्म अखंड भारत (संयुक्त भारत या बृहत् भारत) के निर्माण का समर्थन कर सकते हैं।

उन्हें हमेशा हिंदू होने पर गर्व था और उन्होंने इसे एक राजनीतिक और सांस्कृतिक पहचान बताया। 6 जनवरी, 1924 को सावरकर को जेल से रिहा कर दिया गया और उन्होंने रत्नागिरी हिंदू सभा के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस संगठन का उद्देश्य हिंदुओं की सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना था।

29 दिसम्बर 1908 लंदन में गुरु गोविंद सिंहजी का जन्मोत्सव समारोह का आयोजन

जो लोग काम-धंधे या अन्य किसी कारण से विदेश में बस जाते हैं, वे लम्बा समय बीतने पर प्राय: अपनी भाषा-बोली, रीति-रिवाज खान-पान और धर्म-कर्म आदि भूल जाते हैं। गुलामी के काल में इंग्लैंड निवासी अधिकांश भारतीय और हिन्दुओं की यही हालत थी। ऐसे माहौल में जुलाई 1906 में वीर विनायक दामोदर सावरकर बैरिस्टरी की पढ़ाई करने के लिए लंदन पहुंचे। वे वहां स्वाधीनता सेनानी पंडित श्यामजी कृष्ण वर्मा के 'इंडिया हाउस' में रहते थे। वहां रहकर उन्होंने जहां स्वाधीनता संग्राम में कई तरह से योगदान किया, वहां देश और धर्म के लिए बलिदान होने वाले वीरों की जयंती और पुण्य-तिथि आदि मनाकर भारत से गये हिन्दुओं में भी जागृति लाने का प्रयास किया। इसी क्रम में 29 दिसम्बर, 1908 को लंदन के प्रसिद्ध 'कैक्स्टन हॉल' में खालसा पंथ के संस्थापक श्री गुरु गोविंद सिंहजी का जन्मोत्सव मनाया गया। खराब मौसम के बावजूद इसमें हिन्दुओं और सिखों के अलावा कई अंग्रेज, मुसलमान और पारसी भी शामिल हुए। सभा स्थल पर गुलाबी रंग के एक भव्य झंडे पर 'देग तेग फतह' लिखा था। गुलाबी पृष्ठभूमि पर ये शब्द बहुत अच्छे लग रहे थे। एक बैनर पर llonour to the secred memory of Shree Guru Govind Singh Prophet, Poet and warrior लिखा था। सभागार धूपबत्ती और ताजे पुष्पों की सुगंध से महक रहा था। श्वेत राष्ट्रीय झंडियों से वातावरण में पवित्रता व्याप्त हो गयी। समारोह की अध्यक्षता स्वाधीनता सेनानी श्री विपिनचंद्र पाल ने की। उनके मंचासीन होने पर 'राष्ट्रगीत' हुआ। फिर 'बंगाली आमार देश' तथा 'मराठी प्रियकर हिन्दुस्थान' गीत गाये गये। इसी क्रम में दो सिख युवाओं ने धार्मिक प्रार्थना बोली। पहले वक्ता प्रोफेसर गोकुलचंद नारंग एम.ए. (दयानंद कॉलेज) ने अपने आवेशयुक्त भाषण में कहा कि गुरु गोविंद सिंहजी का स्मरण हिन्दुओं के मन में अभिमान, प्रेम, आत्मनिष्ठा और पूज्यता का भाव भर देता है। ईसाई लोगों के मन में ईसा मसीह का नाम लेने से जो मनोभावना उत्पन्न होती है, केवल उसी से इसकी तुलना हो सकती है। दूसरे वक्ता स्वाधीनता सेनानी लाला लाजपतराय थे। उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंहजी हिन्दुस्थान की महान विभूति थे। पंजाब में तो वे अनन्य थे ही। उनके चार छोटे बच्चे शत्रु के रोष की बलि चढ़ गये। गुरुजी वास्तव में सिंह थे। अध्यक्ष विपिन चंद्र पाल ने गुरुजी को याद करते हुए कि उन्होंने मानव की दैवी शक्ति का विकास करने का प्रयास किया। आज भारत में जिसे नयी जागृति या नया पक्ष आदि कहा जा रहा है, वह कुछ नया नहीं है। विनायक दामोदर सावरकर इस समारोह के वक्ताओं में शामिल नहीं थे। यद्यपि इसके आयोजन में उनकी भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण थी; पर श्रोता उन्हें सुनना चाहते थे। अत: विपिन बाबू ने उन्हें भी बोलने को कहा। सावरकर ने 'देग तेग फतह' की व्याख्या करते हुए कहा कि ये तीन शब्द तीन पंखुड़ियों वाला फूल है, जिससे गुरुजी के सम्पूर्ण जीवन और सिख धर्म को समझा जा सकता है। इसका उच्चारण गुरु गोविंद सिंह जी ने ही किया था। देग का अर्थ तत्व, तेग का तलवार और फतह का अर्थ जीत है। तलवार के बिना तत्व लंगड़ा रहता है। इसीलिए गुरुजी ने तलवार उठायी और अंतत: हिन्दू पक्ष की जीत हुई। समारोह के अंत में सिख परम्परा के अनुसार 'कढ़ाह प्रसाद' बांटा गया। गुरु गोविंद सिंह के जयकारे और 'वंदे मातरम्' के उद्घोष के साथ सभा विसर्जित हुई। प्राय: लंदन का मीडिया भारतीय और विशेषकर हिन्दुओं के समारोह को महत्व नहीं देता था; पर इसका समाचार टाइम्स, डेली टेलीग्राफ, मिरर, डेली एक्सप्रेस जैसे बड़े पत्रों ने दिया। डेली मिरर ने तो एक चित्र भी प्रकाशित किया। इससे यह कार्यक्रम पूरे नगर में चर्चा का विषय बन गया।

24 अक्तूबर 1909 लंदन में विजयादशमी पर्व

एक समय दुनिया में अंग्रेजों की तूती बोलती थी। ऐसे में इंग्लैंड में बसे भारतीय बहुत दबकर रहते थे। राजधानी लंदन में तो माहौल बहुत ही खराब था। वहां के हिन्दू केवल नाम के हिन्दू रह गये थे। वे अपने धार्मिक पर्व मनाने की बजाय चर्च जाते थे और क्रिसमस के कार्ड एक-दूसरे को देते थे। पंडित श्यामजी कृष्ण वर्मा के प्रयास से लोग स्वयं को हिन्दू कहने में लज्जा की बजाय गर्व का अनुभव करने लगे। इसके साथ ही वहां हिन्दू पर्व भी मनाये जाने लगे। 24 अक्तूबर, 1909 को लंदन के 'क्वींस हॉल' में विजयादशमी पर्व मनाया गया। इसके लिए 'श्रीरामो विजयते' नामक एक सुनहरा निमंत्रण पत्र बांटा गया। समारोह में भोज का भी आयोजन था, जिसका शुल्क तीन रुपये रखा गया था। समारोह में सौ से भी अधिक भारतीय पुरुष और महिलाएं शामिल हुईं। इनमें लंदन के बड़े-बड़े व्यापारी, प्रोफेसर, डॉक्टर और विद्यार्थी भी थे। समारोह की अध्यक्षता बैरिस्टर मोहनदास करमचंद गांधी ने की। केवल भारतीयों के लिए होने के कारण इसमें बाहर के लोग शामिल नहीं किये गये थे। समारोह के लिए 'क्वींस हॉल' को बहुत अच्छा सजाया गया था। भव्य राष्ट्रीय निशान और उस पर मोटे अक्षरों में 'वन्दे मातरम्' लिखा था। सबसे पहले राष्ट्रीय गीत और फिर गांधीजी का भाषण हुआ। उन्होंने कहा कि आज यहां थाली लगाना, पानी देना, रसोई बनाना जैसे कार्य डॉक्टर, प्रोफेसर आदि ने स्वयंसेवक बनकर किये। यह लोकसेवा का अच्छा उदाहरण है। लंदन में ऐसा समारोह होगा, इसकी मुझे कल्पना भी नहीं थी। यह हिन्दू समारोह है; पर इसमें मुसलमान और पारसी भी आये हैं। यह अच्छी बात है। श्रीराम के सद्गुण यदि अपने राष्ट्र में फिर उत्पन्न हो जाएं, तो देश की उन्नति होने में देर नहीं लगेगी। इसके बाद हिन्दुस्थान के नाम का जयघोष किया गया। दक्षिण अफ्रीका से गांधीजी के साथ आये अली अजीज ने कहा कि हिन्दुस्थान हिन्दू और मुसलमान दोनों की भूमि है। उसकी उन्नति हो तथा वह शक्तिशाली बने। इसके बाद वीरेन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय बोले। अब गांधीजी ने सावरकर को बोलने का आग्रह करते हुए कहा कि उनके और मेरे विचारों में कुछ भिन्नता है। फिर भी उनके साथ बैठने का मुझे अभिमान है। उनके स्वार्थ त्याग और और देशभक्ति के मधुर फल अपने देश को चिरकाल तक मिलें, यह मेरी इच्छा है। सावरकर के खड़े होते ही श्रोताओं ने पांच मिनट तक ताली बजाकर उनका सम्मान किया। सावरकर ने इसके लिए धन्यवाद देते हुए श्रीराम को पुष्पांजलि अर्पित की। अपने पौने घंटे के भाषण में उन्होंने राजनीतिक विषयों को स्पर्श नहीं किया। वह भाषण पूरी तरह श्रीराम के जीवन पर ही केन्द्रित रहा। उन्होंने कहा कि जब श्रीराम अपने पिता के आदेश पर वन गये, तो वह कार्य 'महत्' था। जब उन्होंने अत्याचारी रावण को मारा, तो वह कार्य 'महत्तर' था; पर जब उन्होंने "आराधनाय लोकस्य मुंचतो नास्ति मे व्यथा" कहकर भगवती सीता को उपवन में भेज दिया, तो वह कार्य 'महत्तम' था। श्रीराम ने व्यक्ति और पारिवारिक कर्तव्यों को अपने लोकनायक रूपी राजा के कर्तव्यों पर बलिदान कर दिया। इसलिए उनकी मूर्ति हर हिन्दू को अपने मन में धारण करनी चाहिए। इससे ही भारत की उन्नति होगी। उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज हिन्दुस्थान का हृदय है। फिर भी जैसे इन्द्रधनुष के कई रंगों से उसकी शोभा बढ़ती है, वैसे ही मुसलमान, पारसी, यहूदी आदि विश्व के उत्तमांश मिलाकर हिन्दुस्थान भी काल के आकाश में अधिक ही खिलेगा।

- सुरेन्द्र शर्मा

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। आवकों की सुस्तता से मंगलवार को किराना बाजार में नारियल बड़त पर रहा। शक्कर में सुस्ती आयी। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार नारियल में आवक 3 गाड़ी की रही। आवकें ठंडी रहने से बाजार 50 रू. प्रति थैले से सुधर गये। शक्कर में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार सुस्त-सुस्त ही रहा। सोया व कपास्या तेलों में बाजार नरमी के देखे गये। अमावस्या के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4150-4180, खोपरा गोला 215-265, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 180-220, सांगली 250-270, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1450-1825, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 880-990, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 840-880, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 820-835, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2400-2450, (160) 2800-2850, (200) 2850-2900, (250) 2900-2950

तेल- सींगदाना 1410-1430, मुम्बई 1415, राजकोट तेलिया 2200, सोया साल्वेंट 1150-1155, सोया रिफाइंड 1220-1225, कपास्या 1215, धूलिया 1220, कड़ी 1220,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1350, मुम्बई पाम 1210, मुम्बई सोया 1275,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5100-5300, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6350-6400, एवरेज 6200-6250, मूंग देशी 7400-7500, पाला 7500-7600, चमकी 7600-7700, नायलोन 7700-7800, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6900-7000, एवरेज 6700-6800, हल्की 6500-6600, तुअर महाराष्ट्र 7100-7400, उड़द बेस्ट 8500-8600, एवरेज 8300-8400, शंकर 7900-8000, हल्की 7300-7500,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 280, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार नरमी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 97000, चाँदी (99) 96900, टंच 96200, सिक्का 1000, सोना 10 ग्राम 96000,

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय बाजार 26 पैसे की बढ़त के साथ ही 85.13 पर बंद हुआ। वहीं सुबह घरेलू शेयर बाजार में सुस्त धारणा के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर 85.29 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में घरेलू मुद्रा 85.15 पर खुली और शुरुआती सौदों में डॉलर के मुकाबले 85.29 पर लुढ़क गई जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 19 पैसे की गिरावट दिखात है। रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले 85.10 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की गिरावट के साथ 98.83 पर रहा।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए साझेदारी में कोई काम करने के लिए रहेगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपको कुछ विशेष व्यक्तियों से मिलने का मौका मिलेगा। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से आप वाद-विवाद में न पड़े, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते में दरार पैदा हो सकती हैं।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए जिम्मेदारी से काम करने के लिए रहेगा। आर्थिक मामलों में आपको ध्यान देने की आवश्यकता है। आपका कोई रुपए पैसे से जुड़ा मामला सुलझ सकता है। विद्यार्थी यदि किसी प्रतियोगिता में भाग लेंगे, तो उसमे उन्हें जीत अवश्य मिलेगी। आप अपनी सेहत के प्रति थोड़ा सचेत रहें। आपके ऊपर कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारी अधिक रहने से टेंशन बनी रहेगी। आपको किसी काम को भाग्य के भरोसे नहीं छोड़ना है, नहीं तो उसे पूरा करने में समस्या आ सकती है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपके सुख साधनों में वृद्धि होगी और कोई पुराना लेनदेन चुकटा होगा। आपका कोई मित्र लंबे समय बाद आपसे मिलने आ सकता है। आपके घर किसी मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको किसी दूर रह रहे परिजन की याद सता सकती हैं।

कर्क- आज का दिन आपके लिए वाणी व व्यवहार पर संयम रखने के लिए रहेगा। आपको सामाजिक कामों में भाग लेने का मौका मिलेगा। बिजनेस में आपकी इनकम बढ़ेगी। काम के सिलसिले में आप लंबी दूरी की यात्रा पर जा सकते हैं। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। आपके प्रभाव व प्रताप में वृद्धि होगी और आपको किसी नए काम की शुरुआत करना भी अच्छा रहेगा। उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्थ होंगे।

सिंह- आज का दिन आपके लिए उत्तम संपत्ति के संकेत दे रहा है। सरकारी योजनाओं में धन लगाना बेहतर रहेगा। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोग किसी अच्छी स्कीम में धन लगा सकते हैं। परिवार में यदि किसी सदस्य की सेहत को लेकर आपको टेंशन थी, तो वह भी काफी हद तक दूर होगी। आप अपने बिजनेस के किसी काम को लेकर यात्रा पर जा सकते हैं। आप कोई भी काम जल्दबाजी में न उठाएं और कोई निर्णय आपको बहुत ही सोच समझ कर लेने की आवश्यकता है। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका धन खर्च बढ़ सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए रचनात्मक कार्यों पर ध्यान देने के लिए रहेगा। व्यवसाय में आप काम को लेकर धन लगाने की सोच सकते हैं, जो जातक नौकरी की तलाश में इधर-उधर भटक रहे हैं, उन्हें कोई शुभ सूचना सुनने को मिल सकती हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। विद्यार्थियों को काम को लेकर लापरवाही बिल्कुल नहीं करनी है। आपको किसी दूसरे के मामले में बोलने से बचना होगा।

तुला- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आपके बिजनेस की योजनाएं आपको कोई बेहतर लाभ देगी। आपको यदि कोई चिंता चली आ रही थी, तो वह भी दूर हो सकती है। जमीन जायदाद से जुड़ा मामला सुलझेगा। अध्ययन में अध्यात्म के प्रति आपकी खूब रुचि रहेगी। विद्यार्थियों को पढ़ाई लिखाई को लेकर लापरवाही नहीं करनी है।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए खर्चो भरा रहने वाला है। जीवनसाथी से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है। आपको अपने किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को साथी की कोई बात बुरी लग सकती है। आपका कोई कानूनी मामला आपके लिए सिर दर्द बन सकता है, जिसके निपटाने के लिए आपको किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशवरे की आवश्यकता होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए लंबे समय से रुके हुए कामों को पूरा करने के लिए रहेगा। आप अपने व्यवसाय में लगे रहेंगे। आप किसी तकनीकी समस्या के कारण परेशान रहेंगे। पैतृक संपति को लेकर कोई विवाद खड़ा हो सकता है, जो कानूनी हो सकता है। आपको अपनी संतान की संगति पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है और आपको काम के साथ-साथ परिवार के सदस्यों के लिए भी समय निकालना होगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए धन धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। माता-पिता या भाई बहनों को आपको पूरा साथ मिलेगा। आपकी तरक्की के नए-नए मार्ग खुलेंगे। आप कुछ नया करने की सोच सकते हैं। आपको किसी से किए हुए वादे को पूरा करने में समस्या आ सकती है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आप अच्छे व मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे। परिवार में यदि सदस्यों में किसी बात को लेकर अनबन चल रही थी, तो वह भी बातचीत के जरिए दूर हो सकती है। आप किसी योजना में बदलाव करने की सोच सकते हैं। बिजनेस कर रहे लोगों को थोड़ा समझदारी दिखाते हुए अपने कामों को निपटाना होगा।

मीन- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहने वाला है। आपकी भौतिक शुभ सुविधाओं में भी वृद्धि होगी। आप परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपको किसी बात को लेकर टेंशन चल रही है, तो आप अपने पिताजी से बातचीत कर सकते हैं। स्वास्थ्य को लेकर आपको पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

शब्दजाल - 7912

शब्द जाल में यहूदी कलेंडर के 10 महीनों के नाम ढूंढिए.नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

चे	क	ल	व	ग	आ	ना	क	प	ल	क
र	श	ल	न	व	जी	इ	द	इ	ट	कि
त	स	व	ल	र्म	छ	पु	य	रा	ख	स
क	ज	ज	न	पु	अ	ड	र	र	ल	ले
क	क	दो	ग	श्री	लं	का	तू	ग	झ	व
ज	ति	श	री	ह	झ	नि	ना	ण	घ	को
ती	आ	स	लि	या	प	ल	स	र	ला	ल
क	ता	शे	ई	सि	ब	ते	फ	न	श	पा
ने	बा	बे	न	व	जी	ल	बे	ग	प	कि
द	पा	त	प	न	जी	र्त	ऐ	त	प	स्ता
क	अ	ब	प	ची	न	रा	बा	द	प	न

तिशरी, चेशवन, किसलेव, तेबेत, शेबेत, अडर, निसन, आइयर, सिवन, अब

शब्दजाल - 7911 का हल

कं	क	दो	यु	ला	प	नं	दा	दे	वी	क
ज	च	ल	प	ह	रिं	गा	ना	दि	शा	त्रि
अं	इ	न	म	सं	दा	प	श	र	ला	शू
क	कु	दा	जं	धा	ब	र्व	नू	रि	श	ल
क	ति	श	न	घा	क	त	न	न	वी	ता
सा	से	र	कां	ग	ड्डी	र्त	कू	ती	कू	रु
पौ	हु	न	री	अं	गो	म	य	कौ	लो	न
क	बा	अ	ब	री	क	शे	त	न	श	चौ
क	स	थो	गि	व	न	ज	र	शा	जू	खं
द	र	ना	प	ति	रं	र्त	ऐ	ब्र	प	बा
थो	दु	सा	रु	मा	नी	हो	जा	एं	म	क

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6856

बायें से दायें:-

१. शाहिद कपूर, अमृता राव की फिल्म-३
३. शाहिद कपूर और अमृता राव की जोड़ी वाली पहली फिल्म कौन सी थी-२,२
६. सनी, प्रीति की 'तुझे देखा तो दिल मेरा डोल गया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'वो लड़की जो सबसे अलग है' गीत वाली फिल्म-४
९. शत्रुघ्न सिन्हा, शर्मिला की फिल्म-३
११. 'तू प्यार का सागर है तेरी' गीत वाली बलराज, नूतन की फिल्म-२
१२.अजय, जॉन, लारा, ईशा की फिल्म-२
१३. 'इससे पहले कि याद' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-४
१६. भारतभूषण, नूतन की फिल्म-३
१९. फिल्म 'ईना मीना डीका' में जूही का नाम क्या है-२
२०. मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की 'तेरे बिन मैं कुछ' गीतवाली फिल्म-३
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली फिल्म-२
२२. दिलीपकुमार, निम्मी की 'खेलो रंग हमारे संग' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'ऐ बादल झूम के चल' गीत वाली नवीन निश्चल, आशा की फिल्म-३
२५. सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी, मीनाक्षी की फिल्म-३
२७. 'मैं नाचूँ बिन पायल' गीत वाली ऋतिक, करिश्मा, नेहा की फिल्म-२
२८. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दो परदेसी अनजाने' गीतवाली फिल्म-३
३०. 'अँखियां ये अंखियां' गीत वाली दिलीप कुमार, रेखा की फिल्म-२
३१. दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३३. अमिताभ-जीनत अमान की हिट फिल्म की शहरूख, प्रियंका स्टारर रीमेक-२
३४. 'ये दौलत भी लेलो' गीतवाली कुमार गौरव, अनामिका की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'लगे रहो मुन्ना भाई' में संजयदत्त के साथ नायिका कौन है-२,३
२. सैफ अली खान, काजोल की फिल्म-३
३. 'देखो देखो जानम' गीत वाली फिल्म-२
४. दिलीपकुमार, संजयदत्त, पद्मिनी की 'हाथों की चंद' गीत वाली फिल्म-३
५. अजय देवगन, आयशाटकिया की फिल्म-३
८. 'मेहंदी लाया साजन' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'इश्क पे मत इल्जाम लगाना' गीत वाली ऋषिकपूर, फरहा की फिल्म-३
१४. अजय देवगन अभिषेक, बिपाशा की 'तेरे संग एक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'विक्टोरिया नं. २०३' में प्राण का नाम-२
१६. देवानंद, मधुबाला की 'सावन के महीने में एक' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'रेशम जैसा रंग देखो' गीत वाली गोविंदा, सोनम की फिल्म-२
१८. राजेंद्रकुमार, कामिनी की फिल्म-३
२१. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानवी की फिल्म-२
२२. बॉबी, करिश्मा की 'तुम क्या जानो दिल करता' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'घातक' में सनी का नाम क्या था-२
२४. अजय देवगन, जूही चावला की 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'हम तो दिल से' गीत वाली फिल्म-२
२६. विनोद खन्ना, डिम्पल की फिल्म-३
२९. 'धीमी धीमी सी' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'ओ डार्लिंग ये है इंडिया' में 'मिस इंडिया' कौन बनी है-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6855

उ	म	ग	व	जा	न		आ	गा	ज
मं		हु		न		र	ति		मा
ग	ज	ल		शी	बा		श्र	बा	ना
	मी		अ	न	जा	ना		रू	
स	र	ग	म		र		स	द	मा
हे		द	ला	ल		सु	र		ई
ली	ड	र		ज्वा		ख		खे	ल
	कै		का		सो		आ		व
ग	त	औ	र	दि	न		रे		
खी			वॉ		म	न	प	सं	द

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 मई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	06.29 बजे से
चंद्र	वृष में	कर्क	08.42 बजे से
मंगल	कर्क में	सिंह	10.59 बजे से
बुध	वृष में	कन्या	13.10 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	15.21 बजे से
शुक्र	मीन में	वृश्चिक	17.36 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.52 बजे से
राहु	मीन में	मकर	21.57 बजे से
केतु	कन्या में	कुंभ	23.43 बजे से
राहुकाल		मीन	01.16 बजे से
12.00 से 1.30		मेष	02.47 बजे से
बजे तक		वृष	04.27 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 148 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 01.55 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 00.29 बजे रात्र को समाप्त। **योग** धृति 19.09 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.26 बजे तदनन्तर कौलव 01.55 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 0.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 21° 28' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872358 **जूलियन दिन** 2460823.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्काद **तारीख** 29 **विशेष** चंद्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: उदारता की राह

पंडित मदनमोहन मालवीय का कहना था कि यदि मूक जीवों का कष्ट समझकर हम इंसान उनके हित में कुछ कर सकें तो शायद इससे बढ़कर दूसरा कोई पुण्य नहीं होगा। यह बात उनके आचरण में हमेशा दिखती थी। उनके भीतर प्राणी मात्र के लिए दया थी। इससे जुड़ी एक घटना बड़ी चर्चित है। मालवीय जी किसी जरूरी काम से कहीं पैदल जा रहे थे। रास्ते में उन्हें एक कुत्ता छटपटाता दिखाई दिया। उसके कान के पास एक घाव था और वह पीड़ा के मारे इधर-उधर भाग रहा था। उसकी कराह सुनकर मालवीय जी से रहा नहीं गया। उन्होंने अपना काम निपटाने का विचार छोड़ा और पशु चिकित्सालय दौड़ते हुए गए। वैद्य जी को कुत्ते की तकलीफबताकर दवा मांगी। वैद्य जी ने दवा तो दे दी, मगर बोले, 'मदनमोहन, ऐसे कुत्ते प्रायः पागल हो जाते हैं। छूने पर काट भी लेते हैं। तुम इस खतरे में न पड़ो तो अच्छा है।' किंतु मालवीय जी नहीं माने। वह कष्ट में पड़े किसी प्राणी से मुंह नहीं फेर सकते थे। उन्होंने दवा लेकर एक लंबे बांस में कपड़ा लपेटा और कुत्ते को ढूंढने लगे। कुत्ता एक संकरी गली में बैठा था। मालवीय जी ने पहले कपड़े पर दवा लगाई फिर बांस की सहायता से कुत्ते को दवा लगाना शुरू किया। कुत्ता गुर्राता, दांत निकालता और झपटने की भी कोशिश करता रहा, किंतु मालवीय जी बिना डरे उसे दवा लगाते रहे। जब कुत्ते की पीड़ा कम हुई तो वह सो गया। तब मालवीय जी को शांति मिली और वह अपने कार्य के लिए रवाना हुए।

सूडोकु नवताल- 7165

★★★☆☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7164 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 8380

बाएँ से दाएँ

1.उचित,गलत का विलोम-2
4.अधिकार-2
6.परछाई-2
7.सम्मान,प्रसिद्धि-2
9.उल्टी,कै,वमन-3
12.रंग (अंग्रेजी-3)
14.चंचल,फुर्तीला-3
16.भयभीत होना-4
17.फुर्तीलापन-4
18.बसंत काल-3
20.भ्रम,वहम-3
22.आश्रय,शरण-3
24.राजनीतिक पार्टी-2
26.शारीरिक ऊंचाई-2
27.गन्ना-2
28.शाखा,टहनी-2

ऊपर से नीचे

1.नमस्ते,आदाब-3
2.देह,बदन,तन-2
3.शराब,मदिरा-2
5.डोली उठानेवाले-3
6.पत्नी की छोटी बहन -2
8.वहम,संदेह-2
10.जरुरतमंद-5
11.नाग,सर्प-2
13.आनंदित होना -5
14.भारत से निकलने वाली नदी जो पाकिस्तान में खत्म होती है-3
15.ढीला,सुस्त-3
19.नुकसान,घाटा-2
20.सद्कार्य-3
21.नशा,सरुर,खुमार-2
22.ओहदा -2
23.भवन,कोठी-3
25.क्षण,पल-2
26.कलिका,फूल खिलने से पहले की स्थिति-2

शब्द पहेली -8379 का हल

	क	हा	नी		प	ती	ला	
मा	ला		र		र		वा	दा
म			ब	र	दा	न		ला
ला	य	क		न		म	न	न
		र	मी		रों	की		
सू	र	त		आ		न	ज्ञ	र
री		ब	ह	का	ना			की
ला	ख		टा		ह		र	ब
	र	वा	ना		क	ल	म	

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 624.82 अंक तकरीबन 0.76 फसदी नीचे आकर 81,551.63 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 174.95 अंक करीब 0.70 फीसदी नीचे आकर 24,826.20 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 25 कंपनियों के शेयर गिरावट पर रहे आज सेंसेक्स की 30 में से केवल 5 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ बंद हुए और शेष सभी 25 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं दूसरी ओर आज निफ्टी की 50 में से केवल 10 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए। वहीं अन्य सभी 40 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडसइंड बैंक के शेयर सबसे ज्यादा 2.60 फीसदी जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर 2.21 फीसदी नीचे आये। वहीं सनफार्मा के शेयर 0.42 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.34 फीसदी, नेस्ले इंडिया 0.33 फीसदी और एशियन पेंट्स के शेयर 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए। आईटीसी, टाटा मोटर्स के शेयरों में भी बड़ी गिरावट रही। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस और इन्फोसिस जैसी भारी भरकम शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। सेंसेक्स मंगलवार को 100 अंक से ऊपर की गिरावट लेकर 82,038.20 पर खुला। खुलते ही इसमें बिकवाली हावी हो गई। सुबह शुरुआत के बाद यह 726.90 अंक की गिरावट लेकर 81,449.55 पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,956.65 पर खुला। सुबह शुरुआत के बाद यह 233.80 अंक गिरकर 24,767.35 पर कारोबार कर रहा था। वहीं एशियाई बाजारों में मंगलवार को मिलाजुला रुख रहा। निवेशकों ने यूरोपीय संघ के आयात पर 50 फीसदी टैरिफ टालने के ट्रम्प के फैसले पर विचार किया। जापान का निक्केई 0.15 फीसदी नीचे था। जबकि ब्रोडर टॉपिक्स इंडेक्स स्थिर था। कोस्पी 0.32 फीसदी फिसला। यह सोमवार को तीन महीने के उच्चतम स्तर से नीचे फिसल गया।

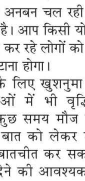

सोने के भाव में नरमी के बाद तेजी, चांदी फिसली

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में नरमी के बीच घरेलू बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत मंगलवार को नरमी के साथ हुई। हालांकि सोने के भाव बाद में सुधर गए, लेकिन चांदी नरमी के साथ ही कारोबार कर रही है। इस समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 96,000 रुपये, जबकि चांदी के भाव 97,900 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। वैश्विक बाजार में सोन चांदी नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने का बेंचमार्क जून कॉन्ट्रेक्ट 337 रुपये की गिरावट के साथ 95,600 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 95,937 रुपये था। हालांकि इस समय यह 108 रुपये की तेजी के साथ 96,045 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई कॉन्ट्रेक्ट 88 रुपये की गिरावट के साथ 97,915 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 98,003 रुपये था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,01,999 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वै ?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। कॉमेक्स पर सोना 3,355.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 3,365.80 डॉलर प्रति औंस था।

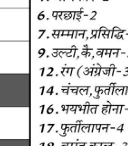

भारत के दुनिया में चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विनिर्माण क्षेत्र को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। भारत की अर्थव्यवस्था ने चार ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार कर लिया है, जो देश के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इससे न केवल देश को वैश्विक आर्थिक मंच पर मजबूती हासिल हुई है, बल्कि इससे आम आदमी को भी कई लाभ मिलेंगे। भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था का विकास एक जटिल और बहुआयामी प्रक्रिया है, जो देश की आर्थिक, सामाजिक, और तकनीकी प्रगति को दर्शाती है। अर्थव्यवस्था का विकास तब होता है जब कोई देश अपने संसाधनों का प्रभावी उपयोग करके उत्पादन, आय, और जीवन की गुणवत्ता में निरंतर और समावेशी सुधार करता है। साल 2000 तक भारत की जीडीपी 0.47 ट्रिलियन डॉलर थी। भारत ने 2007 में 1 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी हासिल की, जो स्वतंत्रता के बाद 6 दशकों में प्राप्त हुआ था। इसके बाद साल 2014 में 2 ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा पार किया था। साल 2021 में भारत 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनी थी। जिसके बाद अब केवल 4 साल में भारत की जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर पार हो गई है। आम आदमी को लाभ- 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ भारत में सर्विस टेक्नोलॉजी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में निवेश और बढ़ेगा। संभावना जताई जा रही है कि मेक इन इंडिया जैसी पहले विनिर्माण क्षेत्र को और मजबूत करेगी। जिससे नौकरियां भी बढ़ेगी और बेरोजगारी की समस्या कम होगी। महंगाई पर लगेगी लगाम ?- रुपये की गिरावट से आम आदमी की चिंता बढ़ी है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत अर्थव्यवस्था से निर्यात बढ़ेगा और आयात की निर्भरता कम होगी। इससे महंगाई पर नियंत्रण पाया जा सकता है। सस्ता इलाज, बेहतर तकनीके- यह भी संभावना जताई जा रही है कि सरकारी अस्पतालों में सरकार के द्वारा सुविधा और बेहतर की जाएगी।

पुलिस अधिकारियों ने नक्सल प्रभावित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की ली बैठक

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी अनुविभागीय पुलिस कार्यालय में 27 मई को दोपहर 2 बजे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्शकांत शुक्ला भापुसे, एसडीओपी लांजी ओमप्रकाश भापुसे के द्वारा नक्सल प्रभावित क्षेत्र के जनप्रतिनिधि गणों की बैठक लेकर आवश्यक चर्चाऐ की गई। बतादे कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रो में नक्सली मुवमेंट यदा कदा बढ़ते दिखाई देता है, ऐसे भी कुछ लोग होते है जो कि नक्सलियों से डरकर या उनके धमकाने पर उनकी मदद करते दिखाई देते है। जिससे नक्सलियों को अपने मुवमेंट में फायदा मिलता है। इन्ही गतिविधियों को रोकने के लिये पुलिस अधिकारियों के द्वारा उक्त बैठक का आयोजन किया गया था। जिसमें नक्सल प्रभावित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को बुलाया जाकर विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। इस संबध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदर्शकांत शुक्ला ने बताया कि पिछले कुछ समय से हमारे संज्ञान में आया है कि ग्रामीणों में भय का माहौल है उनको ऐसी भ्रामक खबरे फैलाई गई की पुलिस ग्रामीणों पर कार्यवाही कर रही है। कुछ जाली सूची भी सर्कुलेट की गई है तो उनका यह भ्रम दुर करने के लिये तथा उनमें विश्वास बना रहे जिसके तहत सभी सरपंचों की बैठक बुलाई गई थी। उनको हमने यह बताया कि पुलिस किसी निर्दोष के खिलाफ कोई भी एक्शन या कार्यवाही नही कर रही है। किसी को बिना वजह डरने की आवश्यकता नही है। यह भी कहा गया कि किसी प्रकार से नक्सलियों की सहायता ना करे, पुलिस की मदद करें। जो भी पुलिस की मदद करेगा पुलिस पुरी तरह से उनका सहयोग करेंगी। इसके अलावा जो नक्सली है उनके लिये सरेंडर पॉलिसी बनाई गई है वे किसी के भी संपर्क में आकर सरेंडर करते है तो उन्हे पॉलिसी का लाभ मिलेगा। किसी प्रकार के भय का माहौल ना रहे इस हेतु यह संपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

भक्ति भाव के साथ मनाया गया न्याय के देवता शनिदेव का जन्मोत्सव

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के पुराना श्रीराम मंदिर के समीप स्थापित भगवान शनि मंदिर में भक्तो के द्वारा भक्ति भाव के साथ शनि देव जन्मोत्सव मनाया गया। प्रतिवर्ष ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को शनि जन्मोत्सव का पर्व मनाया जाता है। हिंदू धर्म में ज्येष्ठ मास की अमावस्या का दिन अत्यंत विशेष होता है, क्योंकि इसी दिन भगवान शनि देव का प्राकट्य हुआ था। जिसके तहत मंदिर परिसर में शनि जन्मोत्सव आयोजित किया गया। प्रातः बेला में भगवान शनिदेव का अभिषेक कर, हवन क्रिया के साथ स्तुति की गई, वही संध्या काल में महाप्रसादी का वितरण किया गया। संध्या में सुमधुर भजनो के साथ जागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त जागरण का भक्तो के द्वारा भरपूर आनंद प्राप्त किया गया। कार्यक्रम में पूजन अर्चन महंत लक्ष्मीनारायण दास वैष्णव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में

भण्डारा महाप्रसादी के साथ शनि देव जन्मोत्सव कार्यक्रम संपन्न कराया गया। महंत श्री वैष्णव के ने कहा कि शनि देव नौ ग्रहो में दण्डाधिकारी माने जाते है यह न्याय के देवता है इनकी कृपा सब पर बनी रहे इन्ही आशय के साथ उक्त पूजन अर्चन कार्य संपन्न कराया गया।

कार्यक्रम को सम्पन्न कराने में रामचरण सेवा समिति एवं शनि मंदिर के अध्यक्ष महंत लक्ष्मीनारायण वैष्णव, उपाध्यक्ष सीताराम रामटेक्कर, शनिदेव सेवा समिति से दीपक श्रीवास, पीयुष यादव, गजेन्द्र रणदिवे, गोनू भण्डारकर, राजा भण्डारकर, किशोर रामटेक्कर, राजेश रणदिवे, राकेश रामटेक्कर, जितेन्द्र कुमरे अनुराग कौशिक, बंटी मात्रे, प्रतीक राउत, अंशुल सातपुते, मनीष अतकरे, संदीप वाकले, शिवम गोदुले, छोटू दुरूगकर, राजू रामटेक्कर, दिनेश लाडे, लालू अग्रवाल, सुभाष कबीरे, मनीष बड़में पंकज टेंभरे, आर्यन सोनवाने, कृष्णा चौरवाडे, डालेश वाकले, जतिन खरगाल मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बड़ा तालाब बिसोनी का जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कराया जाए सफाई व गहरीकरण कार्य

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी अन्तर्गत ग्राम पंचायत बिसोनी के उपसरपंच पवन कश्यप के द्वारा बिसोनी स्थित बड़ा तालाब के सफाई एवं गहरीकरण करने हेतु एसडीएम लांजी एवं सिंचाई विभाग एसडीओ अनुमति मांगी गई है। इस संबध में ज्ञापन में लेख है कि शासन द्वारा 30 मार्च से 30 जून तक क्रियांवित जल गंगा संवर्धन अभियान में विभिन्न गतिविधियों का क्रियान्वयन जारी है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी जल संरचनाओ जैसे नदी, तालाब, कुऐं, घाट, बावड़ी एवं अन्य जल स्त्रोतों को अविरल बनाए रखते हुए इनका संरक्षण एवं संवर्धन किया जाना है। जिससे भविष्य में जल आपूर्ति की समस्या उत्पन्न ना हो। जिसके चलते जिले की जनपद पंचायत लांजी की ग्राम पंचायत बिसोनी के उपसरपंच पवन कश्यप द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत बिसोनी के बड़ा तालाब की सफाई व गहरीकरण करने हेतु लांजी एसडीएम कमलसिंह सिंहसार से अनुमति मांगी है।

उपसरपंच पवन कश्यप ने बताया कि सरकार द्वारा चलाये जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्धेश्य यह है कि जल संशाधनों को सुरक्षित रखने और स्वच्छ जल की उपलब्धता सुरक्षित करना प्रथम कर्तव्य है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत बिसोनी के बड़ा तालाब जो कि सिंचाई विभाग के अन्तर्गत आता है, जो कि कई वर्षों पूराना तालाब है और यह तालाब कि वर्षों से सफाई व गहरीकरण नहीं किया गया है जिसे वर्तमान में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जन अभियान परिषद से गैर व्यवसायिक हेतु तालाब की मिट्टी एवं गाद जेसीबी मशीन से निकालने तथा किसानों को खेती-बाड़ी में तालाब की मिट्टी खोदाई कर ले जाने की अनुमति दी जाये। उन्होने बताया कि बड़ा तालाब की सफाई होने से ग्रामीणों को काफी सहूलियत मिलेगी क्योंकि बड़ा तालाब में सभी धार्मिक कार्य किये जाते है। वहीं इस संबंध में ग्राम पंचायत बिसानी द्वारा भी जल संसाधन विभाग की एसडीओ रितुल नखाते को प्रोसिडिंग और ग्राम पंचायत का पत्र देकर तालाब के गहरीकरण व सफाई करवाने की मांग की गई है।

माता पिता की स्मृति में लगाया आर ओ वाटर कूलर का हुआ लोकार्पण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर में वर्तमान में बस स्टैण्ड या किसी भी सार्वजनिक परिसर में लोगो की सुविधा हेतु आर ओ वाटर कुलर या प्याऊ आदि नही लगाया गया था जिसको देखते हुये नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी माँ एग्रो इण्डस्ट्रीज के संचालक राजेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अंकित अग्रवाल, शिवांश अग्रवाल सहित परिवार के द्वारा पिता स्व. झींगरलाल अग्रवाल एवं माता श्रीमती स्व. कमलादेवी अग्रवाल की स्मृति में नगर को शुद्ध पेयजल प्रदान करने हेतु आर ओ वाटर कुलर प्रदान किया गया है। जो कि सिविल अस्पताला लांजी के सामने स्थापित किया गया है। जिसका लोकार्पण 27 मई को प्रातः 11 बजे विधिवत पूजन अर्चन कर नगर के परिषद पदाधिकारियों, गणमान्य नागरिक गण एवं अग्रवाल परिवार के सभी सदस्यों की उपस्थिती में किया गया। उक्त आर ओ वाटर लगाने हेतु प्रेरणा विधायक राजकुमार कर्राहे एवं नगर परिषद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बी एल लिल्हारे के द्वारा प्रदान की गई थी। इस संबंध में सीएमओ बी एल लिल्हारे ने कहा कि मेरे द्वारा राजेश अग्रवाल जो कि माँ एग्रो इण्डस्ट्रीज के संचालक है आपके सभी भाईयों एवं पुत्र का बड़ा सरोकार है धार्मिक एवं सामाजिक कार्यो में बेहतर

सहयोग करते है। इसी वर्ष मा. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है जिसके अन्तर्गत नगर में शुद्ध पेयजल लगाया जाना था जिसको लेकर मेरे द्वारा अग्रवाल जी से निवेदन किया गया , मेरे निवेदन को इन्होने स्वीकारा तथा आज 27 मई को इस पर अमलीजामा पहनाया गया है । इस कार्य में विधायक राजकुमार कर्राहे जी का भी संपूर्ण यहयोग प्राप्त हुआ। साथ ही डॉ अक्षय उपराड़े बीएमओ लांजी का भी पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। अग्रवाल दंपत्तियों का मैं नगर परिषद लांजी की ओर से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। जिन्होने इस पुनित कार्य को करने में अपनी भूमिका निभाई। वहीं इस विषय पर राजेश अग्रवाल ने कहा कि प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुनित कार्य है मै ओर मेरा संपूर्ण परिवार सौभाग्यशाली है यह कार्य मुझे करने मिला है। नगर में शुद्ध पेयजल हेतु आर ओ वाटर कुलर की आवश्यकता थी, मेरा मानना है कि इसका भरपूर लाभ नगर वासियों को, आने जाने वाले राहगिरों को प्राप्त होगा। उक्त संबध में प्रेरणा प्रदान करने के लिये मैं विधायक राजकुमार कर्राहे एवं सीएमओ बी एल लिल्हारे जी को धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। साथ ही परिषद के पदाधिकारी गण, उपस्थितगणों का भी आभार व्यक्त करता हूँ। इस शुद्ध आर ओ वाटर कुलर का क्षेत्रवासी लाभ ले ऐसी कामना करता हूँ। इस दौरान राजेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अंकित अग्रवाल सहित संपूर्ण अग्रवाल परिवार, सीएमओ बीएल लिल्हारे, महेन्द्र कर्राहे, विक्की तिडके सज्जू मिश्रा, पवन कश्यप, पार्षदगण सौरभ मोनू पशीने, मुकेश रणदिवे, किशोर रामटेक्कर, कस्तुरा वाकड़े, समाजसेवी अशोक पालीवाल, कैलाश गोस्वामी, शरद आसटकर, उपयंत्री अमित नगपूरे, संतोष भार्गव, वंदना भार्गव सहित नगर परिषद लांजी के अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

जीपीएफ, डीपीएफ के लिए नहीं काटने होंगे कोषालयों के चक्कर

भोपाल। प्रदेश में अब जीपीएफ और डीपीएफ के अंतिम भुगतान में संबंधितों को कोषालयों के चक्कर नहीं काटने होंगे। अब यह प्रक्रिया ऑनलाइन ही होगी। आयुक्त कोष एवं लेखा भास्कर लक्क्षकार के निर्देश प समस्त कार्यालय प्रमुख, आहरण संवितरण अधिकारियों को ई-जीपीएफ/ई-डीपीएफ अंतिम भुगतान प्राधिकारी पत्र एवं भुगतान की ऑनलाईन प्रक्रिया के बारे विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। ऑनलाईन प्रक्रिया से सेवानिवृत्त होने वाले सभी शासकीय सेवकों को सेवानिवृत्त होने के पश्चात मिलने वाले स्वत्वों जीपीएफ डीपीएफ के भुगतान के लिए कार्यालयों के चक्कर नही लगाने पड़ेगे और उनके समस्त स्वत्वों के भुगतान समय-सीमा में हो जायेगे।

विभागीय भविष्य निधि श्रेणी के समस्त शासकीय सेवकों के विभागीय भविष्य निधि खातों का संधारण संचालनालय पेंशन, भविष्य निधि एवं बीमा द्वारा किया जाएगा। संचालनालय पेंशन, भविष्य निधि एवं बीमा द्वारा संबंधित शासकीय सेवकों की विभागीय भविष्य निधि पर्ची प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में जारी की जाएगी। विभागीय भविष्य निधि खातों के अंतिम भुगतान हेतु शासकीय सेवक द्वारा सेवानिवृत्ति से चार माह पूर्व भुगतान हेतु आवेदन दिया जावेगा। यह आवेदन स्वयं के लॉगिन से या विशेष परिस्थिति में आहरण एवं संवितरण अधिकारी कार्यालय द्वारा 'ऑन बिहाफ' सुविधा का उपयोग करते हुये किया जा सकेगा।

आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा समग्र आईडी से सत्यापन एवं आधार से लिंक किये जाने के लिए वेतन माह मई-2025 पेड इन जून-2025 के लिए समस्त कार्यालयों को 90 प्रतिशत तथा वेतन माह जून-2025 पेड इन जुलाई-2025 के लिए 100 प्रतिशत (शत-प्रतिशत) लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वेतन देयक के साथ आयुक्त कोष एवं लेखा द्वारा दिये गये निर्देशानुसार निर्धारित प्रमाण पत्र अपलोड किये जाने के संबंध में अवगत कराया गया।

समय-सीमा में होगा भुगतान

डीडीओ द्वारा विभागीय भविष्य निधि फाइनल विथड्रावल रिक्वेस्ट अप्रूव करने के पश्चात भुगतान संबंधी आवेदन संचालनालय पेंशन भविष्य निधि एवं बीमा को प्रेषित की जाएगी। संचालनालय पेंशन, भविष्य निधि एवं बीमा द्वारा उक्त परीक्षण उपरांत अनुमोदिन की जाएगी एवं रिक्वेस्ट एप्रूवल उपरांत संचालनालय पेंशन एवं भविष्य निधि एवं बीमा के डीडीओ द्वारा ही अंतिम भुगतान किया जाएगा। प्रशिक्षण के साथ ही वरिष्ठ कोषालय अधिकारी द्वारा समस्त कार्यालय प्रमुख, आहरण संवितरण अधिकारियों को फेल पेमेंट की राशि का भुगतान, व्यपगत करने एवं एनपीएस मिसिंग क्रेडिट के देयक पारित किये जाने हेतु कोषालय में प्रस्तुत करने के लिए निश्चित समय-सीमा निर्धारित की गयी है।

मप्र में होगी आर्थिक गणना

- मोहन यादव सरकार ने तैयारियां की शुरू

भोपाल। देश की अर्थव्यवस्था में 2 ट्रिलियन डॉलर का योगदान देने के लिए मप्र की मोहन सरकार ने प्रदेश में आठवीं आर्थिक गणना 2025-26 की योजना बनाना शुरू कर दिया है। इसके जरिए मध्य प्रदेश शासन जमीनी स्तर से आर्थिक डेटा को जुटाएगी, ताकि इसकी मदद से विभिन्न योजनाएं तैयार की जा सकें और लोगों के सामाजिक स्तर को ऊंचा उठाने के साथ प्रदेश को आर्थिक रूप से मजबूत किया जा सके। राज्य शासन ने आठवीं आर्थिक गणना के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित कर दी है। यह कमेटी आर्थिक गणना के संचालन की तैयारियों और इसमें आने वाली प्रशासनिक और तकनीकी समस्याओं की लगातार समीक्षा करेगी और उनका समाधान करेगी। मध्य प्रदेश सरकार भी प्रदेश का 8वां सेंसस उत्तर प्रदेश की तर्ज पर डिजिटल कराए जाने की तैयारी कर रही है। इसके लिए ऑनलाइन एप्लीकेशन तैयार कराने जा रही है। इस एप्लीकेशन के जरिए ज्यादा बेहतर जमीनी स्तर से डाटा आ सकेंगे। उत्तर प्रदेश सरकार ने आर्थिक गणना डिजिटल कराए जाने का निर्णय लिया है। इसके लिए वेब बेस्ड मोबाइल एप्लीकेशन तैयार किया है और इसके जरिए डाटा जुटाए जाएंगे। राज्य सरकार इसके लिए मल्टी मेयर मॉनिटरिंग सिस्टम तैयार कर रहा है।

मॉनिटरिंग के लिए कमेटी गठित

इकॉनोमिक सेंसस के लिए राज्य सरकार ने मुख्य सचिव या मुख्य सचिव द्वारा नामित अधिकारी की अध्यक्षता में स्टेट लेवर कोऑर्डिनेशन कमेटी तैयार की है। इसमें एमएसएमई, श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, नगरीय विकास एवं आवास, राजस्व, महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के प्रतिनिधि, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी के अपर मुख्य सचिव, आयुक्त को राज्य नोडल अधिकारी बनाया गया है।

इकॉनोमिक्स सेंसस के लिए गठित की गई कमेटी इसकी तैयारियों और इसमें होने वाले कामों की निगरानी रखेगी।

अब शिक्षकों के ट्रांसफर भी सीएम मॉनिट से

भोपाल। मप्र में यह पहला मौका है, जब दो दर्जन से अधिक शिक्षकों के तबादले सीएम मॉनिट में किए गए हैं। इससे लगता है कि मंत्रियों को शिक्षकों के ट्रांसफर करने का भी अधिकार नहीं है अथवा ये ट्रांसफर मंत्री स्तर से भी हो सकते थे, पर मंत्री गायब हैं? यानि सीएम सचिवालय अब अफसरों की जगह शिक्षकों के भी तबादले करने लगा है? मुख्यमंत्री समन्वय में आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, अपर कलेक्टर, एएसपी, डीएसपी आदि अधिकारियों के ही ट्रांसफर, प्रमोशन किए जाते रहे हैं, लेकिन अब सीएम मॉनिट से भी शिक्षक स्तर के कर्मचारियों के तबादले होना सवाल खड़े कर रहा है। जनजातीय कार्य विभाग में पदस्थ करीब दो दर्जन शिक्षकों के ट्रांसफर विभाग द्वारा सीएम मॉनिट से करने के आदेश

जारी किए गए हैं। इनमें भावना खरे प्राथमिक शिक्षक बैतूल ढाना से पीथमपुर, निशा यादव माध्यमिक शिक्षक रानापुर से जिला संयोजक जनजातीय कार्य शिवपुरी, दीपक निगम प्राचार्य बरतरा शहडोल से सहायक संचालक कार्यालय सीधी, वर्षा गर्गे उच्च श्रेणी शिक्षक कन्या

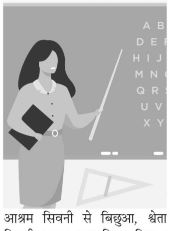

आश्रम सिवनी से बिछुआ, श्वेता तिवारी उच्च माध्यमिक शिक्षक अनूपपुर से राजनगर, सिद्धि माहेश्वरी प्राथमिक शिक्षक रोजडका से सारसवात राणापुर पदस्थ किया है।

इनके भी सीएस मॉनिट में ट्रांसफर

जनजातीय कार्य विभाग के प्रमुख सचिव गुलशन बामरा के हस्ताक्षर से जारी आदेश में शिक्षक सतवंत सिंह ठाकुर, लाल सिंह जांघेला, पूजा शर्मा, चेतना शाक्य, ज्योति धाकड़, धीरेंद्र कुमार बेडिया, मुदित भार्गव, चित्तोड़ सिंह कुशराम, संतलाल मर्सकोले, चंद्रभान सिंह, रतन सिंह गढवाल, राघवेंद्र राजे चौहान तथा संजय कुमार पाटीदार आदि के तबादले सीएम मॉनिट से किए गए हैं।

मंत्री शाह के अधिकार छीने!

सीएम मॉनिट से किए गए शिक्षकों के तबादलों से लगता है कि जनजातीय कार्य मंत्री कुंवर विजय शाह के अधिकार छीन लिए गए हैं? अथवा कर्नल सोफिया के विरुद्ध दिए गए विवादित बयान के वजह से मंत्री शाह अंडरग्राउंड है, जिसके कारण भी यह ट्रांसफर किए गए है, लेकिन इन तबादलों ने मंत्रियों को दिए गए अधिकार की पोल पट्टी खोलकर रख

दी है। क्योंकि सीएम स्तर से बड़े अफसरों के ही तबादले किए जाते हैं और छोटे स्तर के कर्मचारियों के तबादले करने का अधिकार सरकार ने मंत्रियों को दे रखा है। इसके लिए 1 से 30 मई तक तबादलों से बैन हटाया गया है और 30 मई में तीन दिन ही शेष हैं।

पीएम मोदी करेंगे दतिया और सतना एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 मई को प्रदेश के दो प्रमुख तीर्थ स्थलों दतिया और सतना को हवाई उड़ान की ऐतिहासिक सौगात देंगे। प्रधानमंत्री भोपाल से वर्चुअली दतिया और सतना में नव निर्मित एयरपोर्ट्स का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी लोकार्पण कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रारंभ से ही प्रदेश के प्रमुख शहरों को हवाई सुविधा से जोडने में जुटे हुये हैं। दतिया और सतना शहर धार्मिक, औद्योगिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यहां एयरपोर्ट्स की सुविधा आ जाने से तीर्थ यात्रियों को दतिया की मां पीतांबरा पीठ, सतना की मैहर वाली मां शारदा और श्रीराम के वनवास के साक्षी चित्रकूट धाम पहुंचने के लिए हवाई यात्रा की सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। इस सुविधा से तीर्थ यात्रा सुगम हो जाएगी, साथ ही दोनों क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास को गति मिलेगी।

प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां पीतांबरा की नगरी दतिया अब हवाई सेवा से देश से और भी बेहतर रूप से जुड़ सकेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के एयपरपोर्ट लोकार्पण के बाद 60 करोड़ रुपये की लागत से नव निर्मित 124 एकड़ में फैले एयरपोर्ट पर प्रारंभिक चरण में 19 सीटर एयरक्राफ्ट उतर सकेंगे। नया एयरपोर्ट पर 1.81 किलोमीटर लंबा और 30 मीटर चौड़ा रनवे बनाया गया है। एयरपोर्ट की पार्किंग में लगभग 50 कारों की पार्किंग व्यवस्था है। यात्रियों की सुविधा के लिए एयरपोर्ट पर दो चेक-इन काउंटर बनाए गए हैं। यह एयरपोर्ट एटीआर 72 विमानों की क्षमता वाला है। यहां फ्लाई बिग एयरलाइन्स की उड़ानें सप्ताह में चार दिन संचालित होंगी। यह एयरपोर्ट दतिया वासियों के साथ-साथ देशभर से मां पीतांबरा के दर्शन हेतु आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यात्रा का एक सुविधाजनक साधन बनेगा, जिससे धार्मिक पर्यटन को नई गति मिलेगी।

सतना एयरपोर्ट से विन्ध्य को मिलेगी नई पहचान

विन्ध्य क्षेत्र की औद्योगिक राजधानी सतना में भी नये एयरपोर्ट का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। 37 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह एयरपोर्ट पूर्व निर्मित हवाई पट्टी का पुनर्निर्माण कर आधुनिक स्वरूप में विकसित किया गया है। भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण ने निर्माण कार्य को रिकॉर्ड समय में 31 अक्टूबर 2024 को पूर्ण कर लिया था और डीजीसीए द्वारा 20 दिसंबर 2024 को लाइसेंस जारी कर दिया गया। इस एयरपोर्ट पर 12 सौ मीटर लंबा रनवे, 750 वर्गमीटर में निर्मित टर्मिनल बिल्डिंग, और एक समय में दो एयरक्राफ्ट पार्किंग की व्यवस्था है। यह एयरपोर्ट अब 19 सीटर विमानों के संचालन के लिए पूरी तरह तैयार है। एयरपोर्ट में सभी आधुनिक सुविधाएं - एटीसी टावर, फायर स्टेशन, वीआईपी लाउंज, दिव्यांग और बच्चों के लिए विशेष सुविधाएं, ट्रांसफार्मर, डीजी सेट, एम्बुलेंस और सुरक्षा व्यवस्थाएं - छोटे स्वरूप में उपलब्ध कराई गई हैं। यह एयरपोर्ट सतना ही नहीं, बल्कि पूरे विन्ध्य क्षेत्र के उद्योग, पर्यटन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देगा और क्षेत्रीय संपर्क को सुदृढ़ बनाएगा। सतना के एयरपोर्ट के प्रारंभ होने से देश और दुनिया में प्रसिद्ध मैहर की शारदा देवी, भगवान श्री राम की वनस्थली चित्रकूट और ज्ञान के तीर्थ के रूप में विकसित नानाजी देशमुख ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट आने वालों के लिए बड़ी सुविधा मिल जाएगी।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

सरकारी विभागों के अध्यक्षों के वित्तीय अधिकार बढ़ें

टाइपराइटर जैसे पुराने पद हटाए गए

भोपाल। मप्र सरकार ने विभागों के विभागाध्यक्षों के वित्तीय अधिकार बढ़ा दिए हैं। इसके लिए वित्तीय अधिकारों के प्रत्यायोजन 2025 को मंजूरी दी गई है। अब अधिकारी तेजी से निर्णय ले सकेंगे और बजट का सही समय पर उपयोग हो सकेगा। पुराने नियम 2012 के थे, अब 13 साल बाद इन्हें बदला गया है। प्रदेश सरकार की मंगलवार को कैबिनेट बैठक हुई। बैठक में समय के साथ सरकारी कामों को आसान बनाने पर फोकस रहा है। टाइपराइटर जैसे पुराने पद हटाए गए हैं और कंप्यूटर ऑपरेटर जैसे नए पदों के लिए पद सृजन की मंजूरी दी गई है। इससे सरकार के अंदर भी ईज ऑफ डूइंग (काम करने में आसानी) का माहौल बनेगा।

कैबिनेट की जानकारी देते हुए नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि मुख्यमंत्री ने बैठक में प्रधानमंत्री मोदी के दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। बैठक में कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने, किसानों की आमदनी बढ़ाने और निवेश को आकर्षित करने पर चर्चा हुई। नरसिंहपुर में हाल ही में हुए कृषि समागम में निवेश से जुड़े कई प्रस्ताव आए हैं। किसानों के लिए कृषि लाभकारी धंधा बने, इसके लिए राज्य और केंद्र सरकार दोनों ही काम कर रही हैं।

80 प्रतिशत मेडिकल एडवांस दे सकेंगे विभाग

मोहन कैबिनेट ने तय किया है कि आने वाले समय में विभाग के कर्मचारियों को 80 प्रतिशत मेडिकल एडवांस देने का अधिकार विभाग को होगा। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग की अनुमति, परामर्श की आवश्यकता नहीं होगी। वहीं वित्त विभाग को लिपिकीय त्रुटियों को सुधारने और भावी आवश्यकताओं के अनुसार संशोधन करने की अनुमति दी गई है। वित्त विभाग को हिन्दी अनुवाद जारी करने की भी अनुमति दी गई है।

निवेश और पर्यटन पर विशेष ध्यान

विजयवर्गीय ने बताया कि प्रधानमंत्री ने सभी राज्यों से विजन डॉक्यूमेंट 2047 तैयार करने को कहा है, जिससे भारत को विश्व की बड़ी ताकत बनाया जा सके। एमपी में निवेश लाने के लिए निवेश अनुकूल चार्टर बनाने के निर्देश भी दिए गए हैं। साथ ही, एक ऐसा पर्यटन स्थल विकसित करने पर जोर है जो अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करे।

बैठक में नहीं आए विजय शाह

कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित टिप्पणी करने के बाद प्रदेश के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह लगातार दूसरी कैबिनेट बैठक में नहीं पहुंचे। इसके पहले 20 मई को इंदौर के राजवाड़ा में हुई कैबिनेट मीटिंग में भी शाह नहीं पहुंचे थे। शाह के विवादित बयान के मामले में कल सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई है। इसलिए माना जा रहा है कि कोर्ट का फैसला आने तक शाह को कैबिनेट बैठक से दूर रखा गया है।

मंत्री विजय शाह मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

-एसआईटी सुप्रीम कोर्ट में पेश करेगी रिपोर्ट

भोपाल। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देकर सुर्खियों में आए मप्र के जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह मामले में एसआईटी टीम की जांच पूरी हो गई है। जांच दल ने इंदौर के मानपुर जाकर जांच की। विजय शाह के भाषण के दौरान वहां मौजूद प्रमुख लोगों के बयान लिए गए हैं। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में एसआईटी अपनी रिपोर्ट पेश करेगी।

दरअसल, मंत्री विजय शाह ने 12 मई को इंदौर के महू के रायकुंडा गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में कर्नल सोफिया कुरैशी पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तानियों ने हमारे देश के लोगों के कपड़े उतारे, लेकिन हमने उनकी समाज की बहन (कर्नल सोफिया कुरैशी) को भेजकर उनकी ऐसी तैसी करवा दी। मंत्री विजय के इस बयान के बाद मप्र से लेकर पूरे देश में कोहराम मच गया। हाईकोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए विजय शाह पर 4 घंटे में एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। हाईकार्ट के निर्देश पर इंदौर के महू के मानपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता की तीन गंभीर धाराओं 152, 196(1)(बी) और 197(1)(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया। इसके बाद मंत्री ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने भी फटकार लगाई। 19 मई को सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार ने आईपीएस आईजी सागर प्रमोद वर्मा, डीआईजी विशेष सशस्त्र बल कल्याण चक्रवर्ती और एसपी डिंडोरी वाहिनी सिंह की टीम बनाई। एसआईटी टीम अपनी जांच रिपोर्ट 28 मई को पेश करेगी।

सोसाइटी के प्लॉट को खुद का बताकर लाखो की ठगी करने वाले आरोपियो को 3-3 साल की जेल

भोपाल। देहात क्षेत्र के बागसेवनिया थाना इलाके में साल 2013 में गुलाबी नगर हाउसिंग सोसाइटी के प्लॉट को अपना बताकर सात लाख रुपए ठगने वाले दो आरोपियों को कोर्ट ने सुनवाई पूरी होने के बाद दोषी करार देते हुए 3-3 साल के कठोर सश्रम कारावास सहित 10-10 हजार रुपए के जुर्माने की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। यह निर्णय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी राहुल सिंह यादव की कोर्ट ने दिया है। प्रकरण में शासन की ओर से सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी नीरज भार्गव ने पैरवी की। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी देवेंद्र स्वरूप भटनागर और अवधेश सिंह सिसौदिया ने साजिश रचते हुए गुलाबी नगर हाउसिंग सोसाइटी स्थित प्लॉट नंबर 23 को अपना बताकर दिखाया और रसीद देने के बाद फरियादी प्रेम सिंह और आरके गोयल से 7-7 लाख रुपए नकद लेने के बाद प्लॉट नंबर 22 आवंटित कर दिया। आरोपियो ने रकम लेने के बाद एक माह में प्लॉट की रजिस्ट्री कराने की बात कही थी, लेकिन तय समय निकलने के बाद भी आरोपी रजिस्ट्री कराने में टालमटोल करते रहे। और बाद में दोनों फरार हो गए। फरियादियों ने जब अपने स्तर पर छानबीन की तो पता चला कि प्लॉट नंबर 22 और 23 दोनो ही किसी भी आरोपी के नाम पर नहीं हैं। इसके बाद पीड़ितो ने थाना बागसेवनिया पुलिस से लिखित शिकायत की थी। पुलिस जॉच में पता चला की आरोपी पहले भी इसी तरह की धोखाधड़ी की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। शिकायत की जॉच के आधार पर बागसेवनिया पुलिस ने साल 2013 में धारा 420 सहपठित धारा 34 भादंवि के तहत मामला दर्ज किया था। बाद में पुलिस ने विवेचना पूरी कर चालान कोर्ट में पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन द्वारा प्रस्तुत तर्क, साक्ष्य और दस्तावेजों से संतुष्ट होकर अदालत ने देवेंद्र स्वरूप भटनागर एवं अवधेश सिंह सिसौदिया को दोषी करार देते हुए 3-3 साल के कठोर सश्रम कारावास एवं 10-10 हजार रुपए के जुर्माने से दंडित किये जाने का फैसला सुनाया है।

यूथ कांग्रेस के चुनाव के लिए उम्मीदवारों के फाइनल लिस्ट में घमासान

भोपाल। मध्य प्रदेश यूथ कांग्रेस नें कई सालों बाद चुनाव करने का निर्णय लिया है। जिसकी प्रक्रिया चल रही है। फेयर उम्मीदवारों को लेकर कर घमासान मचा हुआ। जिस वजह से फाइनल उम्मीदवारों की लिस्ट जारी नहीं हो पा रही है। दरअसल चुनाव से पहले निर्देश जारी हुए थे कि अपराधिक प्रकरण दर्ज होने पर कोई कार्यकर्ता उम्मीदवार नहीं बन पाएगा। साथ ही एज लिमिट भी रखी गई थी। ऐसो लोगों की ऑनलाइन शिकायत का भी प्रावधान रखा गया था। अब उम्मीदवारों की शिकायतों का अंबार लग गया है। 11 मई तक उम्मीदवारों की फाइनल लिस्ट जारी होनी थी, लेकिन नॉमिनेशन फॉर्म की स्क्रूटनी में उम्मीदवारों के फाइनल नाम तय करने में कमेटी के पसीने छूट रहे हैं। जानकारी के अनुसार इतनी शिकायतें पहुंच गई हैं कि कमेटी को शिकायत का पोर्टल बंद करना पड़ गया है। जबकि शिकायत के लिए एक हजार की फीस भी रखी गई है।

जिला अध्यक्ष 70 प्रतिशत उम्मीदवारों की शिकायत

कांग्रेस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यूथ कांग्रेस में जिला अध्यक्षों के लिए जिन लोगों ने अपना नामांकन भरा है। उनमें से 70 प्रतिशत लोगों की शिकायत कमेटी के पास पहुंची है। अब ऐसे में उम्मीदवार तय कर पाना कमेटी के लिए बहुत ही चुनौती पूर्ण काम लग रहा ह। हालाकि कमेटी का कहना है कि जल्द ही फाइनल उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी जाएगी।

100 ज्यादा ब्लॉकों से नहीं आए एक भी नामांकन

जानकारी के अनुसार ब्लॉक अध्यक्षों के लिए प्रदेश के 1100 ब्लॉक में से करीब 100 से ज्यादा ब्लॉकों से एक भी नामांकन नहीं आए हैं। वहीं करीब 700 ब्लॉकों से सिंगल आवेदन आए हैं। ऐसे में पार्टी को एक और बार आवेदन करने की छूट देनी पड़ सकती है। या सिंगल नाम वाले ब्लॉकों में बगैर चुनाव कराए ही उम्मीदवारों की घोषणा करनी पड़ेगी। जिन ब्लॉकों से नाम नहीं आए हैं वहां दोबारा से आवेदन कराना ही पड़ेगा अन्यथा सीटें खाली रह जाएंगी।

चुनाव के लिए जारी कार्यक्रम का विवरण

अप्रैल माह में यूथ कांग्रेस ने चुनाव प्रक्रिया की समय सारणी जारी किया था जिसके अनुसार 19 अप्रैल से 25 अप्रैल तक कोऑर्डिनेटर जिलों का दौरा करेंगे। नॉमिनेशन 27 अप्रैल से 6 मई तक चलेंगे। दावे आपत्तियों और सुनवाई 28 अप्रैल से 7 मई तक होगी। वहीं, नॉमिनेशन फॉर्म्स की स्क्रूटनी 7 मई से 9 मई तक की जाएगी। यूथ कांग्रेस चुनाव को लेकर 11 मई तक सभी फाइनल कैंडिडेट किए जाएंगे। वहीं, कुछ जिलों में एससी और एसटी वर्ग के लिए आरक्षित किया गया है। एससी/ एसटी के लिये आरक्षित जिलों में सागर, देवास, जबलपुर (शहर)पांढुर्ना, गुना, बुरहानपुर और सतना का नाम है।

उम्मीदवारों पर सबसे ज्यादा क्रिमिनल केस की शिकायत

उम्मीदवारों की सबसे ज्यादा क्रिमिनल केस की शिकायतें आई हैं। चुनाव प्रक्रिया के लिए बनाएगी कमेटी लगातार उम्मीदवारों की जांच कर रही है। कमेटी के लोगों को विधिक जानकारी नहीं होने की वजह से इसका सत्यापन कर पाना बहुत ही मुश्किल हो रहा है। साथ ही कांग्रेस सत्ता से भी बाहर है इसलिए सरकारी तंत्र का भी सहयोग नहीं ले सकते।

दो तीन दिन में लिस्ट जारी करने का दावा

प्रदेश रिटर्निंग ऑफीसर (पीआरओ) मुकुल गुप्ता ने बताया कि हम आपराधिक प्रकरणों की जांच कर रहे हैं। जैसी ही जांच पूरी होगी दो-तीन दिन में हम उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर देंगे। गुप्ता ने बताया कि जहां से एक भी नाम नहीं आए हैं वहां चुनाव होने के बाद युवाओं की तलाश की जाएगी।

इनकी वजह से कलेक्टर कार्यालय बदनाम, ऐसे पटवारी को रहने नहीं दूंगा

भोपाल। भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने एक बार फिर पटवारियों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा कि पटवारियों के कारण कलेक्टर कार्यालय बदनाम है। सांसद ने इससे पहले भी प्रभारी मंत्री से इसकी शिकायत कर चुके हैं। आलोक शर्मा ने कहा कि कई पटवारी सालों से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं, लगातार इनके खिलाफ शिकायतें भी मिल रही है।

भोपाल सांसद ने कहा कि कई पटवारी तो ऐसे हैं, जो पांच बजे के बाद अपने घर में ऑफिस खोल लेते हैं। उन्होंने कहा कि चार पांच से एक स्थान पर जमे पटवारियों का ट्रांसफर किया जाए। अभी ट्रांसफर का काम चल रहा है। 20 प्रतिशत ट्रांसफर होंगे, लेकिन मेरे संसदीय क्षेत्र में ऐसे पटवारी को नहीं रहने दूंगा।

नियमानुसार, पटवारी का हल्का हर तीन साल में बदल दिया जाना चाहिए, लेकिन भोपाल में कई पटवारी तो 5 साल या उससे अधिक समय से एक ही हल्के में कार्यरत हैं। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि कार्यालय में कुछ अधिकारी अपनी स्थिति का दुरुपयोग कर रहे हैं। सांसद शर्मा का कहना है कि जनप्रतिनिधियों को भी इन अधिकारियों की शिकायतें मिली हैं, जिसके चलते उन्हें यह मुद्दा उठाना पड़ा।

कांग्रेस पर विधानसभा चुनाव में टिकट बेचने का आरोप

- पार्टी से निष्कासित नेता का डेढ़ साल बाद दावा

भोपाल। कांग्रेस से निष्कासित पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष दामोदर यादव ने विधानसभा चुनाव 2023 के डेढ़ साल बाद दावा किया है कि पार्टी ने चुनाव में टिकटों की सौदबाजी की थी। यादव ने दावा किया है कि यदि कांग्रेस इससे मना करे तो वे इसके सबूत भी देने को तैयार हैं।

यादव कांग्रेस में रहते पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के करीबी थी। पिछले विधानसभा चुनाव में दतिया की सेवढ़ा सीट से उन्हें कांग्रेस से टिकट नहीं मिला तो वे निर्दलीय चुनाव में उतरे थे। यादव ने मीडिया से चर्चा के दौरान कहा कि पार्टी ने 40 से 60 प्रतिशत टिकट बेचे हैं। इनके प्रमाण देने के लिए भी मैं तैयार हूं। ग्वालियर चंबल संभाग में तो टिकट की खरीद फरोख्त तो हुई ही थी, बल्कि पूरे प्रदेश में करीब 150 सीटों की सौदेबाजी हुई थी। कांग्रेस इस बात से इंकार करे तो इसके सबूत मेरे पास हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हार का कारण टिकट में मनमानी के साथ सामंतवादी सोच है। कमलनाथ गद्दी पर हो या पटवारी कांग्रेस में चलेगा सामंतवाद। यादव के बयान पर कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि विधानसभा चुनाव से अब तक कहां थे, कौनसी साधना में लीन थे। लगता है कि भाजपा की ओर से कोई प्रस्ताव आया है। इसलिए इस तरह के अर्नगल बयान दे रहे हैं। विधानसभा टिकट वितरण के समय ये पार्टी में बड़े पद पर थे, तब इस मामले को केंद्रीय नेतृत्व के समक्ष उठाना था। इन बयानों से पार्टी को कोई फर्क नहीं पड़ता। ऐसे बयान देने वालों के बारे में लोग जानते हैं।

उप पंजीयक मनोज सिंहारे व अन्य के विरुद्ध ईओडब्ल्यू में प्रकरण दर्ज

-विक्रय पत्रों के मुद्रांक एवं पंजीयन शुल्क की वसूली में अनियमितता कर शासन राजस्व हानि कारित की गई

भोपाल/भिण्ड। रविन्द्र कुशवाह निवासी लहार एवं बांकेबिहारी निवासी ग्राम - बरुअनपुरा जिला भिण्ड द्वारा मनोज सिहारे उप पंजीयक लहार के विरुद्ध फर्जी रजिस्ट्रियां कर भ्रष्टाचार कर शासन को राजस्व हानि कारित करने की शिकायत ईओडब्ल्यू में की गई थी। जांच में पाया गया कि तत्कालीन उप पंजीयक मनोज सिंहारे द्वारा अपनी लहार पदस्थापना के दौरान संपादित विक्रय पत्रों में से शिकायत में उल्लेखित 07 विक्रय पत्रों के मुद्रांक एवं पंजीयन शुल्क में जानबूझकर कम वसूली कर शासन को कुल 8,45,309 /- रु. की राजस्व हानि कारित की गई है, साथ ही उप पंजीयक के द्वारा तहसील लहार को नगर पालिका परिषद लहार घोषित होने की जानकारी होने के बावजूद भी तत्समय उपरोक्त दस्तावेजों पर प्रचलित प्रावधान लागू न करने एवं मूल दस्तावेजों को कलेक्टर ऑफ स्टाम्प को न भेजकर तथा कुछ आवासीय एवं व्यावसायिक भूखण्डों को कृषि भूमि दर्शाकर पंजीयन सम्पादित किया गया। उक्त रजिस्ट्रियों के संबंध में पंजीयन विभाग जिला पंजीयक भिण्ड के द्वारा भी उप पंजीयक मनोज सिहारे के विरूद्ध पंजीयन शुल्क चोरी के आरोपों को प्रमाणित पाया गया है। म.प्र. शासन को हुई आर्थिक हानि एवं कार्यों में हुई घोर अनियमितता पर उप पंजीयक लहार मनोज सिहारे एवं केतागण मदन मोहन शर्मा, श्रीमती उषा विश्वकर्मा, किरन वर्मा, मंगला वर्मा, मनोज गुप्ता, नीरज गुप्ता, फराह अली, अनीता परिहार व सेवा प्रदाता रोहित सक्सैना, सीमा कुशवाह एवं अमर सिंह नरवरिया के विरुद्ध आरोप प्रथम दृष्टया प्रमाणित पाये जाने से उक्त आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 95/2025 धारा 420, 409, 120बी, भादवि एवं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 संशोधित अधिनियम 2018 की धारा 13 (1) सहपठित धारा 13 (2) का अपराध पंजीबद्ध किया गया है।

स्वीकृत पदों पर समय-सीमा में करें भर्ती

भोपाल । उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कैबिनेट द्वारा स्वीकृत पदों पर समय-सीमा में भर्ती प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा स्वीकृत पदों की भर्ती में अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उप मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग की वृहद समीक्षा की।

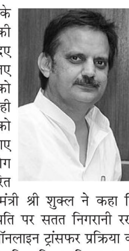

उप मुख्यमंत्री ने यूजी/पीजी सीट्स के अपग्रेडेशन से जुड़े कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि मेडिकल कॉलेजों में सीट वृद्धि के लिए आवश्यक अधोसंरचना विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। साथ ही आवश्यक उपकरणों की खरीदी प्रक्रिया को भी निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाए जिससे राष्टीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के सभी मापदंड निर्धारित समय में पूरे किए जा सकें। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि नियमित फॉलो-अप कर कार्यों की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए। शुक्ल ने यह भी निर्देश दिए कि ऑनलाइन ट्रांसफर प्रक्रिया को पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ क्रियान्वित किया जाए। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने हिंदी में एमबीबीएस के लिए आवश्यक पुस्तकों की उपलब्धता मेडिकल कॉलेज में सुनिश्चित करने के लिए प्राथमिकता से कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आयुक्त स्वास्थ्य तरुण राठी सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

'संघ' प्रिय को हटाने की वजाए हाईकोर्ट के आदेश पर स्टे के इंतजार में जीएडी

ग्वालियर नगर निगम से 61 कर्मचारियों को हटाने के मामले में डबल बैंच में फैसला सुरक्षित

भोपाल। मप्र हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ ने पिछले हफ्ते नगर निगम ग्वालियर में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ 61 अधिकारी एवं कर्मचारियों को मूल विभाग लौटाने के आदेश दिए थे। हाईकोर्ट की एकलपीठ के इस आदेश पर रोक लगाने के लिए कुछ कर्मचारियों ने डबल बैंच में अपील की है। इस बीच सरकार ने भी एकलपीठ के आदेश का पालन करने की वजाए डबल बैंच के फैसले का इंतजार शुरू कर दिया है। डबल बैंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। अभी तक न तो ग्वालियर नगर निगम आयुक्त को हटाया है और न ही अन्य किसी अधिकारी एवं कर्मचारी की सेवा मूल विभाग को लौटाई है।

हाईकोर्ट के फैसले का सामान्य प्रशासन विभाग ने अध्ययन कर लिया है, लेकिन कार्रवाई नहीं की है। जिसकी वजह यह बताई जा रही है कि यदि उच्च न्यायालय के फैसले के पालन में ग्वालियर निगम आयुक्त संघप्रिय समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों की सेवा मूल विभाग को लौटाई जाती हैं तो फिर अन्य नगर निगम एवं निकायों को लेकर भी भविष्य में ऐसा निर्णय लेना पड़ सकता है। क्योंकि ग्वालियर नगर निगम के निर्णय के आधार पर लोक न्यायालय से इस तरह के आदेश पारित करा सकते हैं। बताया गया कि प्रदेश में सभी नगरीय निकायों में करीब 4 हजार से ज्यादा अधिकारी एवं कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर काम कर रहे हैं। जिनमें ज्यादातर को 5 साल से अधिक समय से पदस्थ हैं। यदि ग्वालियर मामले में उच्च न्यायालय का पालन होता है तो फिर अन्य नगरीय निकायों को लेकर भी इस तरह के निर्णय करने पड़ेंगे। जिससे भविष्य में निकायों की प्रशासनिक व्यवस्था गड़बड़ा सकती है।

सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारी ने बताया कि एकलपीठ के निर्णय के खिलाफ कुछ लोग युगलपीठ में गए हैं। युगलपीठ के फैसले के बाद तय होगा कि ग्वालियर नगर निगम से प्रतिनियुक्तियां समाप्त की जाए या नहीं। हालांकि मंत्रालय सूत्रों ने बताया कि युगलपीठ का फैसला कुछ भी आए, इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर के निगमायुक्त बदले जा सकते हैं। क्योंकि इन निगमों में आईएएस अधिकारी पदस्थ हैं। इनमें से भोपाल निगमायुक्त हरेन्द्र नारायण यादव और जबलपुर निगमायुक्त प्रीति यादव को किसी जिले का जिलाधीश बनाया जा सकता है।

10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिए लगेंगी विशेष कक्षाएं

भोपाल। लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने एमपी बोर्ड की कक्षा-10वीं और 12वीं की द्वितीय परीक्षा की तैयारी के लिए विशेष कक्षाओं के संचालन का निर्णय लिया है। इसे लेकर संभागीय संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी और समस्त प्राचार्य शासकीय स्कूलों को निर्देश जारी किए गए हैं। भोपाल जिला शिक्षा अधिकारी एनके अहिरवार ने बताया कि विशेष कक्षाओं के लिए निर्देश जारी किए गए हैं। इसे लेकर हम तैयारी शुरू कर रहे हैं।

शासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों से कहा गया है कि वे विषय शिक्षकों को अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों के सम्पर्क में रहने को कहें। ग्रीष्म अवकाश के दौरान विद्यालय प्राचार्य राज्य स्तर से उपलब्ध करायी गयी अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों के व्हाट्सअप ग्रुप पर साझा करेंगे। कठिन बिन्दुओं के संबंध में भी विषय शिक्षकों के साथ साझा कर विद्यालय स्तर पर कार्य-योजना बनायेंगे।

दो जून से विशेष कक्षाएं

प्रदेश में शासकीय विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश के बाद 2 जून से 14 जून के मध्य उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिये शालाओं में प्रातः 10:30 बजे से कक्षाएं संचालित होंगी। विद्यार्थियों को गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी और संस्कृत विषय की अध्ययन सामग्री प्रति सप्ताह जून माह में 2, 6 और 14 जून को विमर्श पोर्टल पर प्रसारित की जाएगी।

यह दिए गए निर्देश

जिला स्तर पर अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक को विशेष कक्षाओं के विधिवत संचालन के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने को कहा गया है। परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों में परीक्षा के तनाव को कम करने के लिये विद्यार्थियों से सतत चर्चा करने के लिये कहा गया है। विद्यार्थियों को विमर्श पोर्टल पर उपलब्ध टिप्स एण्ड ट्रिक्स के वीडियो दिखाये जाने के निर्देश दिए गए हैं।

शुभमन के लिए इंग्लैंड दौरे में कप्तानी आसान नहीं होगी -पुजारा

नई दिल्ली। पूरी टेस्ट क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि नये कप्तान शुभमन गिल के लिए इंग्लैंड दौरा आसान नहीं होगा। पुजारा ने कहा कि इंग्लैंड के अलग हालातों में अगर वह भारतीय टीम को जीत दिलाने में सफल रहे तो इससे उनका और टीम का मनोबल काफी बढ़ जाएगा जिससे लाभ आगे भी होगा। रोहित शर्मा और विराट कोहली के अचानक संन्यास लेने के बाद भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन को मिली है। पुजारा ने कहा, जब आप कप्तान के तौर पर विदेश जाते हैं, तो चाहे आप युवा हों या परिपक्व, यह चुनौतीपूर्ण होगा। इंग्लैंड में शुरुआत करना आसान नहीं होता है पर यह एक युवा खिलाड़ी के लिए शानदार अवसर है। अगर वह इंग्लैंड में अच्छी कप्तानी करते हैं तो इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

पुजारा ने कहा, उन्हें अनुभवी जसप्रीत बुमराह से पहले यह जिम्मेदारी इसलिए दी गई है क्योंकि बुमराह काम के बोझ और फिटनेस की परेशानियों के कारण सभी पांच टेस्ट मैच नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने कहा, ''इसलिए अगर ऐसे में युवा शुभमन को जिम्मेदारी दी गई है तो टीम प्रबंधन और चयनकर्ता चाहेंगे कि वह लंबे समय तक टीम की कप्तानी करें।''

उन्होंने शुभमन को कप्तानी और बल्लेबाजी को अलग रखने को कह। उन्होंने कहा, बल्लेबाज के तौर पर भी उन पर काफी जिम्मेदारी रहेगी पर मुझे भरोसा है कि जिस तरह की प्रतिभा उनमें है, वह इंग्लैंड में सफल होंगे। यह निश्चित रूप से उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे नहीं पता कि कप्तान होने के नाते वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाएंगे या नहीं पर एक बल्लेबाज के तौर पर उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करने के प्रयास किये हैं। वह हमेशा ही आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं, ऐसे में उनपर कप्तानी का दबाव आने की संभावना नहीं है।

पुजारा ने कहा, जब आप उच्चतम स्तर पर बल्लेबाज के रूप में खेल रहे होते हैं तो आप कभी यह नहीं सोचते कि आप कप्तान हैं या खिलाड़ी, आप हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। आपको इसे अलग रखना होगा, जब आप मध्यक्रम में बल्लेबाजी कर रहे हों तो आपको कप्तानी के बारे में सोचने के बजाय बल्लेबाज के रूप में सोचना होगा।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनकी बल्लेबाजी का तरीका बदलेगा, उन्हें उसी तरह बल्लेबाजी करनी होगी जैसे वह बल्लेबाजी करते हैं। वह एक आक्रामक खिलाड़ी हैं, उन्हें अपने शॉट खेलना पसंद है और उन्हें अपने शॉट खेलना जारी रखना होगा, लेकिन साथ ही उन्हें इंग्लैंड की परिस्थितियों को समझने और यह पता लगाने की जरूरत है कि कौन सा गेंदबाज सही है।पुजारा ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के खराब फॉर्म के बावजूद उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए उपकप्तान नियुक्त करने को भी सही ठहराया। उन्होंने कहा, बुमराह कप्तान या उप-कप्तान की भूमिका की दौड़ से बाहर हैं और यही कारण है कि पंत को उप-कप्तानी दी गई है। उन्होंने कहा, वह टी-20 प्रारूप में फॉर्म में नहीं हैं, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में वह सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं। इंग्लैंड में उनका रिकॉर्ड अतीत में काफी अच्छा रहा है और वह उन शानदार पारियों को दोहराने में सक्षम हैं।

पुजारा चाहते हैं कि केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल सलामी बल्लेबाज के रूप में बने रहें, जबकि अगले स्थान के लिए करुण नायर और अभिमन्यु ईश्वरन को रखा जाये।

उन्होंने कहा, अगर शुभमन चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं तो अभिमन्यु ईश्वरन या करुण नायर जैसे खिलाड़ी उस स्थान के लिए उपयुक्त हो सकते हैं, लेकिन मैं फिर भी शुभमन को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखना चाहूंगा।

क्रिकेट में दो ही गेंदबाजों के नाम है ये रिकार्ड

मुम्बई। क्रिकेट में कुछ ऐसे बातें हैं जिनके बारे में काफी कम लोगों को जानकारी है। इसी में एक डबल हैट्रिक भी है। हैट्रिक का मतलब जहां लगातार तीन विकेट लेना है। वहीं डबल हैट्रिक को लेकर लोग अंदाजा लगाते हैं कि इसमें 6 विकेट होंगे पर ऐसा नहीं है। क्रिकेट में डबल हैट्रिक तब कहा जाता है जब कोई गेंदबाज लगातार तीन से ज्यादा विकेट ले ले। कोई गेंदबाज लगातार 4 गेंद पर 4 विकेट हासिल करता है तो उसे डबल हैट्रिक कहा जाता है। क्रिकेट इतिहास में बहुत ही कम ऐसे गेंदबाज हुए हैं जिन्होंने डबल हैट्रिक ली है। इसका कारण है कि किसी भी गेंदबाज के लिए अपने ओवर में बिना किसी वाइड, नो बॉल के लगातार चार विकेट लेना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि होती है। वहीं डबल हैट्रिक की बात करें तो अंतरराष्ट्री क्रिकेट में श्रीलंका के महान तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा और बांग्लादेश के अल अमीन हुसैन ने यह उपलब्धि हासिल की है। है। मलिंगा ने साल 2007 एकदिवसीय विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में लगातार चार गेंद पर चार विकेट लेकर इतिहास रचा था। इसके अलावा बांग्लादेश के अल अमीन हुसैन ने घरेलू लीग मैच में लगातार 4 गेंद 4 विकेट लेकर ये कारनामा किया था।

बल्लेबाज प्रियांक पांचाल ने संन्यास लिया

मुम्बई। भारतीय टीम के इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले बल्लेबाज प्रियांक पांचाल ने खेल के सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी है। प्रियांक का प्रदर्शन घरेलू क्रिकेट में शानदार रहा है पर उन्हें एक बार भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए चयनित नहीं किया गया । ऐसे में जब उन्हें ये लगने लगा कि अब उन्हें आगे अवसर नहीं मिलेगा तो उन्होंने संन्यास लेना ही बेहतर समझा।

प्रियांक घरेलू क्रिकेट में गुजरात की टीम से खेलते थे। उनके संन्यास पर गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन (जीसीए) ने उन्हें बेहतरीन क्रिकेट सफर के लिए बधाई दी है। इसके अलावा लिखा है कि प्रियांक के अलविदा कहने से एक युग समाप्त हो गया है। इस क्रिकेटर ने सभी फॉर्मेट में भारत-ए और गुजरात की कप्तानी पूरी लगन और गर्व के साथ की थी। हम उनके समर्पण की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

पांचाल ने 16 घंटे पहले ही सोशल मीडिया पर पोस्ट करके संन्यास का संकेत दिया था। तब उन्होंने लिखा है यहां पर नजर बनाए रखें। ।

प्रियांक ने अपने करियर में 8000 से ज्यादा रन बनाये हैं। इस क्रिकेटर ने साल 2008 में फर्स्ट क्लास क्रिकेट में खेलना शुरू किया था। अपने 127 फर्स्ट क्लास मैचों में इस क्रिकेटर ने 8856 रन बनाए, जिसमें 29 शतक और 34 अर्धशतक शामिल रहे। वहीं लिस्ट-ए में उनके नाम पर 3672 रन हैं।

इसके अलावा उनकी कप्तानी में गुजरात ने साल 2016-17 में अपना पहला रणजी ट्रॉफी का खिताब जीता था। इसके अलावा विजय हजारे ट्रॉफी (2015-16) और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी (2012-13 और 2013-14) में भी गुजरात की जीत में उनकी अहम भूमिका रही थी।

गुजरात और मुम्बई इस प्रकार पहुंच सकती है शीर्ष दो में

मुम्बई । पंजाब किंग्स की टीम मुंबई इंडियंस को हराकर शीर्ष-दो में पहुंच गयी है। ऐसे में अब पंजाब की टीम 29 मई को क्वालीफायर 1 खेलेगी। वहीं मुम्बई की टीम अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गयी है। ऐसे में उसे 30 मई को मुल्लांपुर में एलिमिनेटर मुकाबले में उतरेगी। मुंबई और गुजरात के पास अब भी शीर्ष दो में आने का अवसर है। वहीं आरसीबी की टीम को शीर्ष दो में पहुंचने के लिए अंतिम लीग मैच बड़े अंतर से जीतना होगा जबकि अगर आरसीबी हार जाती है तो वह तीसरे नंबर पर फिसल जाएगी। ऐसे में उसे मुम्बई के खिलाफ खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में खेलना होगा। वहीं अगर आरसीबी जीतती है तो गुजरात टाइटंस तीसरे स्थान पर फसल जाएगी और उसे मुम्बई के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबला खेलना होगा। पंजाब किंग्स के बराबर अंक तक पहुंचने के लिए आरसीबी की टीम को लखनऊ को मैच में बड़े अंतर से हराना हराना होगा क्योंकि उसका रन रेट कम है।

आईपीएल क्वलीफायर पर मंडराया बारिश का साया

चंडीगढ। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में 29 और 30 मई को यहां के मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले प्लेऑफ मुकाबलों में बारिश बाधा बन सकती है। चंडीगढ़ मौसम विभाग के निदेशक सुरिंदर पॉल के अनुसार 29 और 30 मई को यहां बारिश और तेज हवा चलने का अनुमान है। मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम भी चंडीगण के बेहद करीब है। और इसी कारण आईपीएल प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। वहीं पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन (पीसीए) का कहना है कि उसने दोनो ही दिनों की तैयारी की है। अब देखना होगा कि बारिश कितनी होती है। साथ ही कहा कि कम बारिश होने पर मैच खेले जा सकेंगे।

क्वलीफायर-1 और एलिमिनेटर मुकाबले मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में 20 और 30 मई को होने हैं हालांकि, इनमें कौन सी टीमें उतरेंगी , ये अभी तय नहीं हुआ है।

पीसीए ने कहा है कि 29 और 30 मई को होने वाले मैच की पूरी तैयारी है। साथ ही कहा कि दौरान अगर कुछ देर बारिश होकर रुक जाती है, तो मैच फिर से करवाया जा सकता है हालांकि ज्यादा बारिश होने पर खेल संभव नहीं होगा। पीसीए के एक अधिकारी ने कहा कि स्टेडियम में मॉडर्न हेरिंगबोन ड्रेनेज सिस्टम लगा है। इस सिस्टम से बारिश के बाद 25-30 मिनट के अंदर मैदान से पानी तेजी से निकल जजाता है।

हेरिंगबोन सिस्टम में आम तौर पर एक प्रमुख पाइप होता है, जो ढलान के साथ कई छोटे पाइपों से जुड़ा होता है, जिससे मैदान का पानी तेजी से घटता है। इससे उम्मीद है कि हल्की बारिश के बाद भी मैच पूरे हो सकेंगे।

क्वालिफायर-1 राउंड में जीतने वाली टीम सीधे फाइनल में प्रवेश करेगी, जबकि हारने वाली टीम को फाइनल में जाने का एक और मौका मिलेगा। इसके लिए उसे 30 मई को मुल्लांपुर क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले एलिमिनेटर मुकाबले में खेलना होगा। यदि टीम यहां जीत जाती है तो फाइनल में प्रवेश कर जाएगी, नहीं तो वह तीसरे नंबर पर रहेगी।

आईपीएल के आयोजक बारिश की आशंका होने के कारण मैच को किसी दूसरे स्टेडियम में मैच शिफ्ट कर सकते हैं पर अभी तक ऐसी कोई योजना नहीं है। वहीं अगर मैच के पहले या बीच में बारिश हुई तो मैच रुकने के साथ कम ओवरों का हो सकता है। बारिश लगातार जारी रही तो फिर मैच रद्द भी किया जा सकता है।अगर मैच रद्द हुए तो यह मुकाबले दोबारा खेले जा सकते हैं पर लीग मैचों में ऐसा नहीं हुआ।

सही समय पर कदम उठाने से जीत मिली - श्रेयस अय्यर

जयपुर। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने टीम के शीर्ष दो में पहुंचने पर खुशी जतायी है। श्रेयस ने इसके लिए सभी के एकजुट होकर किये प्रयासों को जिम्मेदार बताया है। पंजाब की टीम एक दशक के बाद शीर्ष दो में पहुंची है। पिछली बार कोलकाता नाइटराइडर्स को खिताब जिताने वाले श्रेयस इस बार पंजाब को जीत दिलाना चाहते हैं। उनकी कप्तानी में पंजाब ने पांच बार कि खिताब विजेता मुम्बई को हराया। मुम्बई के खिलाफ जीत के बाद श्रेयस ने कहा कि मुझे लगता है कि सभी ने सही समय पर कदम उठाया। हम हर हाल में जीत के इरादे से उतरे थे। श्रेयस ने जीत के लिए सहयोगी स्टाफ और प्रबंधन को भी बधाई दी है। उन्होंने कोच रिकी पोंटिंग से मिले सहयोग को भी याद किया। साथ ही कहा कि कोच फैसले लेने की उन्हें पूरी आजादी देते हैं। श्रेयस ने युवा बल्लेबाज प्रियांश आर्य की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने जिस तरह से टीम को अच्छी शुरुआत दी उससे भी टीम को जीत में सहायता मिली।

धोनी का आगे खेलना फिटनेस पर निर्भर करेगा- उथप्पा

मुम्बई । आईपीएल के इस सत्र में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और वह अंतिम स्थान पर रही है। नियमित कप्तान रितुराज गायकवाड़ के चोटिल होने के कारण सत्र के बीच में ही 43 साल की उम्र में महेन्द्र सिंह धोनी ने टीम की कप्तानी संभाली थी पर इसके बाद भी टीम के प्रदर्शन में कोई बदलाव नहीं आ पाया। ऐसे में टीम के अनुभवी खिलाड़ियों की तरह ही धोनी के भी टीम में बने रहने पर सवाल उठे है। ये भी कहा जा रहा है कि धोनी 43 साल के हो गये हैं और अब उन्हें संन्यास ले लेना चाहिये। वहीं धोनी ने अभी इस मामले में कुछ नहीं कहा है। पूर्व क्रिकेट रॉबिन उथप्पा का कहना है कि महेन्द्र सिंह धोनी अगले आईपीएल में खेलेंगे या नहीं इस बारे में तो वह नहीं कह सकते पर ये सब उनकी फिटनेस पर आधारित रहेगा। उनकी फिटनेस पर निर्भर करेगा। उथप्पा के अनुसार धोनी अगले साल 44 साल के हो जाएंगे पर जिस प्रकार से खेल से उन्हें प्यार है। ऐसे में धोनी खेलते रहना चाहेंगे पर ये इसपर भी निर्भर करेगा कि उनका शरीर कितना साथ देता है। उथप्पा ने कहा, 卐यह सब उनकी सेहत और उनकी भावना पर निर्भर करता है। उनके अंदर खेल को लेकर जुनून है । इसका अंदाजा इसी से होता है कि धोनी ने 2025 में सीएसके के लिए हर मैच खेला और पिछले दो सत्र की तुलना में अधिक गेंदें खेलीं हालांकि, धोनी को निचले क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए आलोचना का भी सामना करना पड़ा था।

सूर्यकुमार मुम्बई की ओर से एक सत्र में सबसे ज्यादा रन और छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

जयपुर । मुंबई इंडियंस के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में अपने आक्रामक अर्धशतक के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। सूर्या ने इस मैच में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इसी केसाथ ही सूर्या मुम्बई की ओर से एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने हैं। सूर्या ने इसी मैच में श्रीलंकाई बल्लेबाज सनथ जयसूर्या के मुंबई की ओर से सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकार्ड भी तोड़ दिया।

सूर्यकुमार ने अब तक 14 मैचों में 640 रन बनाये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन के नाम था, जिन्होंने साल 2010 में मुम्बई की ओर से 618 रन बनाए थे। सूर्यकुमार ने साल 2023 सत्र में 605 रन बनाए थे। वेस्टइंडीज के लेंडल सिमंस ने साल 2015 में 540 रन बनाए थे। वहीं रोहित शर्मा ने 2013 सत्र में 538 रन बनाये थे। इस सत्र में सबसे ज्यादा बार 25 या उससे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी सूर्यकुमार के नाम है। उन्होंने 2025 सत्र में अब तक 14 बार 25 से अधिक रन बनाए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड केन विलियमसन के नाम था, जिन्होंने साल 2018 में 13 बार यह रिकार्ड बनाया था। वहीं शुभमन गिल ने साल 2023 सत्र में 13 बार 25 से अधिक रन बनाये थे।

अब टी20 क्रिकेट में लगातार सबसे ज्यादा बार 25 से अधिक रन बनाने का रिकार्ड सूर्यकुमार के नाम है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के तेम्बा बावुमा के लगातार 13 बार 25 से अधिक रनों का रिकॉर्ड्स तोड़ा। इसके अलावा सूर्यकुमार ने इस सत्र में सबसे अधिक छक्के लगाये। सूर्यकुमार ने अब तक 32 छक्के लगाये हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड सनथ जयसूर्या के नाम था, जिन्होंने साल 2008 में 31 छक्के लगाए थे। वहीं तीसरे स्थान पर ईशान किशन हैं, जिन्होंने 2020 में 30 छक्के लगाये थे।

मुंबई को हराकर अंक तालिका में शीर्ष 2 में पहुंची पंजाब

जयपुर । पंजाब किंग्स की टीम अंतिम लीग मुकाबले में मुंबई इंडियंस को हराकर अंक तालिका में शीर्ष 2 में पहुंच गयी है। अब वह पहला क्वालीफायर 29 मई को खेलेगी जबकि मुम्बई को 30 मई को एलिमिनेटर मुकाबले में उतरना होगा। इस मैच की में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई की ओर से सूर्यकुमार यादव ने 57 जबकि हार्दिक पांड्या ने 26 रन बनाये। जिससे मुंबई ने 7 विकेट पर 184 रन तक बनाये। इसके बाद पंजाब ने इस लक्ष्य को प्रियांश आर्य और जोश इंग्लिस के शानदार अर्धशतकों की सहायता से आसानी से हासिल कर लिया। प्रियांश ने 62 जबकि जोश इंग्लिस ने 73 रन बनाए।

मुंबई की ओर से रियान रिकेल्टन ओर रोहित शर्मा ने अच्छी शुरुआत की। रोहित ने 21 गेंदों पर 24 रन बनाए। वहीं विल जैक्स ने 8 गेंदों पर 17 रन बनाये जबकि कप्तान हार्दिक पांड्या ने 15 गेंदों पर 26 रन बनाकर टीम स्कोर 150 तक पहुंचा दिया। सूर्यकुमार ने अर्धशतक लगायपा। नमन धीर ने भी आक्रामक पारी खेली। नमन धीर ने 20 रन बनाए जबकि सूर्यकुमार ने 39 गेंदों पर 657 रन बनाए। वहीं पंजाब कि ओर से अर्शदीप ने दो विकेट लिए। पंजाब की ओर से प्रियांश के साथ प्रभसिमरन ने बल्लेबाजी शुरु की। प्रभसिमरन 13 रन बनाकर आउट हो गये पर प्रियांश ने जोश इंग्लिस के साथ मिलकर स्कोर आगे बढ़ाया। प्रियांश 35 गेंदों पर 62 रन बनाए । प्रियांश के आऊट होने के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर मैदान इंग्लिस ने टीम को जीत दिला दी। 42 गेंदों पर 9 चौके और 3 छक्कों की मदद से 73 रन बनाए। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने बल्ला चलाया और पंजाब को 7 विकेट से जीत दिला दी। पंजाब अब मुल्लांपुर में क्वालिफायर 1 खेलेगा।

शुभमन को कप्तानी बनाये जाने पर सहवाग ने उठाये सवाल

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अगले माह होने वाने इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाये जाने को जहां कई पूर्व क्रिकेटरों ने सही बताया है। वहीं कई दिग्गजों ने इसपर सवाल उठाये हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के संन्यास के बाद सभी को उम्मीद थी कि अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तानी दी जाएगी पर चयन समिति ने शुभमन को कप्तान बना दिया । इसी को पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने गलत बताया है। सहवाग ने कहा कि शुभमन गिल के अब तक के प्रदर्शन को देखते हुए टेस्ट टीम में उनकी जगह तक नहीं बनती फिर भी उन्हें कप्तानी दे दी गयी।

सहवाग ने कहा, वह दूसरा सबसे अच्छा विकल्प था पर जो प्लेइंग 11 में भी फिट नहीं बैठता, उसे कप्तान कैसे बनाया जा सकता है?

इसलिए मुझे लगता है कि यहां तर्क यह था कि उन्होंने देखा कि दूसरा सबसे अच्छा विकल्प कौन था, और वह शुभमन थे और ऐसा ही हुआ। सहवाग हालांकि बुमराह को अतिरिक्त जिम्मेदारी न देने के लिए चयनकर्ताओं से सहमत नजर आये थे।

वहीं पूर्व क्रिकेट मनोज तिवारी ने कहा , एक सीरीज के लिए बुमराह ठीक हैं पर लंबे समय के विकल्प के रूप में आपको यह जानने की जरूरत है कि अगर भारत एक साल में 10 टेस्ट खेलता है, तो क्या वह खिलाड़ी उन सभी मैचों में खेल पाएगा? या वह कितने मैच खेल सकता है? कप्तान चुनने में यह एक प्रमुख कारक है। इसलिए मुझे लगता है कि शुभमन को कप्तान बनाने का यह सही निर्णय था क्योंकि उन्हें लगा कि वे बुमराह पर इतना दबाव नहीं डाल सकते। तिवारी ने कहा कि गिल दूसरे सर्वश्रेष्ठ हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वह ऋषभ पंत हैं, और गिल तीसरे सर्वश्रेष्ठ हैं।

सहवाग ने इसके बाद टेस्ट क्रिकेट में क्रांति लाने और विराट कोहली के बाद आधुनिक समय के दर्शकों के लिए इसे मनोरंजक बनाने के लिए ऋषभ पंत की प्रशंसा की। सहवाग ने यह भी व्यक्त किया कि अगर पंत अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटते हैं तो उन्हें भविष्य में संभावित कप्तान के रूप में पेश किया जा सकता है।

सहवाग ने कहा, ऋषभ ने टेस्ट क्रिकेट के लिए जो किया, वह किसी और खिलाड़ी ने नहीं किया। विराट कोहली के बाद अगर कोई एक खिलाड़ी है जिसने प्रशंसकों को टेस्ट क्रिकेट देखने के लिए मजबूर किया है, तो वह पंत है। लेकिन क्योंकि वह दुर्घटना का शिकार हुआ, चोटिल हो गया और फिर वापस आया, इसलिए उसका उतना प्रभाव नहीं पड़ा जितना पड़ना चाहिये था इसलिए उसे उप-कप्तान बनाया गया, ऐसे में अगर वह फॉर्म में वापस आ जाता है, तो वे भविष्य में उसे कप्तान बनाया जा सकता है। ।

भारत के गुलवीर ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण जीता

नई दिल्ली। भारतीय धावक गुलवीर सिंह ने एशियाई चैंपियनशिप में पुरुषों की 10000 मीटर दौड़ में स्वर्ण जीता है। इसी के साथ ही एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत को पहला स्वर्ण मिला है। गुलवीर ने अंतिम क्षणों में जबरदस्त तेजी दिखाते हुए सभी अन्य प्रतियोगियों को पीछे छोड़ दिया। भारत के ही सावन बारवाल चौथे स्थान पर रहे। इससे पहले यह उपलब्धि भारत के ही हरिश्चंद्र ने (1975) और जी लक्ष्मणन (2017) में हासिल की थी। राष्ट्रीय चैम्पियन गुलवीर ने इससे पहले साल 2023 में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 5000 मीटर में कांस्य पदक भी जीता था। गुलवीर ने हाल ही में डायमंड लीग में भी भाग लिया था। गुलवीर ने दौड़ को 28=38.63 मिनट में ही पूरा कर लिया। अंतिम लैप में उन्होंने बहरीन के अल्बर्ट किबिची रोप को पीछे छोड़ा और पहले स्थान पर रहे। गुलवीर ने 2022 के एशियाई खेलों में 10000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 में बैंकॉक में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10000 मीटर में एक और कांस्य पदक जीता था। उन्होंने देश में राष्ट्रीय फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 10000 मीटर में स्वर्ण पदक भी जीता।

मानसून का धमाकेदार आगाज : बारिश-बिजली से केरल और महाराष्ट्र में 5 की मौत

नई दिल्ली/भोपाल। केरल में 24 मई को मानसून की दस्तक के बाद लगातार बारिश से आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 4 लोगों की मौत हो गई है। बारिश-लैंडस्लाइड के चलते 29 घर ढह गए, 868 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। ट्रेनें देरी से चल रही हैं। निचले इलाके जलमग्न हैं। वहीं, महाराष्ट्र में दो लोगों की मौत हो गई। ठाणे में बिजली गिरने से एक महिला की मौत हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक, देश के 14 राज्यों में मानसून पहुंच चुका है। तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन के एक्टिव होने की वजह से अगले चार दिन तक आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। आमतौर पर केरल में मानसून 1 जून और मुंबई में 11 जून को पहुंचता है।

देश में इस बार मानसून सीजन (जून से सितंबर) में सामान्य से ज्यादा बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा ये 106 प्रतिशत रह सकती है। पिछले महीने इसे 105 प्रतिशत बताया गया था। वहीं, जून महीने में भी बारिश सामान्य से ज्यादा होगी। मौसम विभाग ने मंगलवार को बताया कि देश में जून के महीने में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है, जो 108 प्रतिशत हो सकती है। यानी इस दौरान 87 सेमी से ज्यादा बारिश का अनुमान है। इसे लॉन्ग पीरियड एवरेज कहा जाता है। मौसम विभाग के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि मध्य और दक्षिण भारत में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की उम्मीद है। उत्तर-पश्चिम भारत में सामान्य, जबकि पूर्वोत्तर में सामान्य से कम बारिश हो सकती है। मानसून के कोर जोन में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, ओडिशा और आस-पास के क्षेत्र शामिल हैं। इनमें अधिकांश बारिश साउथ वेस्ट मानसून के दौरान होती है और यह रीजन खेती के लिए मानसूनी बारिश पर बहुत ज्यादा निर्भर करता है।

मप्र में 39-40 इंच तक पानी गिरेगा

मप्र में इस बार औसत 106 प्रतिशतयानी, 39 से 40 इंच तक बारिश हो सकती है। मध्य भारत और दक्षिणी हिस्से में 106 प्रतिशत बारिश होने का अनुमान है। अच्छी बारिश फसलों के लिए बेहतर रहेगी। वहीं, जलस्त्रोतों में भी अच्छा पानी आएगा। बता दें कि इस बार मध्यप्रदेश में मानसून की दस्तक 8 से 10 दिन पहले हो सकती है। सोमवार-मंगलवार को मानसून महाराष्ट्र के मुंबई, पुणे समेत कई शहरों में 15 दिन पहले ही पहुंच गया। यहां मानसून आने की सामान्य तारीख 10 जून तक है। मानसून की रफ्तार अभी ठीक है। यही रफ्तार रहती है तो मध्यप्रदेश में मानसून 4 से 7 जून तक आ सकता है। इससे पहले अप्रैल में मानसूनी सीजन में 38 से 39 इंच बारिश होने की उम्मीद जताई गई थी।

दक्षिणी हिस्से से होगी मानसून की एंट्री

मौसम विभाग के मुताबिक, मप्र के दक्षिणी हिस्से यानी मंडला, सिवनी, डिंडौरी, बालाघाट, अनूपपुर, बुरहानपुर, पांढुर्णा, बैतूल, बड़वानी के रास्ते से मानसून दस्तक देगा। ग्वालियर-चंबल में सबसे लेट पहुंचेगा। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर जिले में प्रवेश किया था। इस बार भी इन्हीं जिलों से मानसून आने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि इस बार मानसून ने 8 दिन पहले ही देश में दस्तक दी है। इससे पहले 2009 में भी मानसून 23 मई को पहुंच गया था। फिलहाल मानसून के आगे बढने् की स्थिति ठीक है। मध्यप्रदेश में इस बार भी समय से दस्तक देने की स्थिति बन रही है।

कलेक्टर तरन्नुम पर विवादित टिप्पणी कर फंसे बीजेपी नेता, कर्नाटक कांग्रेस हमलावार

कलबुर्गी। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में भाजपा एमएलसी और विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन रविकुमार द्वारा जिला कलेक्टर फौजिया तरन्नुम पर की गई भड़काऊ टिप्पणी के बाद विवाद बढ़ गया है। बीजेपी नेता रविकुमार ने कथित तौर पर कहा था, मुझे नहीं पता कि डीसी पाकिस्तान से आई हैं या यहां की कोई आईएएस अधिकारी हैं। यह टिप्पणी चित्तपुर में हाल ही में हुई घटना से संबंधित चल रहे तनाव के बीच आई है। डिप्टी कमिश्नर तरन्नुम के खिलाफ कथित टिप्पणी के लिए भाजपा एमएलसी कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई।

इस पूरे मामले में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेता कुमार ने जो कुछ भी कहा वह उचित नहीं है। यह दुश्मनी पैदा करने वाला बयान है। उन्हें (कलबुर्गी डीसी तरन्नुम) कुछ नहीं होगा, लेकिन यह समाज में दुश्मनी पैदा करने के लिए है। उनके खिलाफ़ पुलिस शिकायत और एफआईआर दर्ज की जाएगी। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं। वहीं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा संघ के अधिकारी और अन्य लोग आज सुबह मुझसे मिले। वे हैरान हैं। वह (फौजिया तरन्नुम) बहुत साफ-सुथरी अधिकारी हैं। यह एक महिला अधिकारी के प्रति उनका सम्मान है।

कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने रविकुमार की टिप्पणी की निंदा कर बेहद अप्रिय बताया। उन्होंने कहा, देश भर के भाजपा नेताओं और उनके भाषणों को देखिए, यह एक बेहद परेशान करने वाली मानसिकता को दिखाता है। एक सम्मानित अधिकारी के खिलाफ इस तरह के आरोप लगाना अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता और राज्य मंत्री शरण प्रकाश पाटिल ने भाजपा पर अनावश्यक रूप से तनाव बढ़ाने और प्रशासन का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया।

पंचकूला सामूहिक आत्महत्या मामला : गठित की गई जांच टीम

चंडीगढ़। हरियाणा के पंचकूला जिले में सामूहिक आत्महत्या की दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सेक्टर-27 स्थित एक मकान के बाहर खड़ी कार में एक ही परिवार के सात लोगों के शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू कर दी है और इस संवेदनशील मामले की तह तक जाने के लिए 5 सदस्यीय जांच टीम का गठन किया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी, डीसीपी हिमाद्री कौशिक और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीमों ने कार की गहन जांच की और साक्ष्य जुटाने का काम शुरू किया। डीसीपी कौशिक ने बताया कि सभी मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे और प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी एंगल से जांच की जा रही है।

फिलहाल सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पंचकूला पुलिस के मुताबिक, कार से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है, लेकिन कुछ व्यक्तिगत सामान और पदार्थ ऐसे मिले हैं, जिनकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी। प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच को तेजी देने और किसी भी संभावित एंगल को नजरअंदाज न करने के निर्देश दिए हैं। पूरे शहर में इस घटना के बाद शोक और सन्नाटा पसरा हुआ है।

अब्दुल्ला खलील के साथ जयशंकर की तस्वीर को देख जलभुन गया पाकिस्तान

नई दिल्ली। मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को अपना समर्थन दिया है। सोमवार को दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की दिल्ली में गर्मजोशी भरी बैठक हुई। दोनों विदेश मंत्रियों के चेहरे की मुस्कुराहट से साफ दिख रहा है कि एक साल पहले भारत और मालदीव के बीच जो थोड़ी बहुत दूरियां आई थीं, वे कम होने लगी हैं और रिश्ते वापस पटरी पर लौट रहे हैं। मालदीव के विदेश मंत्री खलील भारत के दौरे पर हैं। इस दौरान उनकी विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात हुई, इसकी तस्वीर जयशंकर ने एक्स पर शेयर की है। तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, मालदीव के विदेश मंत्री खलील से आज मुलाकात कर बड़ी खुशी हुई। हम आतंकवाद के खिलाफ मालदीव के सपोर्ट और एकजुटता का स्वागत करते हैं। इस तस्वीर को देखकर आंतकी मुल्क पाकिस्तान पूरी तरह से जलभून गया है। दरअसल एक साल पहले मालदीव की मोहम्मद मुइज्जू सरकार ने भारत को लेकर बेहद तल्ख तेवर दिखाए थे। मुइज्जू सरकार के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां भी कीं, जिसके लिए उनके देश के लोगों ने भी काफी नाराजगी जाहिर की थी। सोशल मीडिया पर सबॉयकॉटमालदीव भी ट्रेंड हुआ था। भारतीय सैनिकों को भी वापस बुलाया था, जो भारत की ओर से उपहार में दिए गए हेलीकॉप्टरों और डोर्नियर विमानों के संचालन और रखरखाव के लिए तैनात थे।

इसके बावजूद भारत सरकार ने कभी मालदीव की ओर उतना तल्ख रवैया नहीं दिखाया। मालदीव को आर्थिक मदद भी दी। पिछले साल अक्टूबर में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पांच दिन की यात्रा पर भारत आए थे। विदेशी मुद्रा संकट से गुजर रहे मालदीव को सरकार ने 6,300 करोड़ की वित्तीय सहायता देने का वादा कर ट्रेड डील पर भी चर्चा हुई थी। इस वित्तीय सहायता में 400 मिलियन डॉलर की करेंसी स्वैप डील और 30 अरब रुपये की अन्य डील शामिल थीं। हाल ही में मालदीव का 50 मिलियन डॉलर का ट्रेजरी बिल भी जारी किया गया है।

समीकरणों के बदलाव की आहट : राज्यसभा में बढ़ बढ़ी सकती हैं विपक्ष की सीटें

नई दिल्ली। अगले माह 19 जून को होने वाले राज्यसभा चुनाव में तमिलनाडु की 6 सीटों के लिए मतदान होना है तो वहीं असम की दो सीटों के लिए भी वोटिंग होनी है। ये सीटों राज्यसभा सदस्यों के रिटायरमेंट के चलते खाली हो रही हैं। तमिलनाडु के 6 सदस्य जुलाई में रिटायर होंगे, जबकि असम के दो सदस्यों का जून महीने में कार्यकाल समाप्त हो रहा है। तमिलनाडु में जिन 6 सीटों पर इलेक्श होना है, उनमें से तीन पर अब तक डीएमके के सदस्य थे। इसके अलावा तीन सीटों पर पीएमके, एआईएडीएमके और एमडीएमके के मेंबर सांसद थे। इससे संभावना है कि विपक्ष की सीटें बढ़ सकती हैं।

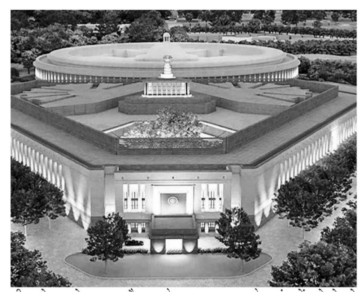

फिलहाल तमिलनाडु विधानसभा का जो समीकरण है, उसके हिसाब से डीएमके का नंबर तीन से 4 हो सकता है। इसके अलावा यदि कांग्रेस के साथ सहमति बनी तो फिर डीएमके एक सीट उसे भी दे सकती है। ऐसा होने पर भी विपक्षी गठबंधन के खाते में ही एक और सीट जाएगी। इसी तरह असम के आंकड़ों को देखते हुए भी विपक्ष के खाते में एक सीट का इजाफा हो सकता है। फिलहाल जो मेंबर रिटायर हो रहे हैं, वे भाजपा और असम गण परिषद के सदस्य हैं। लेकिन विधानसभा का जो समीकरण है, उस लिहाज से चुनाव की स्थिति में एक सीट भाजपा को मिलेगी तो वहीं एक अन्य सीट कांग्रेस या फिर उसके सहयोगी को मिल सकती है।

इस तरह चुनाव के बाद राज्यसभा में विपक्ष की सीटें 91 हो सकती हैं, जो अभी 89 ही हैं। इसके अलावा एनडीए की सीटें जो फिलहाल 128 हैं, वे घटकर 126 ही रह सकती हैं। बता दें कि हरियाणा, दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे कई राज्यों में चुनावी हार के बाद विपक्ष के लिए यह राहत भरी खबर होगी। दरअसल कई राज्यों के चुनावों में लगातार कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को मात झेलनी पड़ी है। झारखंड को इसमें अपवाद के तौर पर देखा जा सकता है, जहां झामुमो की लीडरशिप में विपक्षी गठबंधन की सरकार बनी है।

अब्दुल्ला खलील के साथ जयशंकर की तस्वीर को देख जलभुन गया पाकिस्तान

नई दिल्ली। मालदीव के विदेश मंत्री अब्दुल्ला खलील ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को अपना समर्थन दिया है। सोमवार को दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की दिल्ली में गर्मजोशी भरी बैठक हुई। दोनों विदेश मंत्रियों के चेहरे की मुस्कुराहट से साफ दिख रहा है कि एक साल पहले भारत और मालदीव के बीच जो थोड़ी बहुत दूरियां आई थीं, वे कम होने लगी हैं और रिश्ते वापस पटरी पर लौट रहे हैं।

मालदीव के विदेश मंत्री खलील भारत के दौरे पर हैं। इस दौरान उनकी विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से मुलाकात हुई, इसकी तस्वीर जयशंकर ने एक्स पर शेयर की है। तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, मालदीव के विदेश मंत्री खलील से आज मुलाकात कर बड़ी खुशी हुई। हम आतंकवाद के खिलाफ मालदीव के सपोर्ट और एकजुटता का स्वागत करते हैं। इस तस्वीर को देखकर आंतकी मुल्क पाकिस्तान पूरी तरह से जलभून गया है।

दरअसल एक साल पहले मालदीव की मोहम्मद मुइज्जू सरकार ने भारत को लेकर बेहद तल्ख तेवर दिखाए थे। मुइज्जू सरकार के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां भी कीं, जिसके लिए उनके देश के लोगों ने भी काफी नाराजगी जाहिर की थी। सोशल मीडिया पर सबॉयकॉटमालदीव भी ट्रेंड हुआ था। भारतीय सैनिकों को भी वापस बुलाया था, जो भारत की ओर से उपहार में दिए गए हेलीकॉप्टरों और डोर्नियर विमानों के संचालन और रखरखाव के लिए तैनात थे।

इसके बावजूद भारत सरकार ने कभी मालदीव की ओर उतना तल्ख रवैया नहीं दिखाया। मालदीव को आर्थिक मदद भी दी। पिछले साल अक्टूबर में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पांच दिन की यात्रा पर भारत आए थे। विदेशी मुद्रा संकट से गुजर रहे मालदीव को सरकार ने 6,300 करोड़ की वित्तीय सहायता देने का वादा कर ट्रेड डील पर भी चर्चा हुई थी। इस वित्तीय सहायता में 400 मिलियन डॉलर की करेंसी स्वैप डील और 30 अरब रुपये की अन्य डील शामिल थीं। हाल ही में मालदीव का 50 मिलियन डॉलर का ट्रेजरी बिल भी जारी किया गया है। खलील एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत की तीन-दिवसीय यात्रा पर आए हैं। यहां वह व्यापक आर्थिक और समुद्री सुरक्षा साझेदारी के कार्यान्वयन की समीक्षा करने वाले है।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई हवाई अड्डे पर रनवे का रखरखाव करने वाली तुर्की की कंपनी को दी राहत

- जून तक नए टेंडर पर फैसला न लेने का निर्देश

मुंबई। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि वह राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के 70 प्रतिशत रनवे का रखरखाव करने वाली तुर्की स्थित कंपनी के अनुबंध को तत्काल समाप्त कर रहा है। हालांकि, तुर्की स्थित कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज ने इस फैसले के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कंपनी ने दावा किया है कि उसे अपना पक्ष रखने का कोई अवसर दिए बिना अनुबंध को रद्द करना गलत है। उधर इस ठेके को रद्द करने के बाद एयरपोर्ट प्रशासन ने इस काम के लिए नए टेंडर आमंत्रित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उधर कंपनी ने करार रद्द करने के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। अवकाशकालीन अदालत ने इस संबंध में जून माह में नियमित अदालत में सुनवाई करने के निर्देश जारी किए हैं। न्यायमूर्ति सोमशेखर सुंदरसेन की अवकाशकालीन अदालत ने ये निर्देश जारी किए हैं कि मुंबई हवाईअड्डा प्राधिकरण तब तक नए टेंडरों के संबंध में कोई निर्णय न ले।

- क्यों हो रहा तुर्की कंपनी का विरोध ?

भारत-पाकिस्तान तनाव में तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का समर्थन किया है। इसलिए, मौजूदा तनाव के बीच देश के सबसे महत्वपूर्ण हवाई अड्डे पर इस तुर्की कंपनी को खुली छूट देना देश की सुरक्षा के लिए खतरनाक है। शिवसेना शिंदे गुट का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य हवाई अड्डा अधिकारी विष्णु झा से मिला था और मांग की थी कि इस कंपनी से सारा काम वापस ले लिया जाए। इसके बाद हवाईअड्डा प्रशासन ने दो दिन के भीतर घोषणा कर दी कि वह अनुबंध रद्द कर रहा है।

वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई

अधिनियम 1995 को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 को लेकर मंगलवार को फिर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने संशोधित वक्फ अधिनियम 1995 के कुछ प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी किया है। इसके साथ इस याचिका को 1995 के वक्फ अधिनियम को चुनौती देने वाली लंबित याचिकाओं से जोड़ दिया है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की खंडपीठ ने ये नोटिस सरकार को दिया। पीठ निखिल उपाध्याय द्वारा 1995 अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान सीजेआई गवई ने याचिकाकर्ता के वकील अश्विनी उपाध्याय से पूछा कि 1995 अधिनियम को अब क्यों चुनौती दी जा रही है। इस पर वकील ने कहा कि हम 2013 के संशोधन को भी चुनौती दे रहे हैं। इसके बाद सीजेआई ने कहा कि इसमें भी 12 साल हो गए। हम देरी की वजह से केस खारिज कर देंगे।

इसका जवाब देते हुए वकील उपाध्याय ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट पहले से ही 2020-21 में पूजा स्थल अधिनियम 1991 और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग अधिनियम 1992 को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। बता दें कि याचिकाकर्ता ने वक्फ संशोधन अधिनियम 2025 द्वारा संशोधित वक्फ अधिनियम 1995 की कई धाराओं की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए तर्क दिया कि ये प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 21, 25, 26, 27 के विरुद्ध हैं। याचिकाकर्ता ने ये भी तर्क दिया कि केवल मुसलमानों के पास ही उनकी धार्मिक संपत्तियों को संभालने से संबंधित कानून है और अन्य धर्मों के पास ऐसा कोई कानून नहीं है। इसलिए यह तर्क दिया गया कि वक्फ अधिनियम 1995 भेदभावपूर्ण था।

टीडीपी पार्टी कल्याण, सुधार और विकास के लिए एक ट्रेंडसेटर - नायडू

नई दिल्ली। टीडीपी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि केंद्र में विभिन्न सरकारों द्वारा लिए गए कई फैसलों में टीडीपी ने अहम भूमिका निभाई है और पार्टी कल्याण, सुधार और विकास के लिए एक ट्रेंडसेटर है। टीडीपी महानाडु को संबोधित कर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 43 सालों में टीडीपी ने कई चुनौतियों का सामना किया है। कई लोगों ने कहा कि पार्टी खत्म हो गई है, लेकिन इसका झंडा हमेशा ऊंचा रहा है।

सीएम ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा (अलग-अलग समय पर) लिए गए कई फैसलों में टीडीपी ने अहम भूमिका निभाई है। आंध्र प्रदेश आज जो सोचता है, भारत कल वहीं सोचता है, यह कई बार साबित हो चुका है। उन्होंने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं को काफी नुकसान उठाना पड़ा और कई टीडीपी कार्यकर्ताओं की जान गई। उन्होंने कहा कि देश में कई राजनीतिक दल हैं। लेकिन टीडीपी एकमात्र ऐसी पार्टी है जिसने लोगों के जीवन को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि जब संगठनात्मक ताकत की बात आती है, तब टीडीपी देश की सबसे मजबूत पार्टियों में से एक है।

नायडू ने कहा कि पार्टी ने मात्र 45 दिनों में एक करोड़ सदस्यों को जोड़कर सदस्यता अभियान पूरा किया है। आंध्र प्रदेश में सत्तारूढ़ पार्टी का तीन दिवसीय वार्षिक सम्मेलन टीडीपी महानुडू मंगलवार को यहां शुरू हुआ। यह 27 से 29 मई तक चलेगा।

पाकिस्तान में गरीबी बढ़ने में अहम रोल निभा रहा है जीएसटी

विश्व बैंक की रिपोर्ट में खुलासा, रोजमर्रा की जरूरतों से जूझ रहे लोग

नई दिल्ली। लंबे समय से आर्थिक संकट झेल रहे पाकिस्तान में आईएमएफ से लेकर तमाम वैश्विक निकायों से मिल रही वित्तीय सहायता के बाद भी हालात बदतर हैं। लोग गरीबी में घुसते जा रहे हैं और महंगाई के चलते लोगों को खाने-पीने और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए जूझना पड़ रहा है। पाकिस्तान में लगातार गरीबी बढ़ रही है इसका खुलासा विश्व बैंक की रिपोर्ट में किया गया है और साथ ही गरीबी बढ़ने का बड़ा कारण भी बताया गया है।

ये रिपोर्ट ऐसे समय में आई है, जब जून में विश्व बैंक द्वारा पाकिस्तान के लिए 20 अरब डॉलर का कर्ज देने की बातें कही जा रही है। हाल ही में पाकिस्तान के हालात देखकर आईएमएफ ने बड़ी रकम दी है, लेकिन आतंक का पनाहगार देश आम लोगों के जीवन में बदलाव के बजाय इसे आतंकियों पर लुटाने में लगा है, हाल ही में पहलगाम हमले के बाद भारत से बढ़े तनाव के बीच ये खुलकर सबसे सामने आया और आईएमएफ को भी इसका एहसास हुआ। इसके चलते उसने जो 1 अरब डॉलर की अतिरिक्त आर्थिक मदद के साथ पाकिस्तान के लिए बेलआउट को मंजूरी दी थी, उसके तुरंत बाद नई शर्तें भी लगाई थीं।

पाकिस्तान का हाल ये है कि देश पर 131 अरब डॉलर का कर्ज है, जो इसकी जीडीपी का करीब 42 फीसदी है, तो महंगाई, भुखमरी और बेरोजगारी की मार से जनता कराह रही है। अब विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में पाकिस्तान में बढ़ती गरीबी के पीछे के कारणों के बारे में खुलासा हुआ है, इसमें वैश्विक निकाय ने कहा है कि पाकिस्तान की गरीबी बढ़ने के पीछे जनरल सेल्स टैक्स यानी जीएसटी अहम रोल निभा रहा है।

वर्ल्ड बैंक ने अपनी रिपोर्ट में पाकिस्तान को इस खतरे से आगाह करने के बाद इससे बचाव की सलाह देते हुए सुझाव में कहा है कि पाकिस्तान सरकार को डॉमेस्टिक रेवेन्यू कलेक्शन और पब्लिक एक्सपेंडिचर में सुधार करना होगा। फिस्कल इक्विटी में सुधार के लिए ये करना जरूरी है। इसके अलावा वैश्विक निकाय ने पाकिस्तान में पब्लिक हेल्थ और एजुकेशन तक पहुंच बढ़ाने के लिए सुधार लागू करने पर भी जोर दिया है, जो देश में गरीबी और असमानता को कम करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

इसके साथ ही विश्व बैंक ने पाकिस्तान के टैक्स सिस्टम की कमियों को उजागर करते हुए कहा है कि पाकिस्तान के लिए मुसीबत ये है कि उसने इनडायरेक्ट टैक्सों पर ज्यादा फोकस किया है और सब्सिडी एक्सपेंडिचर से रेवेन्यू अर्जित करने का रास्ता चुना है।

29 मई को पटना पहुंच रहे पीएम मोदी, बिहारवासियों को 50 हजार करोड़ की सौगात मिलेगी

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 29 मई को होने वाली बिहार दौरे को लेकर पटना में तैयारियां चल रही हैं। इस लेकर बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने मंगलवार को प्रेसवार्ता की। उन्होंने बताया कि पीएम के दौरे को लेकर राज्य भर में भारी उत्साह है। बिहारवासियों को 50 हजार करोड़ की सौगात मिलने वाली है। यह दौरा सिर्फ कार्यक्रम नहीं, बल्कि ऐतिहासिक मौका है। जायसवाल ने बताया कि पटना का नया और भव्य एयरपोर्ट अब बनकर तैयार है। इसका उद्घाटन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले है। साथ ही बिहटा में प्रस्तावित एयरपोर्ट का शिलान्यास भी पीएम मोदी करने वाले है। इससे राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर को और मजबूती मिलेगी। पीएम मोदी पटना में रोड शो करने वाले है। यह रोड शो एयरपोर्ट से शुरू होकर शेखपुरा मोड़, इनकम टैक्स गोलंबर होते हुए बीजेपी प्रदेश कार्यालय तक जाएगा। रास्ते में 32 जगहों पर स्वागत मंच लगाए जाएंगे। यहां आम लोग और पार्टी कार्यकर्ता पीएम का स्वागत करने वाले है। इस लेकर पटना को सजाया जा रहा है, प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की तैयारियां भी जोरों पर हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी करीब 20 जून तक फिर बिहार आ आएंगे। इस दौरान वे बिहार को और भी कई बजे सौगात दे सकते है।